रांची

हिन्दी दैनिक

# वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:44 | शुक्रवार,17 अक्टूबर | ₹5

## ब्रीफ न्यूज

### तीन दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचे अमित शाह

एजेंसी

पटना :बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार शाम को पटना पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सहित कई बड़े नेता इस दौरान एयरपोर्ट पर मौजूद थे। बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के अनुसार शाह 16 से 18 अक्टूबर तक बिहार में रहेंगे।

### पत्नी चंदा संग राजद में शामिल हुए खेसारी

एजेंसी

पटना (एजेंसी) : भोजपुरी गायक व अभिनेता खेसारी लाल यादव गुरुवार को राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए। अपनी पत्नी चंदा यादव के साथ उन्होंने आरजेडी की सदस्यता ग्रहण की। तेजस्वी यादव ने पार्टी की सदस्यता दिलायी। आरजेडी की सदस्यता ग्रहण करने से पहले ही बिहार में अचानक यह चर्चा तेज हो गयी कि खेसारी लाल की पत्नी चंदा यादव विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। कुछ दिनों बाद ही यह बात सामने आई कि उनकी पत्नी नहीं बल्कि खुद खेसारी लाल यादव चुनाव आरजेडी की टिकट पर लड़ेंगे।

### मोदी और ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारत ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच पिछले एक- दो दिन में टेलीफोन पर वार्ता होने की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया था कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी से रूसी तेल खरीद पर रोक लगाने के बारे में बातचीत हुई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में राष्ट्रपति ट्रम्प के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'मेरी जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीचकल कोई बातचीत नहीं हुई है

इंडियन पुलिस सर्विस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (इप्सोवा) की ओर से जैप-1 मैदान, डोरंडा, रांची में आयोजित तीन दिवसीय दिवाली मेला के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन।

### मुख्यमंत्री एवं विधायक कल्पना सोरेन ने इंडियन पुलिस सर्विस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (इप्सोवा) की ओर से आयोजित तीन दिवसीय दिवाली मेला का किया उद्घाटन,कहा-

# समाज के हर जरूरतमंद को हम अपने साथ खड़ा कर सकें

रांची,संवाददाता

**रांची:**मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन मुख्य अतिथि एवं विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन विशिष्ट अतिथि के रूप में आज इंडियन पुलिस सर्विस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (इप्सोवा) की ओर से जैप-1 मैदान, डोरंडा, रांची में आयोजित तीन दिवसीय दिवाली मेला के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इप्सोवा कोई नया नाम नहीं है। यह संस्था एक लंबा सफर तय कर चुका है। इस दौरान इस संस्था द्वारा समाज के मुख्य धारा से अलग- थलग, दबे -कुचले एवं वंचित लोगों को अलग-अलग माध्यमों से सहायता प्रदान की गई और यह सिलसिला निरंतर जारी है। मैं इप्सोवा को उसके सामाजिक सरोकार के लिए बधाई देता हूं। एक नए लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रयासरत मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस महकमा इस राज्य के लोगों की -जान माल की सुरक्षा को समर्पित है। इप्सोवा भी एक ऐसी संस्था है, जो पुलिस पदाधिकारियों के परिजनों द्वारा संचालित किया जा रहा है । यह संस्था सामाजिक कार्यों से जुड़ा हुआ है तथा पूरी संवेदनशीलता के साथ अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करता आ रहा है । इस तरह के मेलों के माध्यम से आप एक नए लक्ष्य की तरफ बढ़ने के लिए प्रयासरत हैं । मुझे पूरी उम्मीद है इप्सोवा के जो भी लक्ष्य है ,वे निश्चित तौर पर हासिल होंगे । हर जरूरतमंद को अपने साथ खड़ा कर पाएं

इप्सोवा ऐसी संस्था है जो व्यस्त समय के बीच सामाजिक कार्यों का निर्वहन करती आ रही है। इसके सदस्य जरूरतमंदों की मदद के लिए लगातार काम कर रहे हैं । ऐसे में आज जरूरी है कि समाज के हर जरूरतमंद को हम अपने साथ खड़ा कर सकें, इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। मुख्यमंत्री ने इप्सोवा दिवाली मेला में हिस्सा लेने पहुंचे सभी लोगों को शुभकामनाएं दी।

## बिहार विस चुनाव : जदयू ने 44 उम्मीदवारों की जारी की दूसरी सूची

# 101 प्रत्याशियों में 4 मुस्लिम व 13 महिलाओं को मिला टिकट

एजेंसी

**37 विधायकों को दोबारा दिया गया मौका, सबसे ज्यादा 37 पिछड़ों को तरजीह**

पटना:गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जदयू ने अपनी प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी। लिस्ट में 44 लोगों के नाम हैं। इससे पहले बुधवार को 57 कैंडिडेट्स की घोषणा की गई थी। बता दें कि पार्टी इस बार 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। सभी सीटों पर उम्मीदवारों का एलान हो गया है। जदयू की 101 लिस्ट में कुल 13 महिलाओं को शामिल किया गया है। 4 मुस्लिम चेहरों को भी टिकट दिया गया है। 37 से ज्यादा सिटिंग विधायक हैं। 12 मंत्री हैं। जदयू ने कुल सीट बंटवारे में जातीय समीकरण का पूरा ख्याल रखा है। 37 पिछड़ा, 22 अति पिछड़ा, 22 सामान्य,04 अल्पसंख्यक और एक अनुसूचित

### नीतीश ने सीट शेयरिंग के फॉर्मूले को नकारा

जदयू ने चिराग के दावे वाली 5 सीटों- सोनबरसा, अलौली, राजगीर, एकमा और मोरबा पर भी जदयू ने कैंडिडेट उतारे हैं। नीतीश कुमार ने जिस तरह चिराग पासवान को मिली पांच सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं, उससे लगा रहा है कि नीतीश कुमार ने सीट शेयरिंग पर एनडीए के फॉर्मूले को बिगाड़ दिया है। बता दें कि पासवान की एलजेपी (आर) को 29 सीटें मिली है। इसमें से पांच पर अब जदयू के उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे।

जनजाति को टिकट दिया गया है। गुरुवार को आई दूसरी लिस्ट में तेजस्वी की पत्नी राजश्री की तुलना जर्सी गाय से करने वाले राजबल्लभ की पत्नी विभा देवी को टिकट दिया गया है। बाहुबली आनंद मोहन के बेटे चेतन आनंद को औरंगाबाद के नवीनगर से टिकट दिया गया है। चेतन आनंद 2020 में शिवहर से विधायक बने थे। इस लिस्ट में 9 महिलाओं को शामिल किया गया है।4 मुस्लिम चेहरों को भी टिकट दिया।

### उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी ने जारी की 6 कैंडिडेट की लिस्ट

उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम ने 6 कैंडिडेट की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें एक महिला कैंडिडेट स्नेहलता हैं, जो सासाराम से चुनाव मैदान में उतरेंगी। इसके अलावा बाजपट्टी विधानसभा से रामेश्वर कुमार महतो और मधुबनी से माधव आनंद को टिकट मिला है। इसके साथ ही पारु विधानसभा से मदन चौधरी, उजियारपुर विधानसभा से प्रशांत कुमार पंकज और दिनारा विधानसभा से आलोक कुमार सिंह को चुनावी मैदान में उतारा।

# कांग्रेस ने गोड्डा के भाजपा सांसद और उनकी पत्नी पर उठाए गंभीर सवाल, पूछा-

## 15 साल में 62 गुणा कैसे बढ़ी निशिकांत की पत्नी की संपत्ति

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस ने झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की पत्नी की संपत्ति में पिछले 15 वर्षों के दौरान हुई भारी वृद्धि पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने दुबे के चुनावी हलफनामों और उनकी पत्नी अनामिका गौतम के आयकर रिटर्न का हवाला देते हुए कहा कि 2009 में जहां उनकी संपत्ति 50 लाख रुपए थी, वहीं 2024 में यह बढ़कर 31.32 करोड़ रुपए हो गई। प्रेसवार्ता में कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने दुबे दंपती से स्पष्टीकरण मांगते हुए मामले की गहन जांच की मांग की। निशिकांत दुबे द्वारा 2009 से 2024 के बीच दाखिल किए गए चुनावी हलफनामों का हवाला देते हुए श्रीनेत ने कहा कि 2009 में उनकी पत्नी अनामिका गौतम के पास 50 लाख रुपए की चल संपत्ति थी, जबकि उनके नाम कोई अचल संपत्ति नहीं थी। 2014 के चुनावी हलफनामे में दुबे ने अपनी पत्नी की 1.03 करोड़ रुपए की चल संपत्ति और 5.53 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति का उल्लेख किया था। 2019 में उनकी चल संपत्ति बढ़कर 3.72 करोड़ रुपए और उनकी अचल संपत्ति बढ़कर 9.33 करोड़ रुपए हो गई। 2024 में उनकी चल और अचल संपत्ति का कुल मूल्य लगभग 40 करोड़ रुपए था, जिसमें से आठ करोड़ रुपए विभिन्न लोगों से लिए गए ऋण के रूप में थे। इस ऋण की राशि को घटाकर उनकी संपत्ति 31.32 करोड़ रुपए दर्शाई गई है।

### गुजरात में सभी मंत्रियों ने सौंपा इस्तीफा, आज कैबिनेट का पुनर्गठन

# भाजपा की चुनावी घुट्टी, आधे से ज्यादा मंत्रियों की होगी छुट्टी

एजेंसी

अहमदाबाद : गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले गुजरात मंत्रिमंडल का विस्तार शुक्रवार को होगा। इसके पहले गुरुवार को राज्य के सभी मंत्रियों ने अपने पदों से इस्तीफा सौंप दिया है। आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में राज्य को लगभग 10 नए मंत्री मिल सकते हैं, और लगभग आधे मौजूदा मंत्रियों को बदला जा सकता है। भूपेंद्र पटेल ने 12 दिसंबर, 2022 को दूसरी बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। मंत्रिमंडल का विस्तार शुक्रवार सुबह 11:30 बजे होगा। वर्तमान गुजरात मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री पटेल समेत कुल 17 मंत्री हैं। इसमें आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं, जबकि इतने ही राज्य मंत्री (एमओएस) हैं। बता दें कि, 182 सदस्यीय विधानसभा वाले गुजरात में 27 मंत्री या सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत मंत्री हो सकते हैं। 2022 में गुजरात में विधानसभा चुनाव हुए थे। चुनाव से 15 महीने पहले सितंबर 2021 में राज्य की पूरी कैबिनेट बदल दी गई थी। इस बार राज्य में चुनाव को करीब 26 महीने बचे हुए हैं। हालांकि, इस बार मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया है सिर्फ उनके कैबिनेट सहयोगियों ने पद छोड़े हैं। 2021 में तो पांच साल के अंदर दो बार मुख्यमंत्री बदल दिए गए थे। 2017 में जब चुनाव हुआ था, तब विजय भाई रूपाणी को सीएम बनाया गया था, लेकिन 2021 में उन्हें हटाकर भूपेंद्र पटेल को जिम्मेदारी दे दी गई। वहीं चुनाव में 182 में से 103नए चेहरों को टिकट दिया गया। पांच मंत्रियों समेत 38 विधायकों के टिकट काट दिए गए। 2022 के चुनाव में में इसका नतीजा भी देखने को मिला।

# बिहार विधानसभा चुनाव राउंडअप

## सीटों का नहीं हुआ एलान, पर उतर गए महागठबंधन के पहलवान

संवादाता

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर है, लेकिन महागठबंधन में सीट बंटवारे का एलान नहीं हो सका है। आरजेडी, कांग्रेस और वीआईपी के बीच सीटों की संख्या, अदला- बदली और मुकेश सहनी के हिस्से पर पेंच फंसा हुआ है। कांग्रेस ने ऐसा समीकरण खड़ा कर दिया है, जिससे लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव के लिए 'ना उगलते बन रहा, ना निगलते।' वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने गुरुवार को गठबंधन छोड़ने की चेतावनी दी, तब तेजस्वी यादव ने स्थिति संभालने के लिए अपने करीबी संजय यादव को तत्काल दिल्ली भेजा है। बताया जा रहा है कि अब राहुल गांधी खुद इस मसले पर हस्तक्षेप कर रहे हैं, जिससे उम्मीद जताई जा रही है कि सीट बंटवारे पर सहमति और औपचारिक घोषणा जल्द हो सकती है। हलचल तब बढ़ी जब मुकेश सहनी ने गुरुवार दोपहर 12 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस बुला ली। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के फोन के बाद उन्होंने तीन बार प्रेस वार्ता टालने के बाद शाम में उसे रद्द कर दिया। सहनी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर शुक्रवार सुबह तक उनकी सीटों पर फैसला नहीं हुआ, तो वे इंडिया गठबंधन से अलग होने का ऐलान करेंगे। उनकी पार्टी इसे 'अति पिछड़ा वर्ग के साथ अन्याय' के मुद्देसे भी जोड़ने की तैयारी में है।

## सियासत | सोमेश और बाबूलाल के नामांकन में मौजूद रहेंगे दोनों सियासी धड़ों के दिग्गज

# घाटशिला के अखाड़े में 'हेमंत चंपई' आज शक्ति प्रदर्शन का पहला ट्रेलर

एजेंसी

घाटशिला : घाटशिला विधानसभा उपचुनाव का अखाड़ा सज गया है। शुक्रवार को इस अखाड़े में दोनों प्रमुख सियासी पहलवान झामुमो के सोमेश सोरेन और भाजपा के बाबूलाल सोरेन आधिकारिक तौर पर उतरेंगे। दोनों घाटशिला अनुमंडल कार्यालय में अपने- अपने नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इस मौके पर राज्य के एनडीए और इंडिया गठबंधन के सियासी दिग्गज भी मौजूद रहेंगे। हेमंत सोरेन सरकार 2.0 में यह पहला उपचुनाव है। सियासी विश्लेषक इस उपचुनाव को सोमेश बनाम बाबूलाल के बजाय 'हेमंत बनाम चंपई' की लड़ाई के रूप में देख रहे हैं। चंपई सोरेन, जिन्हें कोल्हान टाइगर कहा जाता है, तीन दशकों तक झामुमो में सक्रिय रहे। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद वे भाजपा में शामिल हुए। पिछली विधानसभा में उन्होंने सरायकेला सीट जीत ली थी, लेकिन बेटे बाबूलाल को घाटशिला से जिताने में सफल नहीं हुए। अब यह उपचुनाव उनके लिए राजनीतिक प्रतिष्ठा की परीक्षा बन गया है। दूसरी ओर हेमंत सोरेन के लिए भी यहां बड़ा सियासी इम्तिहान है। उनके उम्मीदवार सोमेश सोरेन जीतते हैं तो न सिर्फ बतौर सीएम उनके दूसरे टर्म के एक साल के कामकाज पर जनता की मुहर लगेगी, बल्कि वह खुद को एक बार फिर झारखंड की आदिवासी राजनीति को सबसे बड़ा नायक साबित कर देंगे। झामुमो के सोमेश सोरेन अपने दिवंगत पिता और पूर्व विधायक रामदास सोरेन की सियासी विरासत को बचाने के मिशन पर हैं। गुरुवार को उन्होंने दहीगोड़ा सर्कस मैदान का निरीक्षण किया। नामांकन के बाद यहां बड़ी जनसभा आयोजित होगी, जिसमें सीएम हेमंत सोरेन सहित इंडिया गठबंधन के तमाम बड़े दिग्गज मौजूद रहेंगे। सोमेश अपने पिता के अधूरे विकास कार्यों को जनता के बीच आगे बढ़ाने का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'बाबा का आशीर्वाद मेरे साथ है। जनता इस बार भी विकास को चुनेगी।' दूसरी तरह भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन ने भी गुरुवार को अपने गांव जाहेरस्थान में नमन कर प्रचार की शुरुआत की। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के समक्ष सैकड़ों युवाओं ने भाजपा का दामन थामा।

# व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अमेरिका के राष्ट्रपति ने किया दावा

## भारत अब रूस से नहीं खरीदेगा तेल : ट्रंप

एजेंसी

गुरुवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी मेरे दोस्त हैं। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत के रूस से तेल खरीदने से मुझे खुशी नहीं थी। लेकिन, आज उन्होंने (पीएम मोदी) मुझे भरोसा दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। अब हमें चीन से भी यही करवाना होगा। ट्रंप ने साथ ही कहा कि यह कदम यूक्रेन पर आक्रमण रोकने के लिए रूस पर दबाव बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा गौरतलब है कि अमेरिका अगस्त 2025 में भारत पर रूस से तेल खरीदने की वजह से 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा चुका है। इससे पहले उसने 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ लगाया था इससे भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। ट्रंप के दावे पर भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत तेल और गैस का बड़ा खरीदार है। जनता के हितों की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता रही है। हमारी आयात नीतियां इसी मकसद को पूरी करती हैं। ऊर्जा नीति के दो लक्ष्य हैं, पहला स्थिर कीमतें तय करना और दूसरा सुरक्षित आपूर्ति बनाए रखना। जायसवाल ने आगे कहा, इसके लिए हम ऊर्जा स्रोतों को व्यापक बनाते हैं और बाजार स्थितियों के अनुसार विविधता लाते हैं।

### विरोध नहीं करते हैं पीएम

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर लिखा- पीएम मोदी डर गए हैं। ट्रंप को फैसला और एलान करने देते हैं कि भारत रूसी तेल नहीं खरीदेगा। बार-बार अनदेखी होने के बाद भी ट्रंप को बधाई संदेश भेजतेरहते हैं। विरोध नहीं करते हैं।

# डीआरयूसीसी बैठक में झारखंड चैम्बर की सक्रिय भागीदारी, बेहतर रेल कनेक्टिविटी की बात रखी

रांची, संवाददाता ।

रांची रेल मंडल के डीआरयूसीसी की बैठक आज डीआरएम करूणा निधि सिंह की अध्यक्षता में डीआरएम कार्यालय, हटिया में संपन्न हुई. बैठक में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के डीआरयूसीसी प्रतिनिधि संजय अखौरी ने यात्री सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए और रेल प्रशासन से यात्रियों के हित में ठोस कदम उठाने का आग्रह किया. संजय अखौरी ने कहा कि रांची झारखंड की राजधानी होने के नाते यहां से देश के विभिन्न हिस्सों के लिए बेहतर रेल कनेक्टिविटी होना आवश्यक है. उन्होंने कहा कि बढ़ती यात्रियों की संख्या और औद्योगिक विकास को देखते हुए नई ट्रेनों की शुरूआत, ठहराव बढ़ाने और कोच सुधार अब समय की मांग है. उन्होंने रांची से जयपुर, लखनऊ, वाराणसी, पुरी, धनबाद और दिल्ली के लिए सीधी या विस्तारित ट्रेन सेवाएं शुरू करने का सुझाव दिया, जिससे यात्रियों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी. उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को फिर से रियायत देने, दिव्यांग यात्रियों के लिए निःशुल्क सुविधाएं बहाल करने और स्टेशन पर कुलियों की कमी दूर करने की भी मांग की.

इसके अलावा, रांची-धनबाद इंटरसिटी ट्रेन, बड़बील-रांची फास्ट मेमू, रांची-पुरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन, पाकुड़-पटना/नई दिल्ली सीधी ट्रेन और कोविड काल में बंद ट्रेनों के पुनः परिचालन की भी मांग की गई. रेल कोचों में बेसिन, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट और इंजन रूम फिटिंग की नियमित जांच एवं मरम्मत की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया. बैठक में डीआरएम करूणा निधि सिंह ने झारखंड चैम्बर के सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि रांची से लखनऊ वाया अयोध्या ट्रेन, धनबाद सतलज एक्सप्रेस का विस्तार रांची तक और आनंद विहार टर्मिनल का विस्तार जयपुर तक करने पर गंभीरता से विचार किया जाएगा. उन्होंने यह भी बताया कि रांची से रायपुर और पुरी के लिए नई वंदे भारत ट्रेन शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है.

### चैम्बर ने बैठक में कई ठोस प्रस्ताव रखे

- रांची-नई दिल्ली गरीब रथ का ठहराव टुंडला स्टेशन पर किया जाए.
- रांची-आनंद विहार टर्मिनल ट्रेन का विस्तार जयपुर तक हो.
- रांची-लखनऊ (वाया अयोध्या) के लिए सीधी ट्रेन शुरू की जाए.
- गंगा सतलज एक्सप्रेस का विस्तार धनबाद से रांची तक हो.
- हटिया-सांकी ट्रेन को हजारीबाग टाउन तक बढ़ाया जाए.
- रांची राजधानी एक्सप्रेस को पूर्व की भांति सप्ताह में दो दिन वाया बरकाकाना चलाया जाए.
- रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस को सप्ताह में तीन दिन वाया बरकाकाना-हजारीबाग मार्ग से चलाया जाए.
- हटिया-बेंगलुरु के बीच दैनिक सुपरफास्ट /वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू की जाए

## वीवीआईपी काफिले की वजह से रोके गए मासूमः धूप में खड़े रहे अभिभावक, देर से मिली छुट्टी

रांची। बिशप वेस्टकोट गर्ल्स स्कूल, डोरंडा में गुरुवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब वीवीआईपी काफिले के गुजरने के कारण स्कूल की छुट्टी लगभग 20 मिनट देर से दी गई. सामान्यतः जहां 2:30 बजे छुट्टी होती है, वहीं आज बच्चों को करीब 2:52 बजे बाहर निकाला गया. इस दौरान तेज धूप में बड़ी संख्या में अभिभावक स्कूल गेट के बाहर खड़े अपने बच्चों का इंतजार करते रहे. कोई छांव तलाश रहा था, तो कोई गेट की ओर चिंतित नजरों से देख रहा था. अचानक मिली सूचना ने बच्चों और अभिभावकों दोनों को परेशान कर दिया. अभिभावकों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर सुरक्षा कारणों से देरी होनी थी तो स्कूल प्रबंधन को पहले ही सूचित करना चाहिए था. मिली जानकारी के अनुसार, VVIP का काफिला स्कूल के सामने से गुजरना था, इसी कारण एहतियातन यह कदम उठाया गया. लेकिन इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि बच्चों की सुरक्षा और अभिभावकों की सुविधा के प्रति जिम्मेदारी आखिर किसकी है. प्रशासन की या स्कूल की?

# दशम फॉल हादसे में चौथे दिन ड्रोन कैमरे से मिली सफलता, डूबे युवक का शव बरामद

रांची, संवाददाता ।

रांची के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दशम फॉल हादसे में चौथे दिन प्रशासन को सफलता मिली है. चार दिनों से जारी सर्च ऑपरेशन के बाद मंगलवार देर शाम ड्रोन कैमरे की मदद से डूबे युवक का शव बरामद किया गया. रोशन कुमार शर्मा, जो मूल रूप से मधुबनी (बिहार) के रहने वाले थे. वह बेंगलुरु की एक कंपनी में इंटीरियर डिजाइनर के तौर पर काम करते थे. कंपनी ने उन्हें रांची के रवि स्टील में इंटीरियर कार्य के लिए भेजा था. रविवार को वे दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने दशम फॉल पहुंचे थे, जहां मुख्य झरने से करीब एक किलोमीटर ऊपर जंगल की ओर नहाने के दौरान पैर फिसल जाने से वे पानी के तेज बहाव में बह गए थे.

### चार दिनों से जारी था तलाशी अभियान

हादसे के बाद से लगातार बुंडू एसडीएम किष्टो कुमार बेसरा भी स्थल पर पहुंचे और पूरे अभियान की निगरानी की.

### ड्रोन कैमरे से मिला सुराग

मंगलवार को जब सुबह से शाम तक कोई सुराग नहीं मिला,तो एसडीपीओ ओम प्रकाश ने ड्रोन कैमरे की मदद लेने का फैसला किया. ड्रोन से ली गई तस्वीरों में पानी के भीतर संदिग्ध आकृति दिखी, जिसके आधार पर एनडीआरएफ की टीम पानी में उतरी औरकाफी मशक्कत के बाद देर शाम रोशन कुमार शर्मा का शव बाहर निकाला गया. लगातार चार दिनों तक पुलिस, एनडीआरएफ और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से चल रहे अभियान के बाद आखिरकार प्रशासन को मंगलवार को सफलता मिली. शव बरामद होने के बाद अधिकारियों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली.

डीएसपी ओम प्रकाश, दशम फॉल थाना प्रभारी प्रशांत गौरव और सीओ हंस हेम्ब्रम मौके पर डटे रहे. तेज बहाव और पत्थरीले इलाके के कारण सर्च टीम को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. वहीं, चौथे दिन मंगलवार को बुंडू एसडीएम किष्टो कुमार बेसरा भी स्थल पर पहुंचे और पूरे अभियान की निगरानी की.

# राज्यपाल से झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची, संवाददाता ।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति, धुर्वा, रांची का एक शिष्टमंडल राज भवन में मिला. शिष्टमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपते हुए चर्च मिशनरियों द्वारा अंधविश्वास को बढ़ावा देने तथा गंभीर बीमारियों को ठीक करने के नाम पर अवैध धर्मान्तरण की गतिविधियों की जानकारी दी. ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम चान्द, थाना तुपुदाना, पंचायत हरदाग, प्रखंड नामकुम, जिला रांची में पिछले एक वर्ष से झारखंड महाअभिषेक चर्च द्वारा बिना स्थानीय या जिला प्रशासन की अनुमति के टेंट पंडाल लगाकर यह प्रचार किया जा रहा है कि प्रभु यीशु के नाम पर प्रार्थना करने से अंधापन, लकवा, बहरेपन, गूंगापन, महामारी, एड्स जैसी गंभीर बीमारियां ठीक हो सकती हैं. शिष्टमंडल के अनुसार, इसी बहाने गुप्त रूप से लोगों का धर्मान्तरण कराया जा रहा है, जो विधि विरुद्ध है. शिष्टमंडल ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां अन्य स्थानों पर भी आयोजित की जा रही हैं. शिष्टमंडल ने राज्यपाल से अनुरोध किया कि इस तरह की गैरकानूनी एवं अंधविश्वास फैलाने वाली सभाओं पर रोक लगाने और दोषियों पर उचित कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश देने की कृपा करें.

# एएसजी आई हॉस्पिटल की दिवाली पहल : 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए मुफ्त नेत्र परामर्श व सर्जरी

रांची, संवाददाता ।

दिवाली के उत्सव के दौरान बढ़ते पटाखों से जुड़ी दुर्घटनाओं को देखते हुए एएसजी आई हॉस्पिटल ने एक विशेष सामाजिक पहल की घोषणा की है. इसके तहत 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में पटाखों से संबंधित आंखों की चोटों के लिए निःशुल्क परामर्श और आवश्यक सर्जरी की सुविधा दी जाएगी. यह सेवा 15 से 24 अक्टूबर 2025 तक देशभर के सभी एएसजी आई हॉस्पिटल केंद्रों पर उपलब्ध होगी. अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य दिवाली के दौरान बच्चों में होने वाली गंभीर आंखों की चोटों से बचाव और त्वरित इलाज सुनिश्चित करना है. मरीजों को केवल फामेर्सी, एनेस्थीसिया और ऑप्टिकल सेवाओं की लागत वहन करनी होगी, जबकि परामर्श और सर्जरी पूरी तरह निःशुल्क रहेगी.

राष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में पटाखों से जुड़ी आंखों की चोटों के 2000 से अधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें करीब 60 प्रतिशत मामले 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से जुड़े थे. इनमें लगभग 10 प्रतिशत बच्चों को स्थायी दृष्टिहानि का सामना करना पड़ा. विशेषज्ञों का कहना है कि त्योहारों के दौरान होने वाले नेत्र-आघात के लगभग 20 प्रतिशत मामले पटाखों से होते हैं. एएसजी आई हॉस्पिटल ने लोगों से अपील की है कि वे पटाखों को संभालते समय सुरक्षा चश्मा पहनें, बच्चों को बिना निगरानी पटाखे न जलाने दें और कम धुआं व पर्यावरण-अनुकूल पटाखों का प्रयोग करें. अस्पताल ने चेतावनी दी है कि आंखों में चोट लगने पर आंख को न रगड़ें, न धोएं और तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें.अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति या अधिक जानकारी के लिए लोग टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800 1211 804 पर संपर्क कर सकते हैं।

## रांची नगर निगम की बड़ी कार्रवाई झ सदर अस्पताल के आसपास चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

रांची। सदर अस्पताल क्षेत्र में लगातार लगने वाले जाम और अव्यवस्था को देखते हुए आज रांची नगर निगम की प्रवर्तन टीम ने प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया. अभियान के दौरान अस्पताल और कॉलेज के आसपास लगे अवैध ठेले, दुकानें और वाहन हटाए गए. नगर निगम की टीम ने सड़क किनारे लंबे समय से लग रही अवैध दुकानों को हटाते हुए कई ठेलों को जब्त किया. इसके साथ ही रास्ता जाम कर खड़ी कुछ स्कूटी और बाइक को भी नगर निगम की टीम ने कब्जे में लिया. अभियान के दौरान नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि सदर अस्पताल के आसपास हमेशा भारी भीड़ रहती है, क्योंकि यहां अस्पताल और शैक्षणिक संस्थान दोनों हैं. ऐसे में जब सड़क किनारे लोग ठेले या दुकान लगाते हैं, तो ट्रैफिक की समस्या और बढ़ जाती है. अधिकारियों ने कहा कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कई लोग अतिक्रमण कर दुकानें लगाने लगते हैं. इससे एम्बुलेंस और मरीजों को आने-जाने में काफी परेशानी होती है. इसीलिए आज सख्ती से अतिक्रमण हटाया गया, ताकि लोगों को यातायात में सुविधा मिल सके.

# प्राकृतिक ही नहीं, कृत्रिम छठ घाटों पर भी नगर निगम का फोकस, नगर आयुक्त ने बताई पूरी तैयारी

रांची, संवाददाता ।

महापर्व छठ को लेकर रांची नगर निगम पूरी तैयारी में जुट गया है. नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने ईटीवी भारत से बातचीत में बताया कि इस बार निगम का फोकस सिर्फ प्राकृतिक तालाबों पर नहीं, बल्कि कृत्रिम छठ घाटों पर भी रहेगा. उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए शहर के कई इलाकों में अस्थायी यानी कृत्रिम तालाबों का निर्माण कराया जाएगा ताकि व्रतियों को किसी तरह की परेशानी न हो. नगर आयुक्त ने बताया कि छठ पर्व को लेकर निगम की टीमें लगातार इलाकेवार समीक्षा कर रही हैं. जल्द ही पूजा समितियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा. छठ घाटों पर लाइटिंग की विशेष व्यवस्था की जा रही है, ताकि व्रतियों और आगंतुकों को आने-जाने में कोई असुविधा न हो. उन्होंने कहा कि आने-जाने वाले रास्तों पर स्ट्रीट लाइट और टेम्परेरी लाइटिंग दोनों की व्यवस्था होगी. संबंधित एजेंसियों को इसके लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं. सुशांत गौरव ने बताया कि सभी तालाबों की गहराई की जांच की जा रही है. गहरे तालाबों में सुरक्षा के लिहाज से बैरिकेडिंग की जाएगी ताकि कोई अंदर तक न जा सके. उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रशासन को भी सभी जानकारी दी जा चुकी है और तालमेल बनाकर काम किया जा रहा है. नगर आयुक्त ने कहा कि छठ घाटों की साफ-सफाई और विकास कार्य लगातार जारी है. निगम द्वारा तालाबों की सफाई और मरम्मत की प्रक्रिया कंटीन्यूअस मोड पर चल रही है. दुर्गा पूजा और काली पूजा के दौरान मूर्ति विसर्जन के बाद तालाबों से समय पर मूर्तियां हटाई जा रही हैं।

# इलेवन में चल रहा था हुक्का बार, पुलिस की कार्रवाई से मचा हड़कंप

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में हुक्का बार पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है लेकिन इसके बावजूद कुछ रेस्टोरेंट में बिना रोक-टोक के हुक्का बार का संचालन किया जा रहा था. सूचना मिलने पर अरगोड़ा इलाके में कोटपा की टीम ने पुलिस के साथ छापेमारी कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थ जब्त किए हैं. रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र के कडरू स्थित 11 रेस्टोरेंट में हुक्का बार का संचालन किया जा रहा था. रांची एसडीओ के निर्देश पर अरगोड़ा पुलिस और कोटपा की टीम ने रेस्टॉरेंट में अचानक छापेमारी कर भारी मात्रा में हुक्का बार में प्रयोग किए जाने वाले नशीले पदार्थों को जब्त किया है. अरगोड़ा थाना प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया कि रेस्टोरेंट में अवैध तरीके से हुक्का बार का संचालन किया जा रहा था. रांची एसडीओ के निर्देश पर पुलिस, फूड सेफ्टी विभाग और कोटपा की टीम के द्वारा संयुक्त रूप से छापेमारी की गई है.

### फाइन काटा गया

पुलिस और कोटपा की टीम जब अचानक रेस्टोरेंट में पहुची तो हड़कंप मच गया. रेस्टोरेंट में बड़े पैमाने पर युवाओं की भीड़ थी और सभी हुक्का बार का मजा ले रहे थे. तरह-तरह के हुक्का क्वालिटी रेस्टोरेंट में उपलब्ध था. मौके से पुलिस ने विभिन्न तरह के हुक्का क्वालिटी प्रोडक्ट जब्त किया है. हुक्का का सेवन कर रहे और हुक्का बार चलाने वाले दोनों पर ही फाइन किया गया है. वहीं आगे की कार्रवाई की जा रही है.

### कम उम्र के लड़के भी पकड़े गए

हुक्का बार में काफी कम उम्र के छात्रों को भी हुक्का परोसा जा रहा था. मामले को लेकर रेस्टोरेंट संचालक पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश जारी किया गया है. कानून सम्मत आगे की कार्रवाई के लिए तैयारी की गई है. रेस्टोरेंट में कैसिनो में खेले जाने वाले कार्ड भी बरामद किए गए हैं. इस संबंध में पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है.

# ऑनलाइन चालान से बचने के लिए गाड़ी के नंबर की टेंपरिंग पड़ेगा महंगा

रांची, संवाददाता ।

ट्रैफिक चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट को टेंपर कर वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है. 5 दिनों के अंदर दो दर्जन से ज्यादा वाहन चालकों को नंबर टेपरिंग के लिए फाइन किया गया है. रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने बताया कि प्रायः ऐसी शिकायत मिल रही थी कि मोटर वाहन के मालिकों के द्वारा अपने वाहन रजिस्ट्रेशन को अपने नंबर प्लेट पर छेड़छाड़ कर वाहन का प्रयोग किया जा रहा है. सूचना मिलने के बाद राजधानी के सभी चौक चौराहा पर ऐसे चालकों के खिलाफ वृहद अभियान शुरू किया गया. इस अभियान में गुरुवार को ही 18 वाहन पकड़े गए हैं. सभी वाहनों के नंबर में छेड़छाड़ किया गया था. कुछ नंबर प्लेटों में सेलो टेप साथ कर उसे छुपा दिया गया था. पिछले एक सप्ताह के दौरान ऐसे दो दर्जन से ज्यादा वाहनों को पकड़ा गया और उन पर फाइन किया गया है. ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने बताया कि गलत ढंग से नंबर प्लेट पर अंकित किए गए नंबर वाले वाहनों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है. बता दें कि रांची के लगभग सभी चौक चौराहों पर अब ट्रैफिक पुलिस चालान नहीं काट रही है बल्कि कैमरे चालान काट रहे हैं. जैसे ही कोई ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करते हुए दिखता है तुरंत उसका चालान कट जाता है. ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले लोग चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट पर बैंडेज चिपका दे रहे थे तो कई ड्राइव के समय नम्बर प्लेट पर कपड़ा डाल देते हैं. जिससे पूरा नंबर कैमरे में न आ पाए और उनका ऑनलाइन चालान ही न कटे. रांची के ट्रैफिक एसपी ने बताया कि अब ऐसे लोगों के खिलाफ भी लगातार कार्रवाई की जा रही है.

# हुंकार रैली आज, आदिवासी समाज हक-अधिकार की लूट बर्दाश्त नहीं करेगा : जोनसन

रांची, संवाददाता ।

राज्यभर में कुड़मी समाज को एसटी सूची में शामिल किए जाने की मांग के खिलाफ आदिवासी संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है. गुरूवार को आदिवासी बचाओ मोर्चा के लोगों ने करमटोली केंद्रीय धुमकुड़िया में संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया. इस दौरान टीएसी सदस्य नारायण उरांव ने कहा कि आज आदिवासी समाज अपनी अस्मिता और अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है. उन्होंने कहा कि आज अधिकांश समुदाय खुद को आदिवासी कहलाना चाहता है, लेकिन वही समाज आदिवासियों से छुआछूत करता है. नारायण उरांव ने बताया कि झारखंड के 33 जनजातियों ने केंद्र सरकार से स्पष्ट मांग की है कि केवल वही समाज एसटी की सूची में शामिल हो, जो आदिवासी होने की सभी संवैधानिक और सांस्कृतिक अहर्ता पूरी करता हो. कुड़मी समाज इन शर्तों पर खरा नहीं उतरता है. उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज अपनी पारंपरिक पूजा पद्धति, पाहन व्यवस्था और धार्मिक जमीनों की रक्षा के लिए 17 अक्टूबर को प्रभात तारा मैदान, धुर्वा में आदिवासी हुंकार रैली बुलाई है. झारखंड उलगुलान मंच के अध्यक्ष जोनसन गुड़िया ने कहा कि आदिवासी समाज अब हक और अधिकार की लूट बर्दाश्त नहीं करेगा. गांव-गांव में संदेश पहुंचाया जा चुका है कि 17 अक्टूबर को सभी आदिवासी एकजुट होकर रांची पहुंचें. झारखंड उलगुलान मंच के सदस्य सुदर्शन भेगरा ने कहा कि कुड़मी समाज को एसटी का दर्जा देना आदिवासियत पर सीधा हमला होगा. इसे रोकने के लिए ऐतिहासिक रैली बुलाई गई है.

सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मीनारायण मुंडा ने कहा कि यह केवल विरोध नहीं, बल्कि आदिवासियों की आरक्षण, परंपरा और अस्तित्व को बचाने की लड़ाई है. इसमें झारखंड समेत पड़ोसी राज्यों से भी हजारों सरना धर्मावलंबी शामिल होंगे. केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलु मुंडा ने कहा कि यह पहला अवसर है जब सभी आदिवासी संगठन और समाज एक मंच पर एकजुट हो रहे हैं. वहीं, सामाजिक कार्यकर्ता प्रेमशाही मुंडा ने कहा कि रैली में शामिल होने वाले लोगों से टोल टैक्स न लिया जाए. उन्होंने बताया कि रैली में सात प्रस्ताव पारित किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि कुड़मी समाज की एसटी मांग असंवैधानिक है. टीआरआई ने भी कुड़मी समाज की मांग को खारिज किया है. यह समाज शिवाजी वंशज होने का दावा करता है, जबकि आदिवासी समाज मूल निवासी है. उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी नेता का नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी समाज की पहचान और अस्मिता की लड़ाई है. इस मौके पर पूर्व मंत्री देवकुमार धान, जगलाल पाहन, परमेश्वर मुंडा,बलकु उरांव, खड़िया सरना विकास समिति रांची के अध्यक्ष बासुदेव भगत,अभय भुटकुंवर समेत अन्य शामिल थे.

# चिंता: डिजिटल व्यवस्था से झारखंड के गरीबों के निवाले पर गहराता संकट

रांची, संवाददाता ।

विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर भोजन का अधिकार अभियान - झारखंड ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर राज्य में खाद्य सुरक्षा की वास्तविक स्थिति और डिजिटल प्रक्रियाओं से उत्पन्न संकट पर गंभीर चिंता जताई. अभियान ने कहा कि 2013 में लागू राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का उद्देश्य हर व्यक्ति को पर्याप्त और सस्ते दरों पर भोजन सुनिश्चित करना था, परंतु पिछले एक दशक में तकनीकी जटिलताओं और डिजिटल निगरानी ने गरीबों के भोजन के अधिकार को कमजोर कर दिया है.

### डिजिटल निगरानी बनी गरीबों की नई दीवार

झारखंड जैसे गरीब और कुपोषण ग्रस्त राज्य में खाद्यान्न चोरी रोकने के नाम पर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, आधार लिंकिंग, ई-केवाईसी, मोबाइल सत्यापन जैसी डिजिटल प्रक्रियाएं लागू की गई हैं. लेकिन इन तकनीकों ने गरीबों की परेशानी और बढ़ा दी है. भोजन का अधिकार अभियान के अनुसार, 15 अक्टूबर 2025 तक झारखंड में लगभग 72.5 लाख राशन कार्ड सदस्यों का ई-केवाईसी लंबित है, जबकि 13.5 लाख सदस्यों के आधार नंबर राशन कार्ड से लिंक नहीं हैं. इससे गरीबों में यह भय है कि वे अपने खाद्यान्न अधिकार से पूरी तरह वंचित न हो जाए.

### भूख और कुपोषण के भयावह आंकड़े

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2019-21) के अनुसार 6 से 59 माह के 67.5% बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं.15-49 वर्ष की 65.3% महिलाएं और 56.8% गर्भवती महिलाएं एनीमिया से ग्रसित हैं. 5 वर्ष से कम उम्र के 39.6% बच्चे अविकसित, जबकि 39.4% बच्चों का वजन उम्र के अनुसार कम है. हर 1,000 बच्चों में 28 बच्चे पांच वर्ष की आयु पूरी नहीं कर पाते.

### डिजिटल बहिष्करण की पुनरावृत्ति

राशन कार्ड निरस्तीकरण में पारदर्शिता का अभाव

राज्य में हाल ही में बड़ी संख्या में राशन कार्ड निरस्त किए गए हैं. 4 अगस्त 2025 तक 2.5 लाख कार्ड डिलीट किए जा चुके हैं. कार्डधारकों को न तो पूर्व सूचना दी गई, न ही ग्राम सभाओं में सूचियां प्रदर्शित की गईं. लातेहार जिले के मनिका प्रखंड के मुंसी सिंह खेरवार जैसे कई पात्र लाभुकों के कार्ड बिना जांच ही रद्द कर दिए गए.

### भोजन का अधिकार अभियान की प्रमुख मांगें

- जन वितरण प्रणाली और आंगनवाड़ी में चल रहे बायोमेट्रिक/चेहरा आधारित ई-केवाईसी सत्यापन को तत्काल बंद किया जाए.
- बिना सूचना व सत्यापन के राशन कार्ड रद्द करने की प्रक्रिया पर तुरंत रोक लगाई जाए.
- जिन लाभुकों का ई-केवाईसी या आधार सीडिंग नहीं हुआ है, उनके खाद्यान्न अधिकार सुरक्षित रखे जाएं.
- पीडीएस में प्रति व्यक्ति 7 किलोग्राम राशन, हर माह दाल और खाद्य तेल दिया जाए.
- आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को प्रतिदिन अंडा दिया जाए और टीएचआर बिना चेहरा सत्यापन के उपलब्ध कराया जाए.

# रिम्स के सर्जरी विभाग और एएसआई झारखंड द्वारा थायरॉइड सर्जरी और लिम्फ नोड पर उन्नत सर्जिकल तकनीकों पर कार्यशाला का सफल आयोजन

संवाददाता । रांची

रांची :।
रांची, झारखंड झ 16 अक्टूबर, 2025 झ राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची के सर्जरी विभाग ने एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएसआई) झारखंड चैप्टर के सहयोग से आज ₹मिनिमली इनवेसिव थायरॉइड सर्जरी₹ और ₹सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी₹ पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण सर्जिकल कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। रिम्स ट्रॉमा सेंटर के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में झारखंड भर से 150 से अधिक सर्जनों और स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया, जिससे उन्हें उन्नत सर्जिकल प्रथाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

इस कार्यशाला में जबलपुर के मिनिमली इनवेसिव और इन्डोकराइन सर्जरी के प्रसिद्ध विशेषज्ञ, प्रतिष्ठित अतिथि डॉ. संजय कुमार यादव द्वारा सजीव शल्य प्रदर्शन (लाइव सर्जिकल डिमॉन्स्ट्रेशन) और गहन चर्चाएं शामिल थीं। उनकी विशेषज्ञता ने उपस्थित लोगों को थायरॉइड सर्जरी में रोगी के परिणामों में सुधार लाने के उद्देश्य से नवीन तकनीकों का अमूल्य व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।

यह कार्यक्रम रिम्स के सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. डी. के. सिन्हा के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था और इसे विभाग के समर्पित संकाय सदस्यों और रेजिडेंट्स का पूरा सहयोग मिला।

डॉ. डी. के. सिन्हा ने कहा, ₹इस कार्यशाला के साथ हमारा लक्ष्य अत्याधुनिक सर्जिकल ज्ञान को सीधे हमारे युवा सर्जनों और स्नातकोत्तरों तक पहुंचाना था। उत्साहपूर्ण भागीदारी और डॉ. यादव द्वारा साझा की गई विशेषज्ञता ने इसे एक शानदार सफलता बना दिया है। यह पहल पूरे झारखंड में सर्जिकल शिक्षा को आगे बढ़ाने और रोगी देखभाल को बेहतर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।₹

इस कार्यशाला में चिकित्सा जगत की कई जानी-मानी हस्तियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जिनमें पूर्व राष्ट्रीय एएसआई अध्यक्ष डॉ. आर. पी. श्रीवास्तव, झारखंड एएसआई अध्यक्ष डॉ. संदीप कुमार अग्रवाल, और सचिव डॉ. राजेश कुमार सिंह शामिल थे। कार्यकारी समिति के सदस्य डॉ. विजय कुमार और डॉ. आजाद भी मौजूद रहे।

रिम्स सर्जरी के पूर्व विभागाध्यक्षों जैसे डॉ. वी. के. जैन, डॉ. जे. प्रसाद, डॉ. एन. के. झा, डॉ. आर. जी. बाखला, डॉ. शीतल मलुआ आदि की मजबूत उपस्थिति ने कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। वरिष्ठ संकाय सदस्यों में डॉ. पंकज बोदरा, डॉ. विनय, डॉ. मृत्युंजय मुंडू, डॉ. मार्शल केरकेट्टा, डॉ. कृष्ण मुरारी, डॉ. निशित एक्का, डॉ. जेनिथ, डॉ. अजय कुमार, डॉ. खुशबू रानी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन सदर अस्पताल रांची के सर्जन डॉ. इंदु शेखर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. डी. के. सिन्हा, डॉ. संदीप कुमार अग्रवाल, डॉ. अजय कुमार, डॉ. कुश सहित रिम्स के सर्जरी विभाग के सीनियर और जूनियर रेजिडेंट सर्जनों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस अवसर पर टाटा कैंसर संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. एम. एम. पांडेय, ऑर्किड मेडिकल सेंटर से डॉ. गीता, सांतिविटा से डॉ. एस. एन. मुखर्जी, राज अस्पताल से डॉ. आशीष, और हजारीबाग मेडिकल कॉलेज से डॉ. सुमेधा राणा, डॉ. अंकित जयपुरियार, डॉ. विश्वनाथ भी उपस्थित थे।

संपूर्ण सर्जरी विभाग के सामूहिक प्रयास इस कार्यशाला के सुचारू निष्पादन में सहायक थे, जिसकी सर्जिकल प्रशिक्षण में कौशल वृद्धि और नये तकनीक को बढ़ावा देने के लिए एक उत्कृष्ट पहल के रूप में व्यापक रूप से प्रशंसा की गई है।

# राज्यपाल महोदय ने सभी राज्यवासियों को आगामी पर्व धनतेरस, दीपावली एवं छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं




संवाददाता । रांची

रांचीवः माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज होटल वेव इंटरनेशनल, सरायकेला-खरसावाँ में आयोजित '34वें वार्षिक सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यूरोलॉजी चिकित्सा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और विशिष्ट शाखा है, इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि यह देखकर प्रसन्नता होती है कि हमारे देश के चिकित्सक इन आधुनिक तकनीकों को आत्मसात कर विश्वस्तरीय उपचार प्रदान कर रहे हैं।

राज्यपाल महोदय ने छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में यूरोलॉजिस्ट की कमी को एक गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि इस कारण अनेक मरीजों को उपचार के लिए बड़े शहरों की ओर रुख करना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक, शारीरिक और मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इस चुनौती के समाधान के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों और उन्नत चिकित्सा सुविधाओं को छोटे शहरों तक पहुँचाने के सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। माननीय राज्यपाल ने स्वास्थ्य जागरूकता पर बल देते हुए कहा कि पथरी, प्रोस्टेट तथा मूत्र संक्रमण जैसी बीमारियाँ आज आम होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग पथरी के दर्द को सामान्य दर्द समझ लेते हैं और मेडिकल स्टोर से दवा लेकर लोग उपचार करने लगते हैं, जिससे बीमारी बढ़ जाती है और जटिल स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें, किसी भी असामान्य लक्षण को हल्के में न लें और समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श ले। साथ ही उन्होंने कहा कि अपने खानपान और जीवनशैली दोनों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, क्योंकि स्वस्थ आदतें ही स्वस्थ जीवन का आधार हैं।

राज्यपाल महोदय ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में उठाए गए ऐतिहासिक कदमों आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और जन औषधि केंद्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पहल देश के करोड़ों नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में वरदान साबित हुई हैं। उन्होंने कहा किस्वस्थ भारत ही समृद्ध भारत का आधार है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान मानवीयता के भी सर्वोच्च रूप हैं। चिकित्सक समाज के लिए जीवनदायिनी और नई आशा के स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के सम्मेलन न केवल ज्ञानवर्धक हैं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य सुधार की दिशा में भी सार्थक योगदान देते हैं।

# ट्रैफिक पुलिस के द्वारा अतिक्रमण अभियान

संवाददाता । रांची

रांची:रांची में सर्जना चौक से मिशन चौक तक ट्रैफिक पुलिस के द्वारा अतिक्रमण अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने के लिए व्यापक रूप से चलाया जा रहा है, जिससे आमजन को सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जा सके।इस अभियान के दौरान नो-वेंडिंग जोन में अवैध रूप से लगाए गए ठेले, गुमटियां और अस्थायी दुकानें हटाई जा रही हैं। टीम ने पहले दुकानदारों को चेतावनी दी और फिर नियमों के अनुसार जब्ती की कार्रवाई की है।यह अभियान रांची नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम द्वारा ट्रैफिक पुलिस और जिला प्रशासन के सहयोग से चलाया जा रहा है। नगर निगम ने साफ किया है कि भविष्य में भी ऐसे अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके।

# आदिवासी सरना विकास समिति, धुर्वा राँची का एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की



संवाददाता । रांची

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज झारखण्ड आदिवासी सरना विकास समिति, धुर्वा राँची का एक शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की तथा राज्यपाल महोदय को चर्च मिशनरी द्वारा अंधविश्वास को बढ़ावा देने और गंभीर बीमारियों को ठीक करने के नाम पर अवैध धर्मान्तरण की गतिविधियों से अवगत कराते हुए संबंधित ज्ञापन समर्पित किया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम चान्द, थाना तुपुदाना, पंचायत हरदाग, प्रखण्ड नामकुम, जिला रांची में पिछले एक वर्ष से बिना किसी स्थानीय या जिला प्रशासन की अनुमति के झारखण्ड महाअभिषेक चर्च द्वारा टेंट पंडाल लगाकर यह दावा किया जा रहा है कि प्रभु यीशु के नाम पर प्रार्थना करने से अंधा, लंगड़ा, बहरा, गुंगा, महामारी, एड्स इत्यादि गंभीर बीमारियां ठीक हो सकती हैं। इसी बहाने गुप्त रूप से लोगों को धर्मान्तरण करवाया जा रहा है, जो अवैध है।शिष्टमंडल ने कहा कि इस तरह के आयोजन अन्य स्थानों पर भी किए जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, शुभ संदेश एवं प्रार्थना सभा द जिजस इज लाईफ चर्च मैदान, अनगड़ा, रांची में 20 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है। झारखंड रिवाइवल मिटिंग-2025 एच.ई.सी., धुर्वा, प्रभात तारा मैदान में 23 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है। झारखंड प्रार्थना महोत्सव गुमला बहमनी, ऐरो ड्राम मैदान, नियर डॉन वास्तको स्कूल, गुमला में 15-17 अक्टूबर 2025 को आयोजित हो रहे हैं।

शिष्टमंडल ने राज्यपाल महोदय से इस तरह की गैरकानूनी एवं अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाली प्रार्थना सभाओं पर रोक लगाने और उचित कार्रवाई हेतु पहल करने का आग्रह किया।

# झारखंड एनएसयूआई के आंदोलन का असर – संत जेवियर कॉलेज प्रशासन ने छात्रों के हित में लिया बड़ा फैसला

संवाददाता । रांची

रांची। संत जेवियर कॉलेज, रांची में कॉलेज प्रशासन द्वारा मनमानी तरीके से सेमेस्टर 3 और सेमेस्टर 5 के हजारों विद्यार्थियों को अचानक सत्र बैक कर दिया गया था। इस निर्णय से आक्रोशित विद्यार्थियों की परेशानियों को देखते हुए झारखंड एनएसयूआई ने हजारों विद्यार्थियों के साथ में कॉलेज प्रशासन के खिलाफ कड़ा आंदोलन चलाया।

आंदोलन के दबाव और छात्र हित को ध्यान में रखते हुए कॉलेज प्रशासन ने अंततः अपनी कॉलेज कमेटी की बैठक कर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कॉलेज ने कार्यालयी तौर पर चिट्ठी घोषणा कर जानकारी दिया कि दिसंबर के पहले सप्ताह में सेमेस्टर 1 और 3 की परीक्षाएं तथा दिसंबर के तीसरे सप्ताह में सेमेस्टर 2 और 4 की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।कॉलेज प्रशासन के इस निर्णय से छात्रों में राहत की लहर है। समस्त छात्र-छात्राओं ने संतोष व्यक्त करते हुए छात्र संगठन एनएसयूआई का आभार प्रकट किया।इस मौके पर एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष श्री विनय उरांव अपने प्रदेश प्रतिनिधि प्रदेश उपाध्यक्ष संकेत सुमन, प्रदेश महासचिव रोहित पांडे और प्रदेश सचिव मनोहर साहू के साथ कॉलेज के छात्रों के बीच जाकर मुलाकात किया और छात्रों अथक प्रयास और संघर्ष का प्रतिफल का बधाई दिया और कहा कि अपने एकता बरकरार रखें ताकि जब भी इस तरह से समस्या आए तो विद्यार्थी खुद आगे आकर पुलिस प्रशासन के सामने आवाज उठा सके।इस मौके पर झारखंड एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष श्री विनय उरांव ने संगठन और छात्रों की ओर से कॉलेज प्रशासन के इस छात्रहितकारी फैसले के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आंदोलन के दौरान मैत्रीपूर्ण सहयोग देने वाले पुलिस प्रशासन का भी विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। और कहा कि छात्र हित में छात्र संगठन हमेशा खड़ा है विद्यार्थियों की समस्या के लिए हर संभव उनके साथ सदैव खड़ी है।

# हेमंत सरकार की नीति और नीयत में अंतर, पिछड़ा समाज के साथ हो रहा अन्याय: आदित्य साहू

संवाददाता । रांची



जमशेदपुर। भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने जमशेदपुर महानगर में आयोजित प्रेस वार्ता में झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि झामुमो-कांग्रेस और राजद की गठबंधन सरकार राज्य के पिछड़ा वर्ग, जिनकी आबादी लगभग 50% है, उनकी भावनाओं के साथ लगातार खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सरकार अपने निर्णयों से पिछड़ा समाज को अपमानित कर रही है और राज्य की सामाजिक संरचना को देखते हुए जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय नहीं ले रही है। इससे यह स्पष्ट है कि हेमंत सरकार की नीति और नीयत में भारी अंतर है। जमशेदपुर के साकची स्थित होटल दयाल इंटरनेशनल में आयोजित प्रेस वार्ता में जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, हटिया के विधायक सह विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा मौजूद रहे।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस सरकार की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का फर्क है। झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस ने 2024 विधानसभा चुनाव के दौरान अपने घोषणा पत्र में पिछड़ा समाज को 27% आरक्षण देने का वादा किया गया था। इतना ही नहीं, इंडी गठबंधन के संयुक्त संकल्प पत्र में भी यही घोषणा की गई थी। लेकिन सत्ता में आने के बाद जब वास्तव में पिछड़ा वर्ग के हित में निर्णय लेने का अवसर आया, तब ये ठगबंधन के लोग वादे से मुकर गए।

आदित्य साहू ने कहा कि 14 अक्टूबर को जब लंबे इंतजार के बाद ट्रिपल टेस्ट के आधार पर नगर निकाय चुनावों में पिछड़ों के आरक्षण का निर्धारण करने का समय आया, तो हेमंत सरकार मात्र 14% पर रुक गई। इससे साफ है कि यह सरकार सिर्फ वोट लेने के लिए बड़े-बड़े वादे करती है, लेकिन उन्हें पूरा करने की नीयत नहीं रखती।

आदित्य साहू ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब राज्य सरकार ने पिछड़ों की अनदेखी की हो। न्यायालय के निर्देश के बाद ही ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी की गई, अन्यथा पंचायत चुनाव बिना पिछड़ा समाज को आरक्षण दिए ही करा दिए गए थे। उन्होंने कहा कि दरअसल इंडी गठबंधन में शामिल सभी दलों- झामुमो, कांग्रेस और राजद की नीयत पिछड़ा वर्ग के प्रति साफ नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यही कांग्रेस है जिसने मंडल कमीशन की रिपोर्ट को वर्षों तक ठंडे बस्ते में डाले रखा। कांग्रेस ने कभी पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया और अपने ही पिछड़ा वर्ग के नेताओं, जैसे सीताराम केसरी, का अपमान किया। वहीं, आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा और एनडीए सरकार ने पिछड़ा समाज को सम्मान और अधिकार दिलाने का काम किया है। देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं पिछड़ा समाज से आते हैं, देश के उपराष्ट्रपति भी पिछड़ा समाज से हैं और मोदी सरकार ने ही पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया। आज केंद्र सरकार में दर्जनों मंत्री पिछड़ा वर्ग से हैं,

## ब्रीफ न्यूज

### चाईबासा : सारंडा क्षेत्र में माओवादियों का आतंक, सड़क जाम और विस्फोट से दहशत



संवाददाता । रांची

चाईबासा : जिले के सारंडा क्षेत्र में भाकपा माओवादी नक्सलियों ने हिंसक विरोध-प्रदर्शन कर दहशत फैला दी है। नक्सलियों ने मनोहरपुर प्रखंड के जराईकेला थाना क्षेत्र के कोलबोंगा में जगह-जगह पोस्टर चिपकाए हैं और सुरक्षा बलों के अभियान को ह्लफांसीवादी पुलिसिया दमनह्व बताते हुए विरोध दर्ज कराया है।मनोहरपुर-कोलबोंगा सड़क पर अवरोध नक्सलियों ने मनोहरपुर से कोलबोंगा जाने वाली मुख्य सड़क पर कई बड़े पेड़ काटकर गिरा दिए, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। सड़क पर गिराए गए पेड़ों के साथ नक्सली बैनर और पोस्टर भी लगाए गए हैं। बीएसएनएल टॉवर जलाया, सड़क उड़ाई पिछले कुछ दिनों से इस इलाके में नक्सल गतिविधियां बढ़ गई हैं। हाल ही में माओवादियों ने सारंडा के छोटानागरा थाना क्षेत्र के कुदलीबाद गांव स्थित बीएसएनएल टॉवर में आग लगा दी थी, जिससे आसपास के क्षेत्रों में मोबाइल और इंटरनेट सेवा बाधित हो गई है। इसके अलावा, नक्सलियों ने कुदलीबाद से करिया गांव जाने वाली सड़क को शक्तिशाली विस्फोट से उड़ा दिया। लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल है।पुलिस ने घटनाओं की पुष्टि की है और नक्सल प्रभावित इलाकों में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है।

### न्यू काली पूजा समिति का गठन।शंभु गुप्ता बने अध्यक्ष,अजय घोष सचिव

संवाददाता । रांची

रांची : न्यू काली पूजा समिति, काली मंदिर रोड डोरंडा के 44 वे वार्षिक उत्सव के आयोजन को लेकर समिति का गठन नवरत्न कुमार बाली की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष के रूप में पूर्व की भांति इस बार भी शंभू गुप्ता को मनोनीत किया गया, वही सचिव अजय घोष एवं कोषाध्यक्ष मनोज मालाकार को बनाया गया।प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी न्यू काली पूजा समिति काली मंदिर रोड डोरंडा द्वारा 44वे वार्षिक उत्सव मनाते हुए पूजा का आयोजन करने जा रहा है। जिसमें राजस्थानी कला और संस्कृति की थीम पर भव्य पूजा पंडाल का प्रारूप आपको न्यू काली पूजा समिति काली मंदिर रोड के पूजा प्रांगण में देखने को मिलेगा। जिसका शुभ उद्घाटन 20 अक्टूबर दिन सोमवार को संध्या 7 बजे पांच श्रद्धे संतों के द्वारा किया जाएगा, इसके बाद उसी रात्रि 9:00 बजे मां काली की पूजा और रात्रि 12:00 बजे पुष्पांजलि किया जाएगा। वही 21 से 24 अक्टूबर तक प्रतिदिन दिन के 1:00 बजे भोग वितरण होगा और 25 अक्टूबर शनिवार के दोपहर 3:00 बजे भव्य विसर्जन शोभा यात्रा निकाला जाएगा। कमिटी के संस्थापक सदस्य : श्री टापू घोष, श्री नवरत्न कुमार बाली, ₹पप्पु₹ श्री संजय घोष ₹टीटू घोष₹संरक्षक : नरेन्द्र पाल सिंह ₹बबलू मैषा सरदार₹ दोलन गोप बबलू साहा गोकुल घोष

### चान्हो थाना के नए प्रभारी टिंकू रजक ने संभाला पदभार,पत्रकारों ने नए थाना प्रभारी टिंकू रजक का किया स्वागत



संवाददाता । रांची

चान्हो : चान्हो थाना के नए थाना प्रभारी टिंकू रजक ने विधिवत अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद स्थानीय पत्रकारों के एक समूह ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात की। पत्रकारों ने नव-नियुक्त थाना प्रभारी का स्वागत करते हुए उन्हें बुके भेंट कर सम्मानित किया।

इस दौरान पत्रकारों ने थाना प्रभारी टिंकू रजक से अनुरोध किया कि वे क्षेत्र की जन समस्याओं का निराकरण यथाशीघ्र सुनिश्चित करें, जिससे ग्रामीणों को पुलिस-प्रशासनिक स्तर पर अधिक सहूलियत और राहत मिल सके। नए थाना प्रभारी ने भी क्षेत्र में बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने का आश्वासन दिया।

### रामगढ़। चुटूपालू घाटी में गुरुवार को एक तेज रफ्तार ट्रेलर यात्रियों से भरी निशा रानी नामक बस में पीछे से टक्कर मार दी।

संवाददाता । रांची

टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि दोनों वाहन पलट गए, हादसे में बस पर सवार 40 यात्रियों में से करीब 18 लोग घायल हो गए, सूचना मिलते ही रामगढ़ पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और राहत कार्य में जुट गई, घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस से रामगढ़ सदर अस्पताल भेजा गया। दुर्घटना के बाद यात्रियों की चीख-पुकार से हड़कंप मच गया।? दुर्घटना के बाद रामगढ़-हजारीबाग-पटना मुख्य मार्ग बाधित हो गया।

राँची। जिले के रातू थाना क्षेत्र के पाली नदी में श्मशान घाट के किनारे एक लड़की की शव मिली है।शव होने की सूचना पुलिस को दी गई, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और युवती की पहचान में जुट गई है।

बिस्टुपुर डीसी लाउंज और साकची प्रतिष्ठानों में हमले का मामला, प्रतिष्ठान में अमानवीय तरीके से तोड़फोड़ की गई

# दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो, बिस्टुपुर थाना प्रभारी की भूमिका की जांच हो : सरयू राय

**जमशेदपुर, संवाददाता**

पश्चिमी विधायक सरयू राय ने जिले के एसएसपी को पत्र लिखकर साकची एवं बिस्टुपुर में डीसी लाउंज नामक प्रतिष्ठान पर हुए नियोजित तोड़फोड़ के दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने इस घटना के आलोक में बिस्टुपुर थाना प्रभारी की भूमिका की जांच कर विधिसम्मत कारवाई करने को भी कहा है। उन्होंने एसएसपी को लिखे पत्र में कहा कि वे गुरुवार की दोपहर डीसी लाउंज के बिस्टुपुर और साकची स्थित प्रतिष्ठानों में गये थे। जहां उन्होंने तोड़फोड़ का दृश्य देखा। बिस्टुपुर डीसी लाउंज प्रतिष्ठान में जिस तरह की अमानवीय हरकत एक अत्याचारी समूह द्वारा की गई है और जिस वीभत्स तरीका से प्रतिष्ठान को नुकसान पहुंचाया गया है, वह कल्पना से परे है। उन्होंने एसएसपी को याद दिलाया कि उन्होंने घटनास्थल से ही उन्हें फोन कर दोषियों के खिलाफ कठोर कारवाई करने का आग्रह किया था।

**बड़े सवाल**

**बिस्टुपुर थाना प्रभारी साकची क्षेत्र में क्या करने गये थे**

**क्यों उन्होंने 8 मोटरसाइकिलें छुड़वाई, लोगों को हड़काया**

उन्होंने लिखा कि उन्हें आस-पास के लोगों ने हमला के दिन की घटना के साथ ही इस क्षेत्र में हर रोज घट रही दंबगई का जैसा वर्णन किया, वह रोंगटे खड़े करने वाला था। उन्होंने बताया कि इस इलाके में एक दबंग समूह सभी व्यवसायियों को धमकाते रहता है और परेशान करता है। अड्डेबाजी करता है और व्यवसायियों को भयभीत करता है। यह दबंग समूह चाहता है कि यहां के व्यवसायी और निवासी या तो इनके चंगुल में रहे या इलाका छोड़ दें। पत्र में उन्होंने लिखा है कि वे डीसी लाउंज के साकची स्थित प्रतिष्ठान पर भी गये। वहां आस-पास के कम से कम सौ की संख्या में नागरिक एवं व्यवसायी एकत्र होकर उन्हें बताया कि किस प्रकार बिस्टुपुर से आकर एक दबंग और आततायी समूह ने उस दिन वहां उधम मचाया।

उनके प्रतिरोध में साकची के नागरिक इकट्ठा होकर प्रतिरोध किया तो वे वहां से भाग खड़ा हुए। इस क्रम में उनकी पांच मोटरसाइकिलें वहीं पर छूट गई। नागरिकों ने साकची थाने को इस हमले के बारे में सूचित किया और आग्रह किया कि हमलावरों की मोटरसाइकिलों को साकची थाना अपने कब्जे में लेकर आगे की कारवाई करें। पत्र में उन्होंने लिखा कि उन्हें स्थानीय लोगों ने बताया कि इस बीच बिस्टुपुर थाना के प्रभारी अपने वाहन से वहां आए। उनके साथ पुलिस बल भी था। उन्होंने वहां एकत्रित लोगों के साथ डांट-डपट की, फटकारा, तितर बितर किया। उनके वाहन से 7-8 व्यक्ति उतरे और खड़ी मोटरसाइकिलों को स्टार्ट कर लेते गए। इसके बाद बिस्टुपुर थाना प्रभारी भी वहां से चले गए। इससे हमलावरों और बिस्टुपुर थाना प्रभारी के बीच सांठ-गांठ उजागर होती है।

साकची थाना से पूछताछ करने पर पता चला कि बिस्टुपुर थाना प्रभारी ने साकची थाने में आकर इस क्रूर हमला के दोषियों की मोटरसाइकिलें वहां से ले जाने के बारे में साकची थाना प्रभारी को सूचित किया था या नहीं, तो जानकारी मिली कि इस संबंध में बिस्टुपुर थाना प्रभारी ने साकची थाना प्रभारी को कोई सूचना नहीं दी थी। इससे जाहिर है उ एक क्रूर अमानवीय हमला के दोषियों की सहायता कर एवं अपने क्षेत्राधिकार का उल्लंघन कर बिस्टुपुर थाना प्रभारी ने एक घृणित अपराधिक कांड में अपनी संलिप्तता का परिचय दिया और एक जिम्मेदार पुलिस पदाधिकारी की कर्तव्यपरायणता पर कलंक लगाया है। स्पष्ट है कि डीसी लाउंज के साकची और बिस्टुपुर में हुए हमला एवं तोड़फोड़ के लिए जितना दोषी हमलावर हैं, उतना ही दोषी बिस्टुपुर थाना प्रभारी भी हैं। सहसा विश्वास नहीं होता है कि एक थाना प्रभारी ने अपने थाना क्षेत्र में तथा पड़ोस के थाना क्षेत्र में उधम मचाने वाले दोषियों के विरूद्ध कारवाई करने के बदले में उनकी पूरी सहायता की है। अंत में उन्होंने एसएसपी को लिखे पत्र में आग्रह किया है कि वे दोषी हमलावरों के विरूद्ध शीघ्र कठोर कानूनी कारवाई करें तथा बिस्टुपुर थाना प्रभारी के आचरण की जांच कर उनके विरूद्ध भी विधिसम्मत कारवाई करें।

चंदवा में सांस्कृतिक कार्यक्रम में, गायिका शालिनी दुबे ने बांधा समां

# मानवीय संस्कृति का वाहक है, चंदवा का युवा भारत : लातेहार विधायक प्रकाश राम

**लातेहार, संवाददाता**

हमारे पूर्वज जो सांस्कृतिक कार्यक्रम की धरोहर छोड़ गए ,वह चंदवा में जिंदा है ,यह स्वस्थ समाज की पहचान है ,उक्त बातें बुधवार को चंदवा हाई स्कूल खेल मैदान में आयोजित चंदवा नाइट शो उद्घाटन के दौरान कही , इस कार्यक्रम का आयोजन युवा भारत युवा संगठन के लोगों के द्वारा आयोजन किया गया ,इस कार्यक्रम में संगीत, नृत्य और उत्साह का शानदार संगम देखने को मिला , चंदवा स्टेडियम में लगभग छह हजार की संख्या में श्रोताओं ने गीत और संगीत का आनंद लिया , यह कार्यक्रम सारेगामापा और सुर संग्राम फेम गायिका शालिनी दुबे की पूरी टीम के द्वारा किया गया , नए , पुराने ,नृत्य और छठ पूजा के गीतों पर श्रोताओं ने खूब झूमा जिससे वातावरण जीवंत हो गया , कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि विधायक प्रकाश राम और अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन और फीता काटकर किया, उसके बाद सभी अतिथियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया , इस दौरान नंदनी ने गायिका शालिनी दुबे को उनकी एक सुंदर पेंसिल स्केच पेंटिंग भेंट की, जिसे देखने के बाद दर्शक भी उनके हुनर के कायल हुए, विधायक ने विशेष रूप से अध्यक्ष आदर्श रविराज और उनकी पूरी टीम की सराहना किया और कहा कि जब नेतृत्व समर्पित हो और उद्देश्य सांस्कृतिक एकता का हो, तो हर आयोजन एक नई पहचान बन जाता है युवा भारत वर्तमान में समाज के सामाजिक कार्यों का वाहक है, कार्यक्रम का संचालन आदर्श रविराज के नेतृत्व में किया गया , मंच पर उपस्थित कलाकारों में अंकित कुमार, गोलू, आशीष गुप्ता, अरुण प्रिंस, सौरभ बिट्टू, कुणाल खत्री, दारा सिंह, आकाश, अक्षय, रवि पांडुरंगा, रिकी, मनीष, चांदो, दीपक निषाद, कृष्णा और पंकज विश्वास की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही । मौके पर महेंद्र साहू, राजेश चंद्र पांडेय, मिथिलेश कुमार, राजकुमार साहू, राजकुमार पाठक, संतोष साहू, राजेश प्रसाद समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

# रैयत विस्थापित कोयलांचल प्रभावित संघर्ष मोर्चा की भुरकुंडा में की गई बैठक, नई कमेटी का गठन

**रामगढ़, संवाददाता**

रैयत विस्थापित कोयलांचल प्रभावित संघर्ष मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरूवार को भुरकुंडा में इकबाल हुसैन के आवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता चमन लाल और संचालन आशीष कुमार गुप्ता ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया। इसमें संरक्षक श्रीनाथ कमार्ली, अध्यक्ष प्रेमनाथ विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन, लखन राम, उपेन्द्र गुप्ता, सचिव डॉ. आशीष कुमार, सहायक सचिव राजेन्द्र नायक, रामचंद्र राम, कोषाध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता, उपकोषाध्यक्ष नरेश नायक, संगठन सचिव इम्तियाज अहमद, उपसंगठन सचिव रामलाल

करमाली चुने गये। वहीं कार्यकारिणी सदस्यो में रामशरण गिरी, किशोर नायक, राजेन्द्र कुमार दास, नकुल प्रसाद, राहुल सिंह, श्याम महतो, फिरदौस आलम शामिल हैं। नई कमेटी ने एक स्वर से मांग की कि भुरकुंडा क्षेत्र में नई शेल कमेटी का गठन जल्द से जल्द किया जाए, अन्यथा संगठन को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। बैठक के दौरान 15 अक्टूबर को थाना परिसर में हुई बैठक के दौरान डॉ. आशीष को बाहरी कहने की कड़ी निंदा की गई। सदस्यों ने कहा कि यह वक्तव्य संगठन की एकता को तोड़ने का प्रयास है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मोर्चा ने स्पष्ट किया कि संगठन रैयतों और विस्थापितों के हक की लड़ाई के लिए सदैव संघर्षरत रहेगा।

# केंचुआ बेड एवं कीट नियंत्रण पर एकल अभियान ने किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

**रामगढ़, संवाददाता**

**जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु किसानों को केंचुआ खाद निर्माण व गोमूत्र आधारित कीटनाशक बनाने की सिखाई विधि**

दक्षिण झारखंड संभाग भाग रांची अंचल रामगढ़ संच पतरातू के विद्यालय ग्राम नेतुवा, हरिहरपुर एवं संच भुरकुंडा के विद्यालय ग्राम अम्बा टोला में एकल अभियान के तत्वावधान में गुरूवार को किसानों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का संचालन संभाग गतिविधि प्रमुख करण सिंह महतो द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित किसानों को केंचुआ खाद (वर्मीकंपोस्ट) के उत्पादन एवं गोमूत्र से जैविक कीटनाशक बनाने

की विधि की विस्तृत जानकारी दी। श्री महतो ने बताया कि केंचुआ खाद मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने, फसल उत्पादन सुधारने तथा जल संरक्षण क्षमता में वृद्धि करने में सहायक है। इससे मिट्टी भुरभुरी होती है और फसलों की पैदावार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है। यह पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल है और रासायनिक खाद का उत्कृष्ट विकल्प है। उन्होंने आगे बताया कि गोमूत्र आधारित कीटनाशक से फसलों को कीटों व बीमारियों से प्राकृतिक रूप से सुरक्षा मिलती है। इससे मिट्टी की उर्वरकता और उपज की गुणवत्ता दोनों में सुधार होता है। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया तथा इसकी दीर्घकालिक लाभों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने जैविक खेती को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एकल अभियान रामगढ़ अंचल प्रमुख खिरेंदे कुमार, अंचल गतिविधि प्रमुख अजीत कुमार महतो, पतरातू संच प्रमुख नागेश्वर महतो, भुरकुंडा संच प्रमुख शांति देवी, आचार्य सपना देवी, मालती देवी, कविता देवी सहित दर्जनों किसान एवं महिलाएं उपस्थित थीं। मौके पर पारस महतो, आशा देवी, शांति देवी, सुमित्रा देवी, प्रिया देवी, सीमा देवी, पार्वती देवी, सपना देवी, धनेश्वरी देवी, गुजरी देवी, जहरी देवी, अनीता देवी आदि मौजद थीं।

## नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष को कार्यकताओं ने किया स्वागत

**बोकारो:** झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह पूर्व विधायक जेपी पटेल को कांग्रेस पार्टी के हजारीबाग जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकताओं द्वारा बधाई देने व स्वागत करने का सिलसिला जारी है। बुधवार को हजारीबाग आवास पर कार्यकताओं ने जेपी पटेल को बुके देकर स्वागत किया। कार्यकताओं ने एक स्वर में कहा कि अब हजारीबाग में कांग्रेस का विस्तार तीव्र गति से होगा। स्वागत करने वालों में मो. हदीस अंसारी, इमरान अहमद, रिंकू बाबू, सहित घाटो व हाउसिंग के कई कार्यकर्ता शामिल थे।

# हैदराबाद से प्रवासी मजदूर हीरालाल महतो का शव पहुंचा पैतृक गांव पिलपिलो

15 घंटा ग्रामीणों ने बनाया एम्बुलेंस को बंधक, मुआवजे की सहमति पर छोड़ा

**बोकारो, संवाददाता**

नावाडीह प्रखंड के उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र ऊपरघाट स्थित पिलपिलो निवासी हीरालाल महतो का शव सड़क मार्ग से बुधवार की दोपहर हैदराबाद से पहुंचा। शव को लाया गया एम्बुलेंस को बंधक बना लिया और कंपनी से मुआवजे की मांग ग्रामीणों द्वारा की गयी । इधर शव पहुंचते ही गांव में मातम सा छा गया। हीरालाल महतो की 13 अक्टूबर को हैदराबाद में ड्यूटी करके लौटने के बाद अपने कमरे में अचानक सीने में दर्द उठने से हैदराबाद की अस्पताल में ही मौत हो गयी थी। वह वहां इंटर नेट हाई फाई कंपनी प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत था। शव पहुंचने की सूचना पर डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो पहुंचा और उनके परिजनों को ढाढस बंधाया। डुमरी विधायक जयराम

कुमार महतो ने कंपनी और ठेकेदार नागराज व नरेश से दूरभाष के माध्यम से काफी लंबी बातचीत होने के बाद भी मुआवजे की मांग पर सहमति नही बन पाया ,तो एम्बुलेंस बंधक बना रहा। गुरुवार की सुबह फिर विधायक की पहल पर ठेकेदार नरेश ने मृतक की पत्नी कलावती देवी को 50 हजार नगद राशि व एक साल तक प्रति माह 10 हजार रुपए देने पर सहमति जताई। तब जाकर एम्बुलेंस को छोड़ा गया। मृतक अपने पीछे पत्नी, एक बेटी सुमित्रा कुमारी व बेटा सुनील कुमार सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गया। मृतक हीरालाल महतो का अंतिम संस्कार पिलपिलो गोदो नाला में कर दिया गया। मौके पर किंग कोबरा सुप्रीमो श्याम सुंदर महतो, आजसू कंजकिरो पंचायत अध्यक्ष बिरेंद्र कुमार महतो, शिवदयाल महतो, इंद्रदेव महतो, पवन महतो,मुरारी महतो, जितेंद्र महतो, भरत महतो आदि लोग उपस्थित थे।

# पंडित दीनदयाल उपाध्याय कौशल योजना के तहत यूथ मोबिलाइजेशन कैंप का हुआ आयोजन

**रामगढ़, संवाददाता**

**युवाओं को रोजगार से जोड़ने की जेएसएलपीएस की पहल की विधायक ने की सराहना**

गोला प्रखंड क्षेत्र में पंडित दीनदयाल उपाध्याय कौशल योजना (DDU-GKY) के अंतर्गत यूथ मोबिलाइजेशन कैंप का आयोजन झारखंड राज्य आजीविका प्रोत्साहन सोसायटी (JSLPS) के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ विधायक ममता देवी और विशिष्ट अतिथि के रुप में उप प्रमुख विजय ओझा एवं पुरबडीह पंचायत मुखिया अलका महतो उपस्थित रहे। इस अवसर पर खरछढर के इढट बिपिन सिंह, लोकेश्वर साहू, सभी उउ, IPRP, BAP सदस्य, तथा गोला प्रखंड के विभिन्न स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाएं एवं 18 से

35 वर्ष आयु वर्ग के बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। अपने संबोधन में विधायक माननीय ममता देवी जी ने कहा कि JSLPS युवाओं को रोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाने का उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने संस्था की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इसी क्रम में उप प्रमुख विजय ओझा और मुखिया अलका माहतो ने भी JSLPS के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि यह पहल ग्रामीण युवाओं को रोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

# ब्राह्मण समाज के उत्थान एवं समाज को एक जूट करने तथा ब्राह्मण संगठन को मजबूती को लेकर बैठक

**बोकारो, संवाददाता**

ब्राह्मण समाज के उत्थान एवं समाज को एक जूट करने तथा ब्राह्मण संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए और ब्राह्मण समाज के आने वाले पिडढी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए , रांची करम टोली चौक प्रेस क्लब में अखिल भारतीय ब्राम्हण महा सभा (अ) संगठन का निर्माण किया गया। आपसी विचार विमर्श के बाद सर्व सम्मति से संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अरुण कुमार शर्मा जी को नियुक्त किया गया। श्री मनोज तिवारी जी को राष्ट्रीय कार्य कारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आंनद मोहन तिवारी, बिनोद तिवारी,पी एन पांडेय, रजनीश पांडेय, रंग नाथ चौबे जी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।राम आशीष पांडेय को राष्ट्रीय प्रवक्ता, धीरेंद्र कुमार तिवारी को राष्ट्रीय सह प्रवक्ता नियुक्त किया गया। ब्रजेंद्र

पाठक, के, के,राय, संजय बनर्जी को महासचिव, कमलेश पाठक को राष्ट्रीय प्रधान महासचिव नियुक्त किया गया है। कृष्णा मुरारी नंद तिवारी, कमल किशोर द्विवेदी, राजीव रंजन त्रिवेदी को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है।

राज मोहन मिश्रा को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, रविन्द्र प्र चौबे को राष्ट्रीय उपकोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दीपक ओझा को झारखंड प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। करण कुमार पाठक को युवा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नवनीत कुमार पाण्डेय, रविकांत तिवारी को युवा प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। श्रीमती कल्याणी पांडेय लातेहार को महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सुश्री तारा पाठक धनबाद को महिला मोर्चा झारखंड प्रदेश संगठन प्रभारी नियुक्त किया गया है। श्रीमती रंजीता पांडेय को महिला मोर्चा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्रीमती लवली पाठक को महिला मोर्चा रांची जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्री रविन्द्र कुमार तिवारी, प्रमोद पाण्डेय, रजनीश पांडेय जी को संगठन का संरक्षक नियुक्त किया गया है। धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्य क्रम को समाप्त किया गया।

# दीपावली फुटबाल प्रतियोगिता को लेकर बैठक आयोजित

**बेरमो, संवाददाता**

लईयो के लुगू बाबा स्टेडियम में वाई एस एफ सी के खिलाड़ियों व आयोजन समिति के बीच दीपावली फुटबाल प्रतियोगता को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष चितरंजन महतो ने की। बैठक में सर्वसमिति से निर्णय लिया गया की इस मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में सीसीएल झारखंड उत्खनन परियोजना के पीओ एमके पांडेय करेगें। मौके जदयू के प्रदेश महासचिव राजू महतो व रवि कुमार मौजूद रहेंगे। बैठक में मुख्य रूप से जगमोहन महतो, जयनाथ महतो, महादेव महतो, कैलाश महतो, रमेश महतो नरेश काली, जीवालाल महतो, नमन कुमार, गणपत महतो,

किशोर कुमार महेंद्र महतो, शिबू मास्टर, गणपत कुमार, जलेश्वर महतो जे के महतो, किशोर कुमार, कैलाश महतो, राजेंद्र महतो, वीरेंद्र महतो, नवल कुमार, राजेश महतो, पंकज कुमार, रामकुमार साव, शिबू साव, वासुदेव महतो, पच्चू महतो, नंदलाल महतो, बाबूलाल महतो, शिवनारायण महतो, डालचंद महतो, सुभाष महतो,प्रकाश कुमार, राकेश कुमार शामिल थे।

# बोकारो के गोमिया प्रखंड में बाल विवाह, बाल तस्करी के खिलाफ जागरूकता सत्र

**बोकारो, संवाददाता**

बोकारो जिला अंतर्गत आकांक्षी प्रखंड गोमिया के सभागार में सहयोगिनी तथा एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रन के तहत बाल विवाह, बाल तस्करी और बाल मजदूरी जैसे गंभीर विषयों पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव कुमार महतो ने की। उन्होंने बाल विवाह को एक सामाजिक दुष्परिणाम बताते हुए इसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सभी एलएस को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता

कार्यक्रम चलाना अनिवार्य सुनिश्चित करें। अंचल अधिकारी आफताब आलम ने बाल तस्करी के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी साझा की। उन्होंने उपस्थित लोगों को आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 और बच्चों के लिए समर्पित चाइल्डलाइन नंबर 1098 के महत्व के बारे में भी बताया। सीओ ने सभी पंचायत सदस्यों को अपने कार्यक्षेत्रों में बाल तस्करी, उत्पीड़न और बाल मजदूरी की रोकथाम हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर गोमिया की प्रमुख प्रमिला चौड़ा ने बाल मजदूरी के खिलाफ सघन जागरूकता अभियान चलाने की बात कही। इस दौरान सभी ने बाल विवाह की रोकथाम पर शपथ ग्रहण भी किया। कार्यक्रम को सहयोगिनी के समन्वयक रवि कुमार राय ने संबोधित करते हुए कहा कि संस्था के द्वारा बोकारो जिले में बाल विवाह , बाल यौन हिंसा तथा बाल तस्करी के खिलाफ सघन रूप से अभियान चलाया जा रहा है । इसके साथ ही अभीवंचित परिवार को सरकार की कल्याणकारी योजना से जोड़ने का भी कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग से इकबाल, स्वास्थ्य विभाग से अनिल केरकेट्टा, नीति आयोग से अमर कुमार और सहयोगिनी बोकारो से रवि कुमार समेत अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। यह सत्र बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

# कस्तूरबा श्री विद्या निकेतन में सीसीएल ढोरी क्षेत्र के सहयोग से लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

**बेरमो, संवाददाता**

गुरुवार अपने विद्यालय कस्तूरबा श्री विद्यालय निकेतन में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड ढोरी क्षेत्र के द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉक्टर राहुल कुमार, चंद्रकांत कुमार (फार्मासिस्ट), अशोक विलोपिया (नर्स), अरुण कुमार (सहयोगी) के सहयोग से किया गया। इस मौके पर विद्यालय के सचिव धीरज कुमार पांडे अनपति विद्यालय के प्रधानाचार्य पंकज मिश्रा मौजूद रहे। इस शिविर में कक्षा सप्तम से दशम तक की बहनों का चिकित्सा जांच परीक्षण किया गया। बहनों ने अपनी परेशानी चिकित्सक के समक्ष रखी डॉ राहुल कुमार ने उन परेशानियों की जांच कर उन्हें दवा भी उपलब्ध कराई

गई। शिविर में कुल 171 बहनों ने भाग लिया। इस शिविर का उद्देश्य स्वास्थ्य की नियमित जांच, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान,स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना,व्यापक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, छात्रों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना,बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, छात्रों को संक्रामक रोगों की जांच करना आदि है। शिविर में विद्यालय के सभी आचार्य आचार्या एवं कर्मचारी बंधु का सहयोग रहा।

# आराम के लिए इंजीनियर्डः फुल-एयर सस्पेंशन भारत के राजमार्गों पर प्रथम-श्रेणी यात्रा अनुभव प्रदान करता है

**मुंबई, एजेंसी।** भारत की अग्रणी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने आज अपनी सबसे आधुनिक इंटरसिटी बस - ऑल-न्यू टाटा एलपीओ 1822 चेसिस लॉन्च की। लंबी दूरी के यात्री परिवहन में नए मानक स्थापित करने के लिए निर्मित, एलपीओ 1822 आराम, प्रदर्शन और परिचालन दक्षता में एक साहसिक छलांग का प्रतिनिधित्व करता है, जो जन गतिशीलता के भविष्य को आकार देने में टाटा मोटर्स के नेतृत्व की पुष्टि करता है। टाटा एलपीओ 1822 में फुल-एयर सस्पेंशन और कम शोर, कंपन एवं कठोरता के उच्च स्तर की विशेषताएँ हैं, जो यात्रियों और ड्राइवरों दोनों को थकान-रहित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करती हैं। यह चेसिस 36 से 50 सीटों और स्लीपर विकल्पों के साथ उपलब्ध है, जो बस ऑपरेटरों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करती है। इस लॉन्च के अवसर पर, टाटा मोटर्स के वाइस प्रेसिडेंट और कमर्शियल पैसेंजर व्हीकल बिजनेस के प्रमुख श्री आनंद एस ने कहा, भारत में इंटरसिटी परिवहन व्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है, क्योंकि यात्री अब बेहतर कनेक्टिविटी, आराम और सुविधा की अपेक्षा करते हैं। उत्कृष्ट राइड क्वालिटी, मजबूत इंजीनियरिंग और स्मार्ट फीचर्स का संयोजन प्रस्तुत करता है। यह यात्रियों के लिए आरामदायक, ड्राइवरों के लिए सुविधाजनक और ऑपरेटरों के लिए अधिक लाभदायक साबित होगा। एलपीओ 1822 में 5.6-लीटर कमिंस डीज़ल इंजन दिया गया है, जो 220 एचपी की पावर और 925 एनएम का टॉर्क प्रदान करता है। यह इंजन शक्ति और ईंधन-सक्षमता का बेहतरीन संतुलन प्रस्तुत करता है। यही चेसिस प्रीमियम टाटा मैग्ना कोच का आधार भी है, जो सुरक्षा, आराम और यात्रा अनुभव के उच्चतम मानकों के अनुरूप तैयार की गई है। एलपीओ 1822 के साथ चार वर्ष की मुफ्त फ्लीट एज सदस्यता दी जा रही है। फ्लीट एज टाटा मोटर्स का स्मार्ट, अगली पीढ़ी का कनेक्टेड व्हीकल प्लेटफॉर्म है, जो रीयल-टाइम जानकारी, भविष्यवाणी-आधारित मेंटेनेंस और डेटा-संचालित फ्लीट प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है। -

# मोबिलिटी एड्स पर 30% तक की छूट के साथ दिवाली वेलनेस सेलिब्रेशन 2025 लॉन्च किया

लुधियाना, एजेंसी। लीफोर्ड हेल्थकेयर, ऑर्थोपेडिक और मोबिलिटी सॉल्यूशंस में अग्रणी, लोगों को पारंपरिक उपहारों से कुछ अलग सोचने और ऐसे उपहारों को अपनाने के लिए आमंत्रित कर रहा है जो बेहतर एवं स्थायी स्वास्थ्य और गतिशीलता प्रदान करते हैं। अपने दिवाली वेलनेस सेलिब्रेशन 2025 के हिस्से के रूप में, कंपनी अक्टूबर 2025 के महीने में अपने ऑर्थोपेडिक और मोबिलिटी एड पोर्टफोलियो पर 30त्न तक की छूट दे रही है, जिससे इस त्योहारी सीजन में स्वास्थ्य-केंद्रित विकल्प अधिक आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे। मोबिलिटी सॉल्यूशंस की सीरिज को आराम, स्वतंत्रता और एक एक्टिव लाइफस्टाइल को प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये उत्पाद केवल थेराप्यूटिक टूल्स नहीं हैं, बल्कि विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों की दिनचर्या में शामिल सोच-समझ कर तैयार किए गए समाधान हैं, जो उन्हें बिना किसी रुकावट के हर दिन आगे बढ़ने में अच्छी-खासी मदद करते हैं। अमित गुप्ता, संस्थापक और मैनेजिंग डायरेक्टर, लीफोर्ड हेल्थकेयर लिमिटेड ने कहा कि लीफोर्ड में, हम यह समझ चुके हैं कि ऑर्थोपेडिक सपोर्ट सिर्फ स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में मजबूती लाने के लिए भी है। एक सोची-समझी चीज के रूप में शामिल किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि इस दिवाली, हम परिवारों को अपने प्रियजनों के लिए प्रिवेंटिव हेल्थ और मोबिलिटी में निवेश करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। त्योहारों का मौसम देखभाल, एकजुटता और नए स्वास्थ्य का समय होता है, इसलिए लीफोर्ड ऑर्थोपेडिक सपोर्ट को स्वास्थ्य साथी के रूप में नए सिरे से ढाल रहा है, जिसे न केवल स्वास्थ्य लाभ में मदद करने के लिए, बल्कि असुविधा को रोकने और रोजमर्रा की गतिविधियों में सहयोग देने के लिए भी डिजाइन किया गया है।

## पहले ही दिन 600 रुपये के पार रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड की शेयर बाजार में जबरदस्त शुरुआत हुई है। कंपनी के शेयर पहले ही दिन 600 रुपये के पार पहुंच गए हैं। रुबिकॉन रिसर्च के शेयर गुरुवार को बीएसई में 27.86 पर्सेंट या 135.10 रुपये के फायदे के साथ 620.10 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। वहीं, एनएसई पर रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड के शेयर 27.84 पर्सेंट या 135 रुपये के प्रीमियम के साथ 620 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड के शेयर का दाम 485 रुपये था। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 1377.50 करोड़ रुपये तक का था। शानदार लिस्टिंग के बाद रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड के शेयरों में कुछ मुनाफावसूली देखने को मिली है। लिस्टिंग के ठीक बाद रुबिकॉन रिसर्च के शेयर बीएसई में 4 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 590 रुपये पर पहुंच गए। वहीं, एनएसई पर कंपनी के शेयर 587.35 रुपये के निचले स्तर पर जा पहुंचे। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 77.67 पर्सेंट थी। आईपीओ से जुटाए गए फंड का इस्तेमाल कंपनी अपने कर्ज को चुकाने और इनऑर्गेनिक ग्रोथ की फंडिंग में करेगी। रुबिकॉन रिसर्च के आईपीओ पर टोटल 109.35 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी में 37.40 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, एंप्लॉयीज कैटेगरी में 17.68 गुना दांव लगा। रुबिकॉन रिसर्च के आईपीओ में गैर संस्थागत निवेशकों का कोटा 102.70 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 137.09 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशक कम से कम 1 लॉट और अधिकतम 13 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 30 शेयर थे। यानी, आम निवेशकों को एक लॉट के लिए 14,550 रुपये का निवेश करना पड़ा।

## 204 करोड़ प्रॉफिट के बावजूद 9 प्रतिशत टूट गया का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। केईआई इंडस्ट्रीज के शेयर में गुरुवार को 9 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि कंपनी ने सितंबर तिमाही में 31.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ अच्छे नतीजे दिए। शेयर एनएसई पर आज 4435 रुपये पर खुला और देखते ही देखते 4,031.90 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। सुबह साढ़े 10 बजे के करीब केईआई का शेयर 5.13 प्रतिशत नीचे 4193.70 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 204 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के समान तिमाही के 155 करोड़ रुपये से बढ़ा है। ऑपरेशन से राजस्व 19.4 प्रतिशत बढ़कर 2,726 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कंपनी के ई बी आई टी डी ए (ब्याज, टैक्स, डीप्रिसिएशन और अमोर्टाइजेशन से पहले कमाई) में भी 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और ई बी आई टी डी ए मार्जिन लगभग समान 9.9 प्रतिशत पर बना हुआ है। हालांकि, बाजार में शेयर प्राइस पर दबाव बना हुआ है, क्योंकि निवेशक संभवतः प्लांट के ऑपरेशन में देरी और बाजार की बिकवाली की वजह से सतर्क हैं। टल गया है और फेज 1 का रोलआउट अब नवंबर 2025 में होगा, जो सितंबर में होने वाला था। शेयर के लिए 3,950 रुपये का सपोर्ट लेवल और 4,400 रुपये के आसपास रुकावट मानी जा रही है। वर्तमान में बाजार में बिक्री के दबाव के कारण शेयर कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। एंजेल वन के इक्विटी तकनीकी और डेरिवेटिव विश्लेषक राजेश भोसले के अनुसार, केईआई इंडस्ट्रीज के शेयर की कीमतों में सुबह के सत्र में 9 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट देखी गई है। हालांकि कीमतें सुबह के निचले स्तर 4,000 से बढ़कर 4,200 (खबर लिखे जाने के समय) पर पहुंच गई हैं।

# 16,000 कर्मचारियों की छंटनी करने का ऐलान

**मुंबई, एजेंसी।**
नेस्ले इंडिया लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। शेयरों में इस तेजी के पीछे सितंबर तिमाही के नतीजे हैं। दरअसल, आज कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। दैनिक उपभोग का घरेलू सामान बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड का जुलाई-सितंबर तिमाही में नेट प्रॉफिट 17.37 प्रतिशत घटकर 743.17 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने पिछले साल इसी दौरान 899.5 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। आज कंपनी के शेयर 4 पर्सेंट तक चढ़ गए और 1,268.60 रुपये पर आ गए।

इसके अलावा, दुनिया की सबसे बड़ी पैकेज्ड फूड कंपनी नेस्ले ने गुरुवार को घोषणा की कि वह 16,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी। कंपनी का उद्देश्य बिक्री मात्रा बढ़ाना और कारोबार को अधिक कुशल बनाना है। नए एमडी फिलिप

### घट गया है कंपनी का प्रॉफिट

नवाटिल ने कहा कि कंपनी ने कॉफी और कन्फेक्शनरी उत्पादों में कीमतों में वृद्धि के कारण उम्मीद से बेहतर बिक्री वृद्धि दर्ज की है। नवाटिल के अनुसार यह कदम कंपनी की वृद्धि रणनीति और परिचालन क्षमता को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।

नेस्ले इंडिया ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 5,630.23 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 5,074.76 करोड़ रुपये था। कुल खर्च 12.9 प्रतिशत बढ़कर 4,616.73 करोड़ रुपये रहा। जुलाई-सितंबर तिमाही में नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री 10.8 प्रतिशत बढ़कर 5,411.02 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 4,883.14 करोड़ रुपये थी। इसका निर्यात 14.4 प्रतिशत बढ़कर 219.21 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने कहा कि घरेलू बिक्री में दोहरे अंक की दर से वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण मात्रा में वृद्धि है।

## नए संवत वर्ष में रॉकेट बनेगा यह पेनी शेयर

मुंबई, एजेंसी। दिवाली के मौके पर नए संवत वर्ष 2082 (अक्टूबर 2025 से अक्टूबर 2026 तक) की शुरुआत होगी। इस नए संवत में निवेशकों के लिए अलग-अलग ब्रोकरेज शेयर खरीदने की सलाह दे रहे हैं। कई ऐसे शेयर हैं जिनमें तेजी के अनुमान लगाए जा रहे हैं। इनमें साउथ इंडियन बैंक के शेयर भी हैं। अब बैंक ने तिमाही नतीजे भी जारी किए हैं। आइए डिटेल जान लेते हैं। बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट आठ प्रतिशत बढ़कर 351 करोड़ रुपये हो गया। बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की सितंबर तिमाही में 325 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय 1,875 करोड़ रुपये पर स्थिर रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 1,878 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान डूबे कर्ज के लिए प्रावधान घटकर 63 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में 110 करोड़ रुपये था। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) दूसरी तिमाही के दौरान घटकर 2.93 प्रतिशत रह गई, जो सितंबर, 2024 में कुल कर्ज पर 4.40 प्रतिशत थी।

## 10 लाख से 50 करोड़ रुपये तक...

# लखनऊ के इस बंदे ने किया कुछ ऐसा कि लोग पूछते हैं- क्या करता है भाई

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी भी कारोबार की शुरुआत छोटी या बड़ी नहीं होती। जरूरत होती है तो उसे बस शुरू करने की। इसके बाद मेहनत और जुनून से उसे सफलता के मुकाम तक पहुंचाया जा सकता है। ऐसा ही कुछ किया लखनऊ के अमन गुप्ता ने। उन्होंने साल 2018 में महज 10 लाख रुपये की शुरुआत से अपनी सौर ऊर्जा (सोलर टेक्नोलॉजी) कंपनी की शुरुआत की थी और आज वे 50 करोड़ रुपये की कंपनी खड़ी कर चुके हैं। अमन की कंपनी 'स्मार्ट सोलर टेक' अब उत्तर भारत की चौथी सबसे बड़ी सौर सेवा प्रदाता बन गई है। सोलर पैनल इंस्टॉलेशन के क्षेत्र में काम करने वाली इस कंपनी ने अब तक 8000 से अधिक सोलर पैनल इंस्टॉल किए हैं, जिनमें से 4000 इंस्टॉलेशन अकेले लखनऊ में किए गए हैं। कंपनी न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि हरियाणा और राजस्थान में भी सक्रिय है। शुरुआत में अमन और उनकी प प्रतिशती दीप्ति चौहान अकेले काम करते थे। साल 2017 में उन्होंने नेट्स में अपनी कंपनी रजिस्टर कराई और साल 2018 में अपनी एमबीए प प्रतिशती दीप्ति चौहान के साथ मिलकर काम शुरू किया। आज कंपनी में 75 से अधिक प्रशिक्षित कर्मचारी काम कर रहे हैं। अमन गुप्ता ने बताया कि उनकी कंपनी देश की पहली ऐसी ब्राह्मण फर्म बनने जा रही है, जो कस्टमर फीडबैक और सर्विसिंग के लिए मोबाइल ऐप लॉन्च कर रही है। इस ऐप के जरिए ग्राहक कंपनी से सीधी सेवा प्राप्त कर सकेंगे। बॉटैनिक विभाग में नौकरी करते थे, लेकिन सौर ऊर्जा के बढ़ते अवसरों को देखते हुए उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ उद्यमिता की राह चुनी। उनका कहना है कि अगर आप में जुनून है तो कोई भी सपना असंभव नहीं। आज अमन गुप्ता युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। अमन बताते हैं कि उनकी कंपनी देश की पहली ऐसी ईसीसी फर्म बनने जा रही है।

## अदाणी डिफेंस की जांच के बीच केंद्र का बड़ा कदम, मिसाइल पुर्जों के आयात पर टैक्स छूट नीति वापस

मुंबई एजेंसी। केंद्र सरकार ने मिसाइल के पुर्जों के आयात पर दी गई टैक्स छूट नीति को वापस ले लिया है, जो इस समय अदाणी समूह की रक्षा इकाई पर चल रही जांच के बीच एक अहम कदम माना जा रहा है। सरकार ने 9 अक्टूबर को जारी अधिसूचना में सितंबर में घोषित छूट नीति में संशोधन करते हुए मिसाइल शब्द को हटा दिया। इसके बाद अब केवल लंबी दूरी मिसाइलों के कुछ पुर्जों को ही आयात शुल्क में छूट मिलेगी, जबकि शॉर्ट-रेंज (कम दूरी) की मिसाइलों के पुर्जों पर पहले की तरह कस्टम ड्यूटी लागू रहेगी। सितंबर में जारी अधिसूचना के तहत सरकार ने रक्षा उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए सभी प्रकार की मिसाइलों लंबी और छोटी दूरी के पुर्जों को टैक्स-फ्री आयात की अनुमति दी थी। इससे कई रक्षा कंपनियों को लाभ मिलने की संभावना थी, जिनमें अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज भी शामिल थी। हालांकि, नई अधिसूचना के माध्यम से यह छूट वापस ले ली गई है। सरकार ने इस निर्णय के पीछे कोई कारण नहीं बताया है। ग्रांट थॉर्नटन इंडिया के पार्टनर कृष्णन अरोड़ा ने कहा कि यह सुधार नीति को फिर पुराने ढांचे में ले आता है। उन्होंने बताया, पहली बार सरकार ने सभी मिसाइल पुर्जों पर टैक्स छूट देने का निर्णय किया था, लेकिन अब वह फैसला वापस ले लिया गया है। अदाणी समूह पहले ही कह चुका है कि उसने अपनी आयात संबंधी सभी जानकारियां और दस्तावेज अधिकारियों को सौंप दिए हैं।

## उच्च स्तरीय आईफोन मशीनरी के स्वामित्व पर टैक्स नहीं देने के लिए यह पैरवी कर रही है

# भारी टैक्स से बचने कानून में बदलाव की लॉबिंग कर रही एपल, भारत सरकार से चल रही बातचीत

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
एपल भारत में आयकर कानून में बदलाव करने की पैरवी कर रहा है। कंपनी अनुबंधित निर्माताओं को दी जाने वाली उच्च स्तरीय आईफोन मशीनरी के स्वामित्व पर टैक्स नहीं देने के लिए यह पैरवी कर रही है। एपल का मानना है कि वर्तमान नियम भविष्य की उसकी विस्तार योजना में बाधा बन सकता है।

एपल भारत में मौजूदगी बढ़ा रही है। यह चीन से आगे बढ़कर विविधता ला रही है। काउंटरपॉइंट के अनुसार, 2022 से भारतीय बाजार में आईफोन का हिस्सा दोगुना होकर 8 फीसदी हो गया है। चीन अब भी वैश्विक आईफोन शिपमेंट का 75 फीसदी हिस्सा है। भारत का हिस्सा 2022 से चार गुना बढ़कर 25 फीसदी हो गया है। एपल की अनुबंध निर्माता फॉक्सकॉन और टाटा ने पांच संयंत्र खोलने के लिए अरबों डॉलर खर्च किए हैं, लेकिन इनमें से लाखों डॉलर का खर्च आईफोन असेंबली के लिए महंगी मशीनें खरीदने में चला जाता है। एपल भारत में

इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के विदेशी स्वामित्व से संबंधित कानून को बदलने के लिए भारत सरकार को राजी किए बिना व्यावसायिक प्रथाओं में बदलाव करती है, तो उसे अरबों डॉलर के अतिरिक्त करों का सामना करना पड़ सकता है।

**भारतीय अधिकारियों के साथ की है बातचीत:** एपल के अधिकारियों ने हाल में भारतीय अधिकारियों के साथ कानून में बदलाव करने के लिए बातचीत की है। उन्हें डर है कि मौजूदा कानून उनके भविष्य के विकास में बाधा डाल सकता है। अनुबंध निर्माता एक सीमा से आगे पैसा नहीं लगा सकते। अगर पुराने कानून में बदलाव किया जाता है, तो एपल के लिए विस्तार करना आसान हो जाएगा। इससे भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकता है।

**सरकार सतर्क, कर रही विचार:** एक अधिकारी ने कहा, एपल को प्रभावित करने वाले कराधान निकमों पर चर्चा जारी है। सरकार सतर्क है क्योंकि कानून में बदलाव विदेशी कंपनी पर कर लगाने के उसके संप्रभु अधिकार को कम कर सकता है।

### भारत में चीन से अलग कानून

चीन में आईफोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें एपल खरीदती है। उन्हें अपने अनुबंधित निर्माताओं को देती है। उन पर कोई कर नहीं लगता, भले ही वह उनका मालिक हो। लेकिन भारत में यह संभव नहीं है, क्योंकि आयकर अधिनियम एपल के ऐसे स्वामित्व को तथाकथित व्यावसायिक संबंध मानता है, जिससे आईफोन से होने वाले मुनाफे पर भारतीय कर लगेगा।

# मजबूत त्योहारी मांग से कारों और दोपहिया वाहन बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

- सियाम के आंकड़े दे रहे इसकी गवाही
- कुल निर्यात 19.8 फीसदी बढ़ा

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
जीएसटी दरों में कटौती का लाभ सिर्फ नौ दिन मिलने के बावजूद देशभर में सितंबर, 2025 में वाहनों की थोक बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 4.4 फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में 3,56,752 यात्री वाहन बिके थे। आंकड़ों के मुताबिक, दोपहिया वाहनों की बिक्री सात फीसदी बढ़कर 21,60,889 इकाई पहुंच गई। सितंबर, 2024 में देशभर में कुल 20,25,993 दोपहिया वाहन बिके थे। वहीं, तिपहिया वाहनों की बिक्री एक साल पहले की समान अवधि के 79,683 इकाइयों की तुलना में 5.5 फीसदी बढ़कर 84,077

इकाई पहुंच गई। सियाम के अध्यक्ष शैलेष चंद्रा ने कहा, मजबूत त्योहारी मांग के दम पर सितंबर ने यात्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की है। जीएसटी सुधार के सरकार के ऐतिहासिक फैसले से घरेलू वाहन उद्योग को अगले स्तर पर पहुंचाने और अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

### निर्यात सालाना आधार पर 19.8 फीसदी बढ़कर 5,58,768 इकाई पहुंच गया

सितंबर में सभी प्रकार के वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 19.8 फीसदी बढ़कर 5,58,768 इकाई पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में देश से कुल 4,66,409 वाहनों का निर्यात किया गया था। यात्री वाहनों का निर्यात 30.3 फीसदी बढ़कर 87,762 इकाई पहुंच गया। इस दौरान 43,715 कारों का निर्यात किया गया, जो सितंबर, 2024 के 35,421 इकाइयों से 23.4 फीसदी अधिक है। दोपहिया वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 15.3 फीसदी की बढ़त के साथ 4,29,562 इकाईपहुंच गया।

### त्योहारी सीजन के बाद भी रहेगी कारों की मांग

सियाम अध्यक्ष ने कहा, त्योहारी सीजन के बाद भी यात्री वाहनों की मांग बने रहने की उम्मीद है, क्योंकि जीएसटी कटौती से उत्साहित होकर खरीदारों का एक नया समूह डीलरशिप पर आना शुरू कर रहा है। चंद्रा ने कहा, घरेलू वाहन उद्योग 2025-26 की दूसरी छमाही में नएउत्साह के साथ प्रवेश करेगा। इसे मजबूत त्योहारी बिक्री, व्यापक आर्थिक स्थितियों और जीएसटी सुधारों से समर्थन मिलेगा। हालांकि, वैश्विक चुनौतियों और कई देशों में तनाव का जोखिम बना रहेगा। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में देशभर में कुल 10,39,200 यात्री वाहन (पीवी) बिके हालांकि, यह आंकड़ा एक साल पहले की समान अवधि में बिके 10,55,137 यात्री वाहनों की तुलना में 1.5 फीसदी कम है।

# शरबती आंखों की कैसे करें सुरक्षा

**आधुनिकता के बढ़ते दौर के कारण आज रोज-मर्रा की जिंदगी में कई मशीनों ने जगह बना ली है और इन सबमें सबसे आम है कम्प्यूटर। आज अधिकांश लोग दिन के 24 घंटों में से 10-12 घंटे कम्प्यूटर के सामने ही बिता रहे हैं।**

**दिनभर** ऑफिस में काम करते हुए तो कम्प्यूटर स्क्रीन आंखों के सामने रहती ही है और घर में इसका स्थान टीवी ले लेती है। ऑफिस जाने वाले लोगों की तो मजबूरी है कि उन्हें इतने समय कम्प्यूटर पर काम करना पड़ता है क्योंकि आज अधिकांश कार्यालयों में बिना कम्प्यूटर के काम ही नहीं होता, लेकिन स्कूल, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए तो यह इतना अहम हो गया है कि इसके बिना वे अपने आप को असहाय महसूस करने लगते हैं। अगर वे कम्प्यूटर से हटते तो मोबाइल में लग जाते।

स्वभाविक सी बात है कि इतना समय कम्प्यूटर, टीवी, मोबाइल के सामने बिताना आपकी आंखों के लिए अच्छा नहीं है। आपकी आंखों पर इसका बुरा असर पड़ना लाजमी है। लेकिन अपनी आदतों में सुधार कर आप आंखों को इसके प्रभावों से बचा सकते हैं। नीचे दिए कुछ उपयोगी टिप्स अपनाएं और आंखों को स्वस्थ रखें।

- आपकी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि आपके कम्प्यूटर की जमावट सही हो। मॉनीटर, कीबोर्ड का सही जगह होना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे मॉनीटर की आपकी आंखों से दूरी एक हाथ बराबर हो और वह आंखों के लेवल से 20 डिग्री नीचे हो। कीबोर्ड भी ऐसी जगह होना चाहिए जहां आपको टाइप करने में कोई भी दुविधा न हो।
- आप जहां बैठे हैं उस कमरे का प्रकाश फैला हुआ होना चाहिए। आपके सिस्टम पर प्रकाश सीधे नहीं पड़ना चाहिए। अपने सिस्टम के कलर, कंट्रास और ब्राइटनेस को अपने अनुसार सेट करें जो आपकी आंखों के लिए सहज हो।
- आप अपने चश्मे के लेंस पर एंटी-रिफ्लेक्टिव पर्त लगवा सकते हैं जो आपकी आंखों को कम्प्यूटर से निकलने वाली हानिकारक किरणों से बचाएगा। इसके अलावा आप आंखों के डॉक्टर से कन्सल्ट कर एक खास चश्मा बनवा सकते हैं जो विशेषकर उन लोगों के लिए बनाया जाता है जो कम्प्यूटर का अधिक इस्तेमाल करते हैं।
- हमेशा 20-20-20 नियम याद रखें। इन तीन स्टेप्स को अपनाकर आप आंखों की हिफाजत बखूबी कर सकते हैं।
- कम्प्यूटर पर काम करते हुए हर 20 मिनिट बाद अपने सिर को घुमाएं और ऐसी किसी वस्तु पर नजर डालें जो कम से कम आप से 20 फीट दूर हो। ऐसा करने से आपकी आंखों की फोकस दूरी बदलेगी जो आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करेगी।
- छोटा-सा ब्रेक लें और उसमें अपनी पलकों को लगातार 20 बार झपकाए। ऐसा करने से आंखों की नमी बरकरार रहेगी।
- एक ही पोजीशन में बैठे रहने से अच्छा है कि आप हर 20 मिनिट में उठकर 20 कदम चलें। ऐसा करना आपकी आंखों के साथ-साथ पूरे शरीर के लिए लाभप्रद है। इससे आपके पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह आसानी से होगा। अन्यथा एक ही जगह बैठे रहने से रक्त प्रवाह में रुकावट आ जाती है।
- हम औसतन एक मिनिट में 12 बार पलक झपकाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है जब हम कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो एक मिनिट में सिर्फ 5 बार ही पलकें झपकती हैं। जिस कारण हमारी आंखों की नमी कम हो जाती है। और यही कमी हमारी असहजता का कारण बन जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पलक झपकाना न भूलें और आंखों को नम बनाए रखने के लिए जेल या कृत्रिम आंसुओं का उपयोग करें।
- काम करते समय हमेशा तनकर बैठे ताकि आपका मेरुदंड सीधा रहे। अपनी हथेलियां आपस में तब तक रगड़ें जब तक कि वे थोड़ी गर्म न हो जाएं। हथेलियों की यह गर्माहट आपकी थकी हुई आंखों को आराम पहुंचाएगी। अपनी इन गर्म हथेलियों को हल्के से आंखों पर रखें और 60 सेकेण्ड तक आराम करें। अपने मन में ये 60 सेकेण्ड गिनें और जब भी आपकी आंखे थक जाएं तब कम से कम दो से तीन बार इस एक्सरसाइज को करें।
- ब्रेक के दौरान अपने चेहरे और आंखों को सादे पानी से धोएं। ऐसा करने से आप फ्रेश फील करेंगे।
- सुबह ऑफिस आने से पहले उपयोग किए गए दो टी-बैग्स फ्रिज में रखना न भूलें और जब आप घर जाएं तो इन टी-बैग्स को आंखों पर कुछ मिनिटों के लिए रखें। यह आपकी थकी हुई आंखों को आराम देने के साथ-साथ उनकी सूजन भी कम करेगा।
- आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है उचित खान-पान। अपने रोजाना के खाने में विटामिन ए, सी और ई से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर, चिकन और दुग्ध उत्पादों को भी अपने आहार में शामिल करें। अगर आप अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपनाने के साथ समय-समय पर आंखों की जांच कराना न भूलें।

# सर्द मौसम में महिलाएं रखें सावधानी

**बदलते** मौसम का अर्थ ढेरों बीमारियों को बुलावा। ऐसे में महिलाओं को अपना विशेष ध्यान रखना होता है। महिलाओं को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीमारी उन्हें जब तक पूरी तरह से न पकड़ ले, वे चिकित्सक के पास जाना पसंद नहीं करती हैं। लापरवाही के कारण कभी-कभी बीमारियां इतनी गंभीर हो जाती हैं कि इलाज असंभव हो जाता है। पहले महिलाएं अज्ञानता के चलते ऐसा करती थीं। आज महिलाएं शिक्षित और समझदार हैं लेकिन आज भी सिर्फ ध्यान न देने की वजह से बीमारियां ने गंभीर रूप ले लेती हैं। महिलाओं को चाहिए कि अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें और समय-समय पर डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। * व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। व्यायाम ज्यादा पकाऊ न हो, इसके लिए रोज कुछ नया करने का प्रयास करें। जैसे सोमवार को सैर, मंगलवार को योग, बुधवार को एक्सरसाइज आदि। *व्यायाम करते समय अपनी पसंद का म्यूजिक सुनना बहुत जरूरी होता है। इससे मन प्रसन्न होता है, और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। * खाने में हरी सब्जी, फल, सलाद और जूस का नियमित सेवन करें। तेल-घी का ज्यादा उपयोग न करें। महिलाएं एक गिलास दूध प्रतिदिन पिएं। कैल्शियम और सोयायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। * बदलते मौसम में मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। त्वचा को स्वास्थ्य रखने के लिए एलोवेरा का उपयोग भी कर सकते हैं। दिनभर में लगभग 18 से 20 गिलास पानी पीने से आधी से ज्यादा बीमारियां दूर रहती हैं। * विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट दवाइयों का सेवन करें। महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर और बच्चादानी के कैंसर की समय-समय पर जांच कराती रहें। साथ ही अन्य चेकअप भी कराती रहें। * जो भी खाएं और पकाएं, हमेशा धोकर खाएं। कफ कोल्ड वाले इंसानों से दूर रहें। जितना हो सके बीमारियों से बचकर रहें।

# ढंड से बचाएं अपने नन्हे से दिल को

**जाड़े** की दस्तक के साथ ही मौज-मस्ती का सिलसिला शुरू हो रहा है। क्रिसमस से लेकर पूरे जनवरी महीने तक बेफिक्री का आलम रहेगा। रंग में भंग डालने की मेरी कोई मंशा नहीं है लेकिन मौज-मस्ती के अपने धांसू आइडिया के साथ अपने दिल की खैरियत के खयाल की गठरी भी बांध लें तो बेहतर होगा। इस दौरान दिल की तरफ से बेतकल्लुफ हो जाना खतरे से खाली नहीं है। ब्रिटेन के चर्चित कवि टीएस इलियट की तर्ज पर कहें तो दिल की परवाह नहीं की तो ये महीने सबसे निर्दयी साबित हो सकते हैं। खाने-पीने का दौर ही नहीं, जाड़े की ठिठुरन भी घातक साबित होती है। सीधे कहें तो इन महीनों में दिल के दौरे का खतरा बहुत बढ़ जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग तो खास खयाल रखें। हृदय रोगों के लिए ये महीने सबसे घातक होते हैं। ठंडे मौसम का हृदय रोगों से गहरा संबंध होता है। हृदय एवं रक्त संचार कई तरह से प्रभावित होते हैं। गाढ़ा हो जाने से रक्त का लसलसापन बढ़ जाता है। पतली रक्त नलिकाएं और संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का दबाव बढ़ जाता है, दिल की धड़कन बढ़ जाती है। यह स्थिति दिल के मरीजों के लिए तो ठीक नहीं ही है, उनके दिलों के लिए भी घातक है जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा एवं कोलेस्ट्रॉल जैसे जोखिम कारकों से लैस हैं। इस मौसम में श्वसन से संबंधित बीमारियां होती हैं जो दिल पर बुरा असर डालती हैं।

जाड़े में लोग शराब का अधिक सेवन करते हैं। उच्च रक्तचाप एवं खून को पतला करने सहित अन्य जरूरी दवाइयों से बचते हैं। मस्ती के दौरान उन लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते जो दिल के दौरे की तरफ इंगित करते हैं। छाती के दर्द तक को गैस या अपच के कारण हुआ समझने की भूल करते हैं। जाड़े में अधिक समय तक ठंड में रहने और खुली जगह में शारीरिक मेहनत करने से बचें तभी आपके दिल की गर्मजोशी बरकार रहेगी।

# आहार जो दे आपको सर्दियों में गर्मी

**सर्दी को** हमारे यहां सेहत बनाने का मौसम माना जाता है। खूब सारे फल आते हैं, पाचन-शक्ति अच्छी होती है और खूब भूख भी लगती है। कहा जाता है कि इस मौसम में पत्थर भी पचाए जा सकते हैं। ऐसे में जो लोग जिम जाकर बॉडी बनाना चाहते हैं, उनके लिए भी यह मौसम बड़े काम का है।

इस मौसम में स्वस्थ रहने और सर्दी से बचने के लिए बाहरी उपायों के अतिरिक्त हमारे यहां खान-पान पर भी जोर दिया जाता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होने की आशंका ज्यादा रहती है, ऐसे में अपने शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट अपने खाने में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स को शामिल करने का सुझाव देते हैं। ठंड के मौसम में अपने खाने में आंवले को शामिल करें। सीधे नहीं खा सकते हैं तो या तो मुरब्बे के तौर पर या फिर किसी और तरह से हर दिन के खान-पान में इस्तेमाल करें। यदि आप डाइट चार्ट का पालन कर रहे हैं तो फिर आंवला मुरब्बा लेने की बजाय किसी और रूप में लें। इसके साथ ही अजवाइन भी शरीर को गर्मी देने का अच्छा स्रोत है। इससे भी आप फ्लू एंड फ्लू से बचाव कर सकते हैं। गुड़ और शहद भी सर्दियों के दिनों में अच्छा माना जाता है। तिल्ली और गुड़ के लड्डू सर्दी से बचाव के लिए बेहतरीन उपाय माना जाता है। ठंड के मौसम में सूखे मेवे, बादाम आदि का सेवन भी लाभदायक होता है। या तो इन्हें भिगोकर खाएं या दूध में मिलाकर या फिर सूखे मेवों का दरदरा पाउडर-सा बना लें और इसे दूध में मिलाकर प्रोटीन शेक-सा बना लें। पारंपरिक तौर पर सर्दियों के लिए मेवे के लड्डू बनाए जाते हैं। आटे, बेसन या फिर उड़द या मूंग की दाल के आटे से लड्डू बनाए जाते हैं। गुजरात में उड़द की दाल के आटे से बने लड्डुओं को अड़ूंदिया कहा जाता है, जबकि पंजाब में इन्हें दाल की पिन्नियों के नाम से जाना जाता है। डाइट एक्सपर्ट यह मानते हैं कि सर्दियों में देशी घी का उपयोग किया जाना चाहिए। यदि आप किसी डाइट चार्ट को फालो नहीं कर रहे हैं तो घी इस मौसम में अच्छा रोग प्रतिरोधक माना जाता है। यदि आप शक्कर और घी से परहेज करते हैं तो मौसमी फलों का सेवन करें। ताजी सब्जियों और मौसम के फलों के साथ गर्म दूध भी सर्दियों के लिए अच्छा माना जाता है।

# सूर्य-किरण थेरेपी क्या है?

**वैज्ञानिकों** की मान्यता है कि विविध रंगों का मानव के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक रंग के अपने विशेष आरोग्यकारक गुण होते है। रंग असंतुलन अर्थात रंगों की कमी या अधिकता के कारण मनुष्य के शरीर में कई प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते हैं। सामान्य रूप से देखने पर सूर्य का प्रकाश सफेद ही दिखाई देता है पर वास्तव में वह सात रंगों का मिश्रण होता है। कांच के त्रिपार्श्व से सूर्य की किरणों को गुजारने पर दूसरी ओर इन सात रंगों को स्पष्ट देखा जा सकता है। किसी विशेष रंग की कांच की बोतल में साधारण पानी, चीनी, मिश्री, घी, ग्लिसरीन आदि तीन-चौथाई भरकर सूर्य की किरणें दिखाने से या धूप में रखने से उस कांच द्वारा सूर्य के प्रकाश से उसी रंग की किरणों को ग्रहण किया जाता है और उसी रंग का तत्व और गुण पानी आदि वस्तु में उत्पन्न हो जाता है और वह सूर्यतप्त (सूर्य किरणों द्वारा चार्ज की गई वस्तु रोग-निवारण गुणों और स्वास्थ्यवर्धक तत्वों से युक्त हो जाती है। इन सूर्यतापित वस्तुओं के उचित भीतरी और बाहरी प्रयोग से मनुष्य के शरीर में रंगों का संतुलन कायम रखा जा सकता है और अनेक प्रकार के रोगों को सहज ही दूर किया जा सकता है। यही सूर्य किरण चिकित्सा है। सूर्य की किरणों में सर्वरोगनाशक अद्भुत शक्ति है, यह बात हमारे ऋषि-मनीषी हजारों साल पहले अच्छी तरह जानते थे, परन्तु आधुनिक युग में सूर्य किरण चिकित्सा और रंग-चिकित्सा का अनुसंधान और विकास कार्य विदेशों में हुआ। अब सूर्य-किरण-चिकित्सा भारत में भी निरंतर लोकप्रिय होती जा रही है।

## मुंबई में चांदी की कीमत 2 लाख पार

**चांदी के एडवांस सौदे बंद, सोना गिरवी रखकर चांदी खरीद रहे**

**मुंबई** धनतेरस और दीपावली के पहले चांदी की कीमतों में बेतहाशा तेजी देखने को मिल रही है।चांदी बाजार में तहलका मच गया है। चांदी की आपूर्ति कम होने और मांग ज्यादा होने से मनमाने दामों पर चांदी बिक रही है। वायदा बाजार की तुलना में वायदा बाजार की चांदी ₹30000 किलो महंगी बिक रही है। जिस तरह से रेट बढ़ते चले जा रहे हैं। उसके बाद एडवांस बुकिंग बंद हो गई है। मुंबई के ज्वेलरी बाजार की हालत इन दोनों चांदी की तेजी के कारण देखने लायक है। ज्वेलर्स ने चांदी का आर्डर लेना बंद कर दिया है। 2 लाख रुपये किलो से ज्यादा दाम पर खरीददार चांदी खरीद रहे हैं।इसको देखते हुए यह कहा जा सकता है, चांदी का अब कोई रेट नहीं रह गया है। जो विक्रेता कीमत मांगता है,उसे वह कीमत मिल जाती है।मुंबई के सर्राफा बाजार में चांदी बिक रही है। वैश्विक बाजार में चांदी की कीमत 53 डॉलर प्रति औन्स है। जबकि मुंबई में चांदी ₹200000 प्रति किलो से ऊपर में बिकने लगी है। जयपुर में भी चांदी के सिक्के की कीमत ₹2000 के ऊपर हो गई है। पिछले साल यह ₹1100 कीमत पर चांदी का सिक्का बिक रहा था। उस हिसाब से चांदी की कीमत पिछले साल की तुलना में डबल हो गई है। हर बाजार में अलग-अलग दाम, मध्य प्रदेश के भोपाल में चांदी की कीमत 1,86,000 प्रति किलो है। अन्य राज्यों में भी 180000 से लेकर 2 लाख 20 हजार तक चांदी प्रति किलो बिक रही है। चांदी का उत्पादन और आपूर्ति मांग की तुलना में बहुत कम होने से चांदी के दाम निरंतर बढ़ते चले जा रहे हैं। सोने और चांदी को लेकर आम आदमी अपना निवेश बैंकों से निकालकर सोने- चांदी में निवेश कर रहा है। सोने की मांग दुनिया के सभी फेडरल बैंकों से बनी हुई है। आम आदमी भी सोने और चांदी पर अपना निवेश बढ़ा रहा है। जिसके कारण सोने और चांदी के दामों में एक तरह से आग लगी हुई है।सोना गिरवी रख, चांदी खरीदी,अब तो लोग सोना गिरवी रखकर चांदी खरीद रहे हैं। चांदी में जिस तरह से तेजी देखने को मिल रही है। उसने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है।एक ब्रोकरेज फॉर्म ने दावा किया है, 2027 तक चांदी के दाम 75 से 77 डॉलर प्रति ओन्स तक पहुंच सकते हैं। भारतीय मुद्रा में चांदी के दाम लगभग 2,45,000 प्रति किलो पर पहुंचने की धारणा व्यक्त की जा रही है। जिसके कारण भारत में सोने एवं चांदी के दामों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। वर्तमान स्थिति में कोई भी गुणा भाग और कोई विशेषज्ञता काम नहीं आ रही है।

## जनवरी से अगस्त के बीच चाय का निर्यात 2.2 प्रतिशत बढ़ा

**कोलकाता** देश से चाय का निर्यात जनवरी से अगस्त के बीच 2.2 प्रतिशत बढ़कर 17.44 करोड़ किलोग्राम हो गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 17.06 करोड़ किलो रहा था। चाय बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 11.31 करोड़ किलो रहा, जबकि पिछली साल इसी अवधि में यह 9.91 करोड़ किलो था। दक्षिण भारत से 2025 के पहले आठ महीनों के दौरान निर्यात की मात्रा 6.128 करोड़ किलो रही जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 7.14 करोड़ किलोग्राम थी। जनवरी से अगस्त 2025 के दौरान निर्यात का मूल्य 5143.56 करोड़ रुपये रहा जो 2024 की इसी पिछली अवधि में 4461.95 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 में चाय का निर्यात 25.78 करोड़ किलोग्राम रहा था।

## पावर मेक प्रोजेक्ट्स को मिला बीएचईएल से 2,500 करोड़ का ठेका

**नई दिल्ली** बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी पावर मेक प्रोजेक्ट्स को सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) से 2,500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने कहा कि यह ठेका 1X800 मेगावाट सिंगरेनी थर्मल संयंत्र में इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) आधार पर संयंत्र पैकेज के संतुलन के निष्पादन के लिए है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह परियोजना हमारी मजबूत ऑर्डर बुक को और मजबूत करेगी। साथ ही हमारी रणनीतिक विकास दृष्टि के अनुरूप इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण में कंपनी की मुख्य क्षमताओं को सुदृढ़ करेगी।

# ट्रंप के टैरिफ से भारत का अमेरिकी निर्यात 12 फीसदी लुढ़का, चीन-यूएई से बढ़त

## व्यापार घाटा एक साल में सबसे ज्यादा, सोना-खाद का आयात तेज

**नई दिल्ली**

सितंबर में अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ का असर भारत के निर्यात पर दिखने लगा है।अमेरिका को भारतीय सामान का निर्यात 12 फीसदी घट गया है।

यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू हुए थे, जिसका व्यापक असर अक्टूबर में और अधिक दिखाई दे सकता है। हालांकि चीन और यूएई को निर्यात बढ़ने से कुल निर्यात 6.74 फीसदी बढ़कर 36.38 अरब डॉलर हो गया है, जो पिछले वर्ष इसी समय 34.08 अरब डॉलर था।

एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएई को निर्यात 24.33 फीसदी और चीन को 34.18 फीसदी बढ़ा है परंतु इन दोनों देशों से आयात में भी तेजी आई है। चीन से 32.83 फीसदी और यूएई से 16.35 फीसदी आयात बढ़ा है। कुल व्यापार घाटा बढ़कर 31.15 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल में सबसे अधिक है। सोने का आयात दोगुना होकर 9.6 अरब डॉलर पहुंच गया है जबकि खाद का आयात 202 फीसदी बढ़कर 2.3 अरब डॉलर हो गया। पेट्रोलियम आयात में 5.85 फीसदी की गिरावट हुई है। अमेरिका से कच्चा तेल आयात भी घटकर 12-13 अरब डॉलर रह गया है, जो पहले 25 अरब डॉलर था। सर्विस एक्सपोर्ट 5 फीसदी गिरकर 30.82 अरब डॉलर रहा। कपड़ा, जूट, कालीन और हस्तशिल्प निर्यात में 5-13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। कपड़ा, जूट, कालीन और हस्तशिल्प निर्यात में 5-13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

कपड़ा उद्योग से जुड़े 85 फीसदी व्यापारियों का माल अटका है और उन्हें भारी छूट देकर बेचना पड़ रहा है।

## सार्वजनिक बैंकों का बड़ा मर्जर, 2026 तक बन सकती है नई बैंकिंग तस्वीर



**नई दिल्ली** भारत में एक और बैंकिंग क्रांति की तैयारी हो रही है। सरकार 2026-27 तक चार छोटे सार्वजनिक बैंकों इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी), सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई), बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) और बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) को तीन बड़े बैंकों स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) में मिलाने की योजना बना रही है। इस मेगा मर्जर का उद्देश्य सरकारी बैंकों की संख्या घटाकर उन्हें मजबूत, दक्ष और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। फिलहाल यह योजना प्रारंभिक चरण में है और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया नामक रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इससे पहले भी 2017-2020 में ऐसे मर्जर से बैंकों को मजबूती मिली थी। फिनटेक और निजी बैंकों से मिल रही चुनौती के चलते सरकार अब सार्वजनिक बैंकों को तकनीकी रूप से और सक्षम बनाना चाहती है।

## अमेरिका में गौतम अदाणी केस पर लगी रोक

**अमेरिकी शटडाउन के चलते सेक की कार्रवाई रुकी**

**नई दिल्ली** अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (सेक) ने अदाणी ग्रुप चेयरमैन गौतम अदाणी पर लगाए गए धोखाधड़ी के आरोपों वाला मुकदमा अमेरिकी संघीय सरकार के शटडाउन के कारण अस्थायी रूप से रोक दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अदाणी को नवंबर 2024 में ब्रुकलिन के अभियोजकों ने 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत स्कीम और धोखाधड़ी में शामिल होने के आरोप में अभियुक्त बनाया था। सेक ने एक सिविल केस दायर कर आरोप लगाया है कि गौतम और सागर अदाणी ने अमेरिकी प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन करते हुए निवेशकों को भ्रामक जानकारी दी। 10 अक्टूबर की दाखिल रिपोर्ट में सेक ने कहा कि उनका वकील सरकारी फर्लो पर है, इसलिए वह इस केस पर काम नहीं कर पा रहा। यूएस मजिस्ट्रेट जज ने सेक के अनुरोध को स्वीकार करते हुए निर्देश दिया कि शटडाउन समाप्त होने के 30 दिनों के भीतर सरकार एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे। ध्यान देने वाली बात है कि आपराधिक कार्यवाही शटडाउन से प्रभावित नहीं हुई है, हालांकि अभी तक किसी भी आरोपी ने अदालत में उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि अदाणी और उनके सहयोगियों ने 2021 में भारतीय अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने की योजना बनाई थी ताकि सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल किए जा सकें। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी निवेशकों से 175 मिलियन डॉलर जुटाए, जबकि कथित कदाचार की जानकारी छिपाई गई। रिक्रूटरों ने गौतम और सागर अदाणी समेत कुल आठ लोगों पर अमेरिकी विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम का उल्लंघन करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। सेक के लिए भारतीय अभियुक्तों को कानूनी समन भेजने के लिए भारत के विधि और न्याय मंत्रालय के साथ सहयोग आवश्यक है, जो हेग सर्विस कन्वेंशन के अंतर्गत होता है।

# शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

## सेंसेक्स 862, निफ्टी 261 अंक ऊपर आया

**मुंबई**

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग व दिग्गज कंपनियों के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 862.23 अंक बढ़कर 83,467.66 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 261.75 अंक ऊपर आकर 25,585.30 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंकिंग इंडेक्स 622.65 अंक की मजबूती के साथ 57,422.55 पर था। वहीं निफ्टी ऑटो इंडेक्स 0.37 फिसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.14 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 2.02 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.90 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.42 फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.83 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी रही। । निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 271.15 अंक बढ़कर 59,241.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 43.80 अंक ऊपर आकर 18,131.85 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में इटरनल और इन्फोसिस के शेयर गिरे हैं। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, एचसीएल टेक, एलएंडटी और मारुति सुजुकी के शेयर उछले हैं।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 407.67 अंक उछलकर 83,013.10 अंक पर और एनएसई निफ्टी 104 अंक की बढ़त के साथ 25,427.55 अंक पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट लाभ में जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा जबकि अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.76 फीसदी की बढ़त के साथ 62.38 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।



शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 68.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 4,650.08 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

# खाद्य तेल आयात सितंबर में 51 फीसदी उछला, रिफाइंड तेलों का आयात घटा

**नई दिल्ली**

कच्चे पामतेल (सीपीओ) की खेप बढ़ने से भारत का वनस्पति तेल आयात सितंबर में 16.39 लाख टन तक पहुंच गया, जो पिछले साल की अपेक्षा 51 फीसदी अधिक है।

वहीं रिफाइंड तेल का आयात वर्ष 2021 के बाद पहली बार शून्य देखा गया। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए के मुताबिक सितंबर 2023 में खाद्य और अखाद्य तेलों सहित कुल आयात 10.87 लाख टन था। रिफाइंड तेल का आयात घटने का कारण सरकार द्वारा कच्चे पाम तेल और रिफाइंड आरबीडी पामोलिन के बीच आयात शुल्क अंतर 8.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 19.25 प्रतिशत कर देना है, जो 31 मई से प्रभावी है। एसईए ने इसे सरकार का साहसिक और समयोचित कदम बताया। इस बदलाव से मांग कच्चे तेल की ओर मुड़ गई, जिससे घरेलू रिफाइनिंग क्षेत्र को नई जान मिली। सितंबर में रिफाइंड आरबीडी पामोलिन का आयात शून्य रहा, जबकि पिछले साल सितंबर में यह 84,279 टन था। सालाना आंकड़ों के अनुसार, भारत ने इस महीने 16.04 लाख टन खाद्य तेल और 35,100 टन अखाद्य तेल का आयात किया।

कच्चे पाम तेल का आयात पिछले साल के 4.32 लाख टन से बढ़कर 8.24 लाख टन हो गया, कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात 1.52 लाख टन से बढ़कर 2.72 लाख टन रहा, जबकि कच्चे सोयाबीन तेल का आयात 3.84 लाख टन से बढ़कर 5.03 लाख टन हुआ।

वहीं, कच्चे पाम कर्नेल तेल का आयात घटकर 4,255 टन रह गया। भारत, दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक, मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया से पाम तेल, अर्जेंटीना, ब्राजील और रूस से सोयाबीन तेल और रूस व यूक्रेन से सूरजमुखी तेल प्राप्त करता है।

## ताइवान की चिप विनिर्माता कंपनी टीएसएमसी का मुनाफा 40 प्रतिशत बढ़ा

**हांगकांग** ताइवान की अग्रणी कंप्यूटर चिप विनिर्माता कंपनी टीएसएमसी का मुनाफा जुलाई-सितंबर तिमाही में करीब 40 प्रतिशत बढ़ गया। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर विनिर्माता कंपनी है। जुलाई-सितंबर तिमाही में इसने रिकॉर्ड 452.3 अरब नए ताइवान डॉलर (15 अरब डॉलर) का मुनाफा दर्ज किया, जो विश्लेषकों के अनुमान से कहीं अधिक है। कंपनी ने पहले कहा था कि पिछली तिमाही में उसका राजस्व सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़ा है। टीएसएमसी चीन-अमेरिका व्यापार तनाव से उत्पन्न जोखिमों से बचाव के लिए अमेरिका और जापान में चिप विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। यह चिप विनिर्माता कंपनी एप्पल एवं एनवीडिया जैसी कंपनियों के लिए एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। कंपनी ने अमेरिका में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इसमें एरिजोना में नए कारखाने बनाना भी शामिल है। इसके अलावा कंपनी ने पहले 65 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है।

# एफएसएसएआई का सख्त निर्देश......किसी भी खाद्य उत्पाद ओआरएस शब्द का प्रयोग पूरी तरह बंद

**नई दिल्ली**

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खाद्य आयुक्तों को नया निर्देश जारी किया है, नए आदेश में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी खाद्य उत्पाद (चाहे वह फ्रूट-बेस्ड, नॉन-कार्बोनेटेड या रेडी-टू-ड्रिंक बेवरेज हो) के नाम या ब्रांड में ओआरएस शब्द का प्रयोग अब पूरी तरह बंद रहेगा। एफएसएसएआई ने कहा कि यह आदेश पहले के दो आदेशों (14 जुलाई 2022 और 2 फरवरी 2024) को सुपरसिड करता है, यानी अब वे आदेश रद्द माने जाएंगे।

पहले आदेशों के तहत कुछ कंपनियों को ब्रांड नाम में ओआरएस शब्द का उपयोग करने की अनुमति थी, बशर्ते वे अपने लेबल पर यह चेतावनी दें कि यह उत्पाद डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित ओआरएस फॉर्मूला नहीं है। लेकिन अब एफएसएसएआई ने साफ कर दिया है कि किसी भी खाद्य उत्पाद के नाम, ब्रांड या लेबल पर ओआरएस शब्द का उपयोग (चाहे वह किसी प्रिफिक्स या सफिक्स के साथ ही क्यों न हो) खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 और उसके अंतर्गत बने नियमों का उल्लंघन है।

एफएसएसएआई ने कहा कि इस तरह के नाम या लेबल उपभोक्ताओं को भ्रामक, भेदक और गलत जानकारी देते हैं। इसतरह के उत्पाद धारा 23 और 24, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, उप-विनियमन 4(3) और 5(1), खाद्य सुरक्षा और मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020, उप-विनियमन 4(1) और 4(13), खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम 2018 धाराओं का उल्लंघन करते हैं। इन प्रावधानों के उल्लंघन पर उत्पाद को मिसब्रांडेड और मिसलीडिंग माना जाएगा, जिसके लिए धारा 52 और 53 के तहत सजा और जुर्माना का प्रावधान है।

# भारतीय शेयर बाजारों में फिर लौटे विदेशी निवेशक

**मुंबई**

भारतीय शेयर बाजारों में महीनों की बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों का भरोसा फिर से बढ़ा है।

एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 7 से 14 अक्टूबर के बीच, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पिछले सात कारोबारी सत्रों में से पांच में शुद्ध खरीदार रहे और उन्होंने सेकेंडरी मार्केट में 3,000 करोड़ रुपए से अधिक के शेयर खरीदे। आंकड़ों के अनुसार, प्राइमरी मार्केट में उनकी खरीदारी और अधिक रही और यह 7,600 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई। डेटा से पता चलता है कि एफआईआई ने 15 अक्टूबर को अपनी खरीदारी का सिलसिला जारी रखा और 162 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

अक्टूबर की शुरुआत से, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में करीब 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बीएसई मिडकैप सूचकांक 3.4 और स्मॉलकैप सूचकांक 1.7 प्रतिशत बढ़ा है।

कुछ विश्लेषक इस घटनाक्रम को अल्पकालिक उछाल के रूप में देखते हैं, जबकि अन्य का मानना है कि यह कॉर्पोरेट आय की बेहतर संभावनाओं और भारत में स्थिर आर्थिक स्थितियों को दिखाता है। यह बदलाव इस वर्ष की शुरुआत में देखी गई भारी निकासी के बिल्कुल उलट है। इस वर्ष जनवरी से सितंबर तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सेकेंडरी मार्केट में 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के शेयर बिक्री किए। यह तब हुआ जब भारतीय रिजर्व बैंक और मोदी सरकार ने विकास को समर्थन देने के लिए कई कदम उठाए, जिसमें विशेष रूप से जीएसटी रेट कट, जून में रेपो दर में भारी कमी और एसएंडपी द्वारा भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में सुधार शामिल है। उस दौरान, भारतीय बाजार वैश्विक प्रतिस्पर्धियों से पिछड़ गए। वर्तमान में बढ़ते अमेरिका-चीन तनाव के बीच भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की उम्मीदों से माहौल सुधर रहा है।

## भारत में ई20 फ्यूल को बढ़ावा देने की मुहिम बनी नई चुनौती

**नई दिल्ली**

पिछले दो महीनों में पेट्रोल वाहनों के मेंटेनेंस खर्च दोगुना हो गया है। भारत में ई20 फ्यूल को बढ़ावा देने की मुहिम अब कार मालिकों और बीमा कंपनियों के लिए नई चुनौती बनती जा रही है। यह खर्च अगस्त में 28प्रतिशत था, जो अक्टूबर में बढ़कर 52प्रतिशत तक पहुंच गया।

यह जानकारी लोकल सर्कल्स के एक सर्वे में सामने आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले से ही महंगे पेट्रोल दामों से परेशान ग्राहकों पर इन बढ़े हुए खर्चों ने आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है। सर्वे में कई वाहन मालिकों ने कहा कि अगर ई20 फ्यूल को ऑप्शनल रखा जाए और इसकी कीमत 20प्रतिशत कम की जाए, तो वे इसका समर्थन करेंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि यह भावना पर्यावरण विरोधी नहीं है, बल्कि वाहन मालिकों पर अचानक थोपे गए बदलाव के कारण उत्पन्न हुई है। बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि ई20 फ्यूल के कारण होने वाले नुकसान अक्सर मोटर इंश्योरेंस पॉलिसी में कवर नहीं होते। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगर किसी वाहन को ई20 फ्यूल से नुकसान हुआ, तो इसे रासायनिक जंग या मैकेनिकल घिसावट माना जाता है, न कि दुर्घटना।

ऐसे मामलों में बीमा कवरेज आमतौर पर लागू नहीं होता। हालांकि, अगर इंजेक्टर खराब होने से इंजन में आग लगती है, तो यह विवाद का मामला बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीमा पॉलिसी में बदलाव की आवश्यकता है, ताकि इथेनॉल से जुड़े नुकसान और अपवादों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जा सके।

ऐसा न होने पर भविष्य में यह विवादों का कारण बन सकता है कि कौन-सा नुकसान बीमा में कवर होगा और कौन-सा नहीं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि ई20 फ्यूल पर आ रही शिकायतें गलत जानकारी पर आधारित हैं। सरकार का दावा है कि ई20-कंपैटिबल वाहन 2023 से ही उपलब्ध हैं और इथेनॉल कार्यक्रम भारत के स्वच्छ ईंधन, कम आयात, और किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को आगे बढ़ाता है।

## भारत में लांच होगी डुअल-स्पोर्ट बाइक डब्ल्यूआर 55 आर



**बेंगलुरु**

भारतीय सड़कों पर यामाहा मोटर इंडिया अपनी बहुप्रतीक्षित डुअल-स्पोर्ट बाइक डब्ल्यूआर 55 आर को जल्द उतारने की तैयारी में है। उम्मीद है कि यह यामाहा के 11 नवंबर 2025 को होने वाले इवेंट से ठीक पहले का प्रमोशनल शूट हो सकता है। हाल ही में बेंगलुरु में इस बाइक के स्पाई शॉट्स सामने आए हैं, जिनमें यह बिना किसी कवर के दिखाई दी।

इस इवेंट में कंपनी अपनी रेट्रो-स्टाइल बाइक एक्सएसआर-155 को भी पेश कर सकती है। स्पाई तस्वीरों में डब्ल्यूआर 55 आर रेसिंग ब्लू कलर में नजर आई, जो यामाहा की सिग्नेचर स्कीम है। इसका लुक इंटरनेशनल मॉडल जैसा ही है लंबा ग्राउंड क्लियरेंस, ऊंचा स्टांस और रग्ड डिजाइन इसे एडवेंचर लवर्स के लिए आकर्षक बनाते हैं।

बाइक में 21-इंच फ्रंट और 18-इंच रियर व्हील्स के साथ नॉबी डुअल-पर्पज टायर दिए गए हैं, जो ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर बेहतरीन पकड़ सुनिश्चित करते हैं। इसमें 155सीसी लिक्विड-कूल्ड, 4-वॉल्व इंजन है जो वीवीए तकनीक से लैस है। यही इंजन यामाहा आर15 और एमटी-15 में भी इस्तेमाल किया गया है। यह करीब 16.7 पीएस पावर और 14.3 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। बाइक में 6-स्पीड गियरबॉक्स और दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। इसका वजन करीब 134 किलोग्राम है, जिससे यह हल्की और नियंत्रित राइडिंग के लिए उपयुक्त बनती है।

डब्ल्यूआर 55 आर में फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इलेक्ट्रिक स्टार्ट और 8.1 लीटर का फ्यूल टैंक है। भारत में लॉन्च के बाद इसका मुकाबला हीरो एक्सपल्स 200 और कावासाकी केएलएक्स 230 से होगा।

# गरीबी है मानवता के भाल पर बड़ा कलंक

ललित गर्ग

**आज दुनिया में लगभग सत्तर करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक अत्यंत गरीबी का अंत किया जाए, परंतु यह लक्ष्य अभी भी दूर प्रतीत होता है। युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमान आर्थिक नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि और बेरोजगारी ने गरीबी को नया रूप दिया है। अब गरीबी केवल रोटी की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता और सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक बन चुकी है।**

विश्व समुदाय हर वर्ष 17 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि मानवता के समक्ष खड़ी सबसे बड़ी चुनौती पर मंथन का अवसर है। सभ्यता के विकास, तकनीकी प्रगति, आर्थिक विस्तार और वैश्विक व्यापार के बावजूद आज भी करोड़ों लोग रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं। गरीबी एक आर्थिक स्थिति मात्र नहीं है, यह मनुष्य की गरिमा पर सबसे बड़ा आघात है-यह उसके सपनों, आत्मविश्वास और अस्तित्व को कुचलने वाला सामाजिक अभिशाप है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में गरीबी को खत्म करने के प्रयासों और संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस दिन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों के संघर्ष को स्वीकार करना और गरीबी के विभिन्न आयामों, जैसे कि आय की कमी, स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुंच की कमी आदि को संबोधित करना है। 2025 की थीम 'परिवारों के लिए सम्मान और प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करके सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना' है। इस दिवस का उद्देश्य गरीबी और इसके कारणों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, तथा गरीबी से जूझ रहे लोगों की समस्याओं को उजागर करना है।

आज दुनिया में लगभग सत्तर करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक अत्यंत गरीबी का अंत किया जाए, परंतु यह लक्ष्य अभी भी दूर प्रतीत होता है। युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमान आर्थिक नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि और बेरोजगारी ने गरीबी को नया रूप दिया है। अब गरीबी केवल रोटी की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता और सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक बन चुकी है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन कहते हैं-'गरीबी केवल आय का प्रश्न नहीं है, यह स्वतंत्रता की कमी है।' अर्थात जब किसी व्यक्ति के पास अपने जीवन को अपनी इच्छा के अनुसार ढालने के अवसर नहीं होते, तभी वास्तविक गरीबी जन्म लेती है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में गरीबी घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के अनुसार, 2013-14 में जहाँ देश की 29 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीबी में थी, वहीं 2019-21 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गई। परंतु यह सफलता पूर्ण नहीं कही जा सकती, क्योंकि गरीबी का असर ग्रामीण इलाकों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर अभी भी अधिक है। गरीबी का सबसे बड़ा प्रभाव शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता है-जहाँ गरीब बच्चे स्कूल छोड़ने पर मजबूर होते हैं, वहीं परिवार बीमारी का खर्च नहीं उठा पाते। यह चक्र दर चक्र उन्हें फिर गरीबी में धकेल देता है।



आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी उन्मूलन के लिये उल्लेखनीय एवं सफलतम उपक्रम किये हैं, उन्होंने गरीबी को राष्ट्र निर्माण की केंद्र बिंदु नीति के रूप में प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में सरकार ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई को केवल कल्याण योजनाओं तक सीमित न रखकर आत्मनिर्भरता के आंदोलन में बदल दिया। जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी ने गरीबों को औपचारिक बैंकिंग से जोड़ा, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से करोड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों के सिर पर छत का सपना साकार किया और अब तक चार करोड़ से अधिक घरों का निर्माण हुआ है। उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्त जीवन दिया और यह योजना केवल गैस सिलेंडर नहीं, बल्कि समानता और सम्मान का प्रतीक बनी। आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने महामारी के कठिन दौर में गरीबों को सुरक्षा कवच दिया, वहीं आत्मनिर्भर भारत अभियान ने गरीबी उन्मूलन का दीर्घकालिक रास्ता रोजगार, कौशल और स्वाभिमान के माध्यम से खोला। प्रधानमंत्री का यह कथन इस दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है-'गरीबी को खत्म करने के लिए सरकार नहीं, समाज को भी संवेदनशील बनना होगा। जब हर गरीब का सपना हमारा सपना बनेगा, तभी समृद्ध भारत बनेगा।'

गरीबी केवल सरकारी योजनाओं से नहीं मिटेगी; इसके लिए एक व्यापक मानव-केंद्रित सोच की आवश्यकता है। शिक्षा को अधिकार नहीं, अवसर बनाना होगा, हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण मिलना चाहिए। समान आर्थिक अवसरों की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई घटे। पूंजी का उद्देश्य केवल मुनाफा नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण भी होना चाहिए। साथ ही, महात्मा गांधी के शब्दों में, 'गरीबी सबसे बड़ी हिंसा है'-यह भावना हमारे सामाजिक चरित्र में उतरनी चाहिए। जब तक समाज करुणा और साझेदारी की भावना नहीं अपनाएगा, तब तक गरीबी का अंत संभव नहीं। भारत आज गरीबी उन्मूलन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है-जहाँ विकास का अर्थ केवल जीडीपी नहीं, बल्कि गरीब का उत्थान है। यह संदेश दुनिया के लिए भी प्रेरणा है कि यदि सबसे बड़ा लोकतंत्र करोड़ों लोगों को गरीबी से ऊपर उठा सकता है, गरीब मुक्त भारत के सपने को आकार दे सकता है तो वैश्विक समुदाय भी एकजुट होकर यह कर सकता है। गरीबी केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, यह मानवता की परीक्षा है। जब तक दुनिया के किसी कोने में कोई व्यक्ति भूखा सोएगा, तब तक सभ्यता का विकास अधूरा रहेगा। अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि 'सच्ची प्रगति वही है, जिसमें समाज के सबसे आखिरी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान हो।' आज आवश्यकता है एक वैश्विक संकल्प की-'गरीबी नहीं, समानता हमारा धर्म बने।' जब हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति इस दिशा में जिम्मेदारी निभाएगा, तभी वह दिन आएगा जब गरीबी इतिहास का विषय होगी, वर्तमान का नहीं।

गरीबी व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में अक्षम बनाता है। गरीबी के कारण व्यक्ति को जीवन में शक्तिहीनता और आजादी की कमी महसूस होती है। गरीबी उस स्थिति की तरह है, जो व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने में अक्षम बनाती है। गरीबी ऐसी त्रासदी एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति है जिसका कोई भी अनुभव नहीं करना चाहता। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि गरीबी कोई दैवीय अभिशाप नहीं है बल्कि यह मानवजाति द्वारा रचित सबसे बड़ी समस्या है। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। यहां प्रश्न है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा?

गांधी, विनोबा एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'अन्त्योदय' एवं 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया। जे. पी. ने जाति धर्म से राजनीति को बाहर निकालने के लिए 'संपूर्ण क्रांति' का नारा दिया। जो उनको दी गई श्रद्धांजलि के साथ ही समाप्त हो गया। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। स्थिति ने बल्कि नया मोड़ लिया है कि जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते हैं, वे सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। कैसे समतामूलक एवं संतुलित समाज का सुनहरा स्वप्न साकार होगा? कैसे मोदीजी का नया भारत निर्मित होगा?

## संपादकीय

### भारत एआई का गढ़

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का गढ़ बनने जा रहा है। यही आकलन करने के बाद गूगल ने आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में एआई का डाटा सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। यह डाटा केंद्र, अमरीका से बाहर, सबसे बड़ा केंद्र होगा। गूगल ने आगामी पांच सालों में 15 अरब डॉलर खर्च करने का ऐलान राजधानी दिल्ली में आयोजित एक मेगा इवेंट में किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आदि इस मेगा आयोजन में उपस्थित रहे। गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन ने खुलासा किया कि आज 14, 000 से अधिक भारतीय गूगल के साथ जुड़े हैं और गूगल की 5 एआई लैब्स पहले से ही भारत में सक्रिय हैं। विशाखापट्टनम का केंद्र गूगल के संपूर्ण एआई सिस्टम का हिस्सा होगा, जो भारत में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सॉल्यूशंस और एआई मॉडल्स को तेजी से स्केल करेगा। गूगल के थॉमस ने यह स्पष्ट घोषणा की कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई नवाचार का जेनरेटर बन रहा है। इ भारत में अदाणी समूह के साथ मिल कर यह एआई केंद्र बनाया जाएगा। गूगल का इतना बड़ा निर्णय भारतीय बाजार और भारत में एआई को ग्रहण करने की संभावनाओं की ताकत को सत्यापित करता है। भारत सरकार ने एआई मिशन के लिए 5 साल के दौरान 10, 300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की है। उसके तहत 38, 000 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) लगाई गई हैं। प्रौद्योगिकी और एआई पारिस्थितिकी तंत्र में करीब 60 लाख लोग कार्यरत हैं। इस साल प्रौद्योगिकी क्षेत्र का राजस्व 280 अरब डॉलर को पार कर सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था में 2035 तक एआई 1.7 ट्रिलियन डॉलर जोड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय डाटा कॉरपोरेशन के मुताबिक, भारत का एआई बाजार 2025 में करीब 8 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। दरअसल भारत विश्व में सबसे बड़ा ऐसा देश और समाज है, जो अभी से एआई के साथ परिवर्तन लाने को उत्साहित है। विशाखापट्टनम को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंध्रप्रदेश की राजधानी रहते हुए हैदराबाद को साइबर सिटी का विशेषण मिला था। तेलंगाना के गठन के बाद समीकरण बदले। अब हैदराबाद उसकी राजधानी है, लिहाजा आंध्र के विशाखापट्टनम को गूगल की विराट परियोजना के लिए चुना गया। यहां गूगल के विकास और बढ़ोतरी की अपार क्षमताएं हैं, क्योंकि रणनीतिक तौर पर यह क्षेत्र एआई की रीढ़ है।

## चिंतन-मनन

### भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे।

तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अतः कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे।

आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अर्जुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है। भले ही कोई लाखों वर्षों तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

# पराली जलाने की आग में झुलसता उत्तर भारत

डॉ. प्रियंका सौरभ

हर वर्ष जब धान की कटाई का मौसम आता है, तब पंजाब और हरियाणा के खेतों से उठने वाला धुआँ आसमान को धुंध से भर देता है। यह केवल खेतों की आग नहीं होती, बल्कि भारत की कृषि नीति, आर्थिक असमानता और पर्यावरणीय असंतुलन की जलती हुई तस्वीर होती है। दिल्ली तथा उसके आस-पास के क्षेत्र इस धुएँ से ढक जाते हैं और वायु गुणवत्ता अत्यंत गंभीर स्तर तक पहुँच जाती है। कानूनी रूप से पराली जलाना प्रतिबंधित है, फिर भी किसान इसे हर साल दोहराते हैं क्योंकि इसके पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक कारण जुड़े हैं।

पराली जलाने का मूल कारण खेतों में बचा हुआ धान का ठूंठ होता है। जब धान की फसल कट जाती है, तब खेत में रह गए अवशेष को हटाने के लिए किसानों के पास न समय होता है न साधन। पंजाब और हरियाणा की कृषि व्यवस्था मुख्य रूप से धान और गेहूँ पर आधारित है। सन 1960 के दशक की हरित क्रांति ने इन राज्यों को देश का अन्न भंडार तो बना दिया, परंतु कृषि को एकरूपी और जल-प्रधान भी बना दिया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सन 2009 में पंजाब में 'उप-जल संरक्षण अधिनियम' लागू किया गया, जिसके अंतर्गत धान की रोपाई जून के अंत तक करने का निर्देश दिया गया ताकि मानसूनी वर्षा का लाभ लिया जा सके। परिणामस्वरूप धान कटाई और गेहूँ की बुवाई के बीच केवल दस से बीस दिन का अंतर रह गया। इतने कम समय में किसान पराली को एकत्रित या सड़ाकर खेत तैयार नहीं कर सकते, इसलिए वे सबसे तेज और सस्ता उपाय-जलाना-चुन लेते हैं।

दूसरा बड़ा कारण आर्थिक है। पराली हटाने या निपटाने के लिए जो मशीनें चाहिए-जैसे सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली, हैप्पी सीडर, बेलर या रोटावेटर-वे अत्यंत महँगी हैं। छोटे और सीमांत किसान जिनकी जोत तीन हेक्टेयर से भी कम है, वे इन मशीनों को खरीदने या किराए पर लेने में असमर्थ हैं। उदाहरण के लिए, हैप्पी सीडर का किराया लगभग दो से तीन हजार रुपये प्रति एकड़ पड़ता है, जबकि पराली जलाने में केवल माचिस और थोड़े डीजल का खर्च आता है। यही व्यावहारिकता इस समस्या को गहराई तक जकड़े हुए है।

तीसरा कारण पराली का कम उपयोग मूल्य है। पंजाब और हरियाणा में बोई जाने वाली अधिकतर धान की किस्में साधारण होती हैं, जिनमें सिलिका की मात्रा अधिक होती है। ऐसी पराली पशु चारे के रूप में प्रयोग योग्य नहीं होती और न ही इससे जैव ईंधन या खाद आसानी से बनाई जा सकती है। पूर्वी भारत के राज्यों में धान की पराली पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग में आती है, परंतु पंजाब-हरियाणा में यह उपयोग सीमित है। इसीलिए वहाँ पराली किसानों के लिए किसी आर्थिक लाभ का साधन नहीं बन पाती।

चौथा कारण है श्रम की कमी और जोत का विखंडन। प्रवासी मजदूरों की संख्या घट रही है, और छोटे खेतों में मशीनरी लगाने की क्षमता नहीं है। समय की कमी और श्रमिकों के अभाव में किसान अगली फसल बोने की जल्दी में पराली को जला देते हैं।

सामाजिक दृष्टि से भी पराली जलाना वर्षों से एक स्वीकृत प्रक्रिया बन चुकी है। किसानों को यह लगता है कि खेत की सफाई का यही सबसे आसान और पारंपरिक तरीका है। कानूनों और जुर्मानों के बावजूद यह प्रथा इसलिए जारी है क्योंकि प्रवर्तन ढीला है और राजनीतिक दबावों के कारण प्रशासन कठोर कार्रवाई नहीं कर पाता। वर्ष 2023 में पंजाब में लगभग साठ हजार पराली जलाने की घटनाएँ दर्ज की गईं, जबकि जुर्माना और निगरानी दोनों व्यवस्था में थे।

अब प्रश्न यह है कि इस समस्या का स्थायी समाधान क्या हो सकता है?

स्पष्ट है कि केवल प्रतिबंध या दंड इस समस्या को समाप्त नहीं कर सकते। आवश्यक है कि ऐसी रणनीति अपनाई जाए जो किसान की आजीविका और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर चले।

पहला समाधान है फसल विविधीकरण। पंजाब और हरियाणा की भूमि लगातार धान-गेहूँ चक्र से थक चुकी है। जल स्तर भी नीचे जा रहा है। अतः मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इन फसलों के लिए यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य, बीमा सुरक्षा और निश्चित खरीद सुनिश्चित करे तो किसान धीरे-धीरे धान पर निर्भरता कम कर सकते हैं। हरियाणा की 'भावांतर भरपाई योजना' इस दिशा में एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें किसानों को मूल्य अंतर की भरपाई दी जाती है।

दूसरा समाधान है यंत्रीकरण और साझा संसाधन। किसानों को मशीनें साझा उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएँ। पंचायत या सहकारी समितियों के स्तर पर 'कस्टम हायरिंग केंद्र' स्थापित हों, जहाँ से किसान कम किराए पर हैप्पी सीडर या सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली जैसी मशीनें ले सकें। केंद्र सरकार की 'फसल अवशेष प्रबंधन योजना' के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा में एक लाख से अधिक मशीनें बाँटी गई हैं, पर इनकी पहुँच सभी किसानों तक नहीं हो पाई है। यदि हर गाँव में सामुदायिक यांत्रिक केंद्र बनें, तो किसान पराली जलाने से बचेंगे।

तीसरा उपाय है पराली का औद्योगिक उपयोग। पराली को कचरा न मानकर एक संसाधन के रूप में देखा जाए। इससे जैव ऊर्जा, एथेनॉल, कागज, पैकेजिंग और निर्माण सामग्री तैयार की जा सकती है। उदाहरण के लिए, भारतीय तेल निगम की पानीपत जैव रिफाइनरी प्रतिवर्ष लगभग दो लाख टन पराली से एथेनॉल बनाती है। यदि इस प्रकार की परियोजनाएँ हर जिले में स्थापित हों तो पराली किसानों के लिए आय का स्रोत बनेगी और जलाने की आवश्यकता कम होगी। सरकार को परिवहन सहायता, खरीद अनुबंध और स्थायी बाजार उपलब्ध कराने की नीति बनानी चाहिए।

चौथा कदम होना चाहिए कृषि-पर्यावरणीय समय निर्धारण। धान की छोटी अवधि वाली किस्में जैसे पी.आर.-126 या डी.आर.आर. धान-44 अपनाने से किसानों को फसल कटाई और बुवाई के बीच कुछ अतिरिक्त दिन मिल सकते हैं। इस समय का उपयोग पराली प्रबंधन में किया जा सकता है। इसके साथ-साथ परिशुद्ध कृषि यानी सटीक तकनीकी साधनों का प्रयोग, जल-सिंचाई प्रणाली में सुधार और जैविक खाद उपयोग से भी पर्यावरणीय लाभ मिलेगा।

पाँचवाँ, सामुदायिक प्रोत्साहन और जनजागरूकता। पराली न जलाने वाले किसानों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाए, गाँव स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित हो और 'शून्य दहन ग्राम' घोषित किए जाएँ। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में 'पूसा डीकंपोजर' नामक जैविक घोल के प्रयोग से पराली को खेत में ही खाद में बदला जा रहा है। यदि इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाए तो पराली जलाने की आवश्यकता नहीं बचेगी।

छठा, प्रशासनिक तालमेल और नीति-समन्वय। केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच सामंजस्य होना चाहिए ताकि कृषि, पर्यावरण और ऊर्जा विभाग एक साझा योजना के अंतर्गत काम करें। पराली प्रबंधन को ग्रामीण रोजगार योजना, जैव ऊर्जा मिशन और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमों से जोड़ा जा सकता है। उदाहरण के लिए, मनरेगा के अंतर्गत पराली एकत्रीकरण या जैव खाद इकाइयों में कार्य को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

सातवाँ, शहरी-ग्रामीण सहभागिता भी इस दिशा में उपयोगी होगी। दिल्ली जैसे महानगर जहाँ प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव होता है, उन्हें अपने सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के माध्यम से पंजाब-हरियाणा के किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। इससे प्रदूषण के स्रोत और पीड़ित क्षेत्र के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। इसके साथ-साथ तकनीकी निगरानी प्रणाली को भी सशक्त बनाना चाहिए।

# महाराष्ट्र और जम्मू कश्मीर के बाद बिहार- राहुल गांधी इंडिया गठबंधन को संभाल क्यों नहीं पा रहे हैं?

संतोष कुमार पाठक

2024 के लोकसभा चुनाव में सहयोगी दलों की मदद से कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लड़ने के लिए राहुल गांधी ने उस यूपीए के नाम को भी त्याग दिया जिसके बैनर तले कांग्रेस ने वर्ष 2004 से 2014 तक देश में राज किया था। लोकसभा चुनाव से पहले यूपीए की जगह पर राहुल गांधी ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर एक नया मोर्चा बनाया जिसे इंडिया गठबंधन का नाम दिया गया।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सहयोगी दलों के समर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री तो बन गए लेकिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार विपक्षी गठबंधन को इतनी ज्यादा सीटें दिलाने का श्रेय लेकर कांग्रेस ने राहुल गांधी को सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित करने का प्रयास किया। कुछ हद तक कांग्रेस को अपने इस अभियान में कामयाबी मिलती भी दिखाई दी। वोट चोरी का अभियान चला कर और बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल कर राहुल गांधी अपने आपको विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेता के तौर पर स्थापित करने में थोड़े बहुत कामयाब होते भी दिखाई दिए।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव से लेकर तमिलनाडु के वर्तमान मुख्यमंत्री एवं डीएमके सुप्रीमो स्टालिन तक से उनके व्यक्तिगत संबंध मजबूत होते नजर आए। जम्मू कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव जीतने में राहुल गांधी और नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला की व्यक्तिगत केमिस्ट्री का जबरदस्त योगदान माना जाता है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने तो खुलकर राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार तक बता दिया।

लेकिन इन सबके बावजूद अचानक देश की राजनीति तेजी से बदलती हुई नजर आने लगी है। जम्मू कश्मीर में राज्यसभा सीट और विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस आमने-सामने आ गए हैं। जम्मू कश्मीर से राज्यसभा सांसदों के लिए होने वाले चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने तीनों सेफ सीट पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं और कांग्रेस को जो चौथी सीट ऑफर की है, उसे जीतना बहुत मुश्किल है। कांग्रेस पहले से ही इसे लेकर अपने सहयोगी दल से नाराज चल रही है वहीं अब विधानसभा की जिन 2 सीटों पर उपचुनाव होना है, उसे लेकर भी मामला फंसता हुआ ही नजर आ रहा है। राज्य में विधानसभा की 2 सीटों- बडगाम और नगरोटा में 11 नवंबर को चुनाव होना है। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने उमर अब्दुल्ला की पार्टी पर गठबंधन के सिद्धांतों का अनादर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह राज्यसभा की एक सेफ सीट देने के अपने वादे से मुकर गई। कांग्रेस ने गठबंधन धर्म की याद दिलाते हुए सख्त शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि या तो नेशनल कांफ्रेंस उन्हें विधानसभा की एक सीट दे या फिर कांग्रेस दोनों ही सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार देगी।

महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव के समय से ही शुरू हुई खटास कम होने का नाम नहीं ले रही है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर और दुनिया भर में भेजे गए सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को लेकर एनसीपी और कांग्रेस के सुर अलग-अलग तो नजर आए ही। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के जेल जाने के बाद इस्तीफे की बाध्यता वाले बिल पर गठित की जाने वाली जेपीसी में शामिल नहीं होने को लेकर भी कांग्रेस इंडिया गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों को अपने साथ ला पाने में नाकामयाब होती नजर आ रही है।

वहीं बिहार का मामला तो राहुल गांधी के नेतृत्व की स्वीकार्यता को लेकर सबसे बड़ा झटका साबित होता हुआ नजर आ रहा है। एक तरफ आरजेडी है जिसके नेता तेजस्वी यादव ने खुल कर राहुल गांधी की प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का समर्थन कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी है जो लगातार पूछे जाने के बावजूद भी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं कर रहे हैं। जबकि राजनीतिक सच्चाई तो यही है कि बिहार में विपक्षी गठबंधन में आरजेडी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। कांग्रेस और आरजेडी में सीटों के बंटवारे को लेकर भी घमासान मचा हुआ है। सहयोगी दलों के साथ कांग्रेस की यह खींचतान और महत्वपूर्ण मौकों पर राहुल गांधी की गैरमौजूदगी उनके नेतृत्व पर ही सवालिया निशान लगाती नजर आती है। पता नहीं राहुल गांधी इस तथ्य को समझ पा रहे हैं या नहीं और इससे भी बड़ा सवाल यह कि आखिर राहुल गांधी को इस तरह की सलाह कौन देता है कि उन्हें दिल्ली में होने के बावजूद तेजस्वी यादव से मुलाकात नहीं करनी चाहिए। केसी वेणुगोपाल और तेजस्वी यादव की जगह पर अगर राहुल सीधे तेजस्वी के साथ बैठकर बात करते तो शायद मामला इतना उलझता नहीं।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

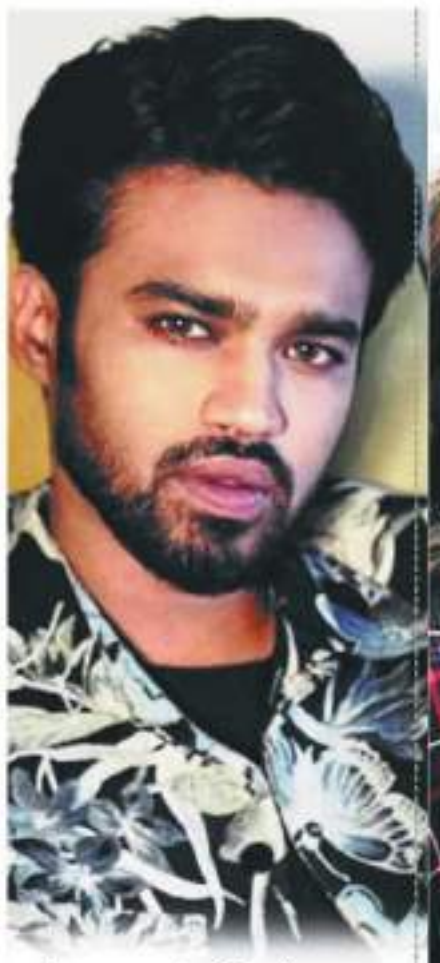

## मैं अपने डिप्रेशन से लड़ रहा था

बाबिल खान ने जब एक्टिंग करियर शुरू किया तो वह अपने संजीदा अभिनय के लिए जाने गए। लेकिन कुछ महीनों पहले उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह रोते हुए दिखे। इंडस्ट्री के कई लोगों को फेक बताते नजर आए। बाद में बाबिल की मां ने एक बयान जारी कर बताया कि वह मुश्किल दौर से जूझ रहे हैं। इस वीडियो के महीनों बाद अब बाबिल की एक सोशल मीडिया पोस्ट सामने आई है। जिसमें वह अपने डिप्रेशन प्रॉब्लम का जिक्र कर रहे हैं। यह पोस्ट देखकर कई बॉलीवुड सेलेब्स बाबिल को सपोर्ट करते भी दिखाई दिए।

अपनी पोस्ट में कविता कहने के अंदाज में लिखते हैं, 'मैं छुपकर सुनने का इरादा नहीं रखता था, इस कांच के घर की दीवारें पतली हैं। मैंने अपना दिल खोलकर रखा था। अब मेरे पास खून से सनी टी-शर्ट हैं। मुझे ठीक होने के लिए समय चाहिए था। मेरे भीतर के डिमन ने मुझे गहरे जख्म दिए हैं। नींद ना आना और घबराहट ने मुझे अजीब-अजीब चीजें सोचने पर मजबूर कर दिया था। मैं मदद के लिए पुकार रहा था, मैं अपनी आवाज को दबा नहीं पा रहा था। यह सबकुछ मेरी सेहत पर भारी पड़ रहा था। मेरी आत्मा थक चुकी थी। जब तुम अपनी प्रेमिका से लड़ रहे थे, तब मैं अपने अवसाद से लड़ रहा था।'

बाबिल खान की हालिया पोस्ट पर बॉलीवुड सेलेब्स भी रिएक्ट रहे हैं। अपारशक्ति खुराना ने 'भाई' लिखते हैं, हार्ट इमोजी बनाया है। वहीं विजय वर्मा ने लिखा, 'हम तुम्हारे साथ हैं बाबिल।' गुलशन देवेया ने लिखा, 'देखो, यहां कौन आया है?' टीवी एक्टर हिमांशु सोनी ने भी बाबिल की पोस्ट को लाइक किया है। फैंस ने भी बाबिल को अपना सपोर्ट दिया है। एक यूजर ने लिखा, 'चलो भाई हो गया जो होना था, अब फिल्में करो, कविता लिखो, अपनी आर्ट को बाहर निकालो। मूव ऑन करो, अपनी विरासत को आगे बढ़ाओ।' इस तरह के सपोर्टिंग कमेंटस कई फैंस बाबिल के लिए करते दिखाई दिए।

## न्यूयॉर्क से दिल्ली पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा; राजामौली की फिल्म की शूटिंग करेंगी

प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में कुछ फोटो पोस्ट कीं। वह न्यूयॉर्क से दिल्ली पहुंची हैं। दिल्ली की खूबसूरती ने प्रियंका दिल जीत लिया है। जल्द ही वह साउथ की एक मेगा बजट फिल्म का शूटिंग शेड्यूल पूरा करेंगी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'कभी लगता है कि मैं प्लेन में रहती हूं।' आगे वह दिल्ली पहुंचने की फोटो शेयर करती हैं। इसके बाद कार में बैठकर दिल्ली की खूबसूरत को अपने फोन के कैमरे में कैद करती हैं। साथ ही कैप्शन लिखती हैं, 'दिल्ली की खूबसूरती।' ऐसा लगता है कि भारत आकर प्रियंका का मन खुशी से फूला नहीं समा रहा है।

### राजामौली की फिल्म की शूटिंग करेंगी

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एस एस राजामौली की फिल्म 'SSMB29' का अगला शूटिंग शेड्यूल पूरा करेंगी। वह पहले भी इस फिल्म की शूटिंग के लिए भारत आ चुकी हैं। इस फिल्म में साउथ के पॉपुलर एक्टर महेश बाबू लीड रोल में हैं। फिल्म को बहुत बड़ा स्तर पर बनाया जा रहा है। शूटिंग को पूरी तरह से सीक्रेट रखा गया है।

### निक जोनस संग दिवाली पार्टी मनाकर आई

सोमवार को प्रियंका चोपड़ा दिल्ली पहुंची। लेकिन रविवार को वह न्यूयॉर्क में पति निक जोनस के साथ एक दिवाली पार्टी में भी नजर आई। दिवाली पार्टी में प्रियंका चोपड़ा का लुक काफी चर्चा में रहा। प्रियंका ने पिछले दिनों निक के लिए करवाचौथ का व्रत भी किया था। सेलिब्रेशन, वेकेशन से जुड़ी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

## पूजा हेगड़े का कौन सा सीक्रेट जानना चाहते हैं वरुण धवन? खास अंदाज में किया बर्थ डे विश

पूजा हेगड़े ने सोमवार को अपना 35वां जन्मदिन मनाया है। वरुण धवन ने अपनी इस को-एक्ट्रेस को एक दिन देर से बर्थ डे विश किया। लेकिन वरुण धवन ने अलग ढंग से पूजा को बर्थ डे विश किया है। एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में वरुण ने शेयर किया, उस पर एक खास सीक्रेट को सबसे साथ शेयर करने की रिक्वेस्ट पूजा हेगड़े से की।

अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर वरुण धवन लिखते हैं, 'हैप्पी बर्थ डे पूजा जी। प्लीज, अपने ब्यूटी सीक्रेट बताएं। दुनिया के लिए इतनी बुरी बनना बंद कर दें।' वरुण ने जो वीडियो पूजा का बनाया है, उसमें वह अपना स्किन केयर कर रही हैं। वह पूजा की मेकअप आर्टिस्ट से सीक्रेट ब्यूटी प्रोडक्ट के बारे पूछते हैं, तो वह बताने से इंकार कर देती हैं। इस इस फिल्म में नजर आएंगे पूजा और वरुण वरुण धवन और पूजा हेगड़े फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आएंगे। इस फिल्म में मौनी रॉय भी नजर आएंगी। फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा बता जा रही है। वरुण धवन की हाल ही में एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' भी रिलीज हुई, जो बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी है। इस फिल्म में वरुण के साथ जान्हवी कपूर नजर आई।

## बिहार पर बेस्ड होगी सोनू सूद की अगली फिल्म

गरीबों के मसीहा के रूप में लोकप्रिय अभिनेता सोनू सूद आज रविवार को बिहार की राजधानी पटना पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी आगामी फिल्म पर पत्ते खोले और कहा कि उनकी अगली फिल्म बिहार राज्य पर बेस्ड है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बिहार से उनका गहरा कनेक्शन है।

बातचीत में सोनू सूद ने कहा, अपनी मिट्टी से एक अलग ही लगाव है। वापस आया हू और आता ही रहूंगा। उन्होंने यह भी बताया कि वह बिहार पर एक फिल्म बना रहे हैं। एक्टर ने कहा ,इवेंट भी होने वाला है..स्टार्ट भी करने वाले हैं..पटना अपनी मिट्टी है और जो अगली फिल्म भी कर रहा हूं वो बिहार पर आधारित है।

सोनू सूद के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें जोधा अकबर, सिम्बा और फतेह जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। उन्होंने एक्शन थ्रिलर फिल्म फतेह से निर्देशन में कदम रखा। इस फिल्म में सोनू सूद के साथ नसीरुद्दीन शाह, जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और दिव्येंदु भट्टाचार्य भी नजर आए। अपने फिल्मी करियर के अलावा सोनू सूद अपने चैरिटी कार्यों के लिए जाने जाते हैं।

## कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी मौनी

पिछले साल मौनी ने कई प्लेटफॉर्म्स और फॉर्मैट्स में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से साबित किया कि वे किसी भी रोल में जान डाल सकती हैं। अब वे बिना किसी ब्रेक के एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट पर तेज़ी से कदम रख रही हैं।

उन्होंने 'द भूतनी' और 'सलाकार' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया और एक बार फिर एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी आने वाली फिल्मों का लाइनअप भी उतनी ही प्रभावशाली है – वह जल्द ही कॉन्टिलो पिक्चर्स की फिल्म 'महायोद्धा राम' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी, मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' में फिर से नज़र आएंगी, और वरुण धवन के साथ 'है जवानी तो इश्क होना है' में स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। हर प्रोजेक्ट में उनकी प्रतिभा का एक अलग पहलू दिखाई देता है, चाहे वो ड्रामा हो, वॉइस एक्टिंग हो या एनर्जेटिक डांस परफॉर्मेंस। लेकिन शायद मौनी के पहले से ही बिज़ी शेड्यूल का सबसे रोमांचक हिस्सा है उनका पहला टॉलीवुड डेब्यू – मेगास्टार चिरंजीवी के साथ फिल्म 'विश्वंभरा' में। यह कदम उन्हें न सिर्फ एक प्रतिभाशाली बल्कि एक भरोसेमंद स्टार के रूप में और मज़बूत करता है।

## वरुण धवन ने सच में छोड़ी नो एंट्री

### बोनी कपूर ने बताया सच

बॉलीवुड में बीते कुछ दिनों से चर्चा थी कि अभिनेता वरुण धवन ने फिल्म 'नो एंट्री 2' से किनारा कर लिया है। सोशल मीडिया पर खबरें फैलने लगीं कि वरुण अब इस मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन अब खुद फिल्म के निर्माता बोनी कपूर ने इन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ किया है कि वरुण धवन और अर्जुन कपूर दोनों ही फिल्म का हिस्सा बने हुए हैं और फिल्म की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

### अफवाहों पर बोनी कपूर की सफाई

हाल ही में मीडिया में आई खबरों में दावा किया गया था कि वरुण धवन ने 'नो एंट्री 2' छोड़ दी है, जिसके बाद प्रशंसकों में निराशा फैल गई। इसी बीच बोनी कपूर ने एक बयान जारी कर स्थिति साफ की। जूम के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, हम 'नो एंट्री में एंट्री' बना रहे हैं और वरुण और अर्जुन दोनों ही फिल्म में हैं। हम बस तीसरे हीरो और बाकी कास्ट को फाइनल करने की प्रक्रिया में हैं। इस बयान के साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म के मूल कलाकारों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और टीम फिलहाल बाकी कलाकारों के चयन में व्यस्त है।

### दिलजीत दोसांझ की एग्जिट से उठे सवाल

कुछ दिन पहले यह खबर भी सामने आई थी कि फिल्म से दिलजीत दोसांझ ने अपना नाम वापस ले लिया है। इस खबर के बाद ही लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया था कि शायद वरुण धवन ने भी फिल्म छोड़ दी हो। हालांकि बोनी कपूर ने इन सबको गलत साबित कर दिया।

## बॉक्स ऑफिस के नतीजों से परे हैं कोंकणा सेन शर्मा

अभिनेत्री और फिल्ममेकर कोंकणा सेन शर्मा इन दिनों अपने नए शो सर्च- द नैना मर्डर केस को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स डेनिश शो द किलिंग का भारतीय रूपांतरण है, जिसने इंटरनेशनल लेवल पर खूब सराहना पाई थी। इस हिंदी एडाप्टेशन का निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है। बातचीत में कोंकणा ने इस प्रोजेक्ट, अपने अनुभवों और निजी विचारों पर खुलकर बात की।

### बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बहुत बड़ी चुनौती निभाने जैसा

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किए जाने पर पहला रिएक्शन क्या था, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि वह बहुत उत्साहित थीं। एक्ट्रेस बोलीं- आप कोई भी ओरिजनल सीरीज तभी करना चाहेंगे जब उसका स्क्रिप्ट और कहानी वाकई में अच्छी हो, वरना क्या फायदा। यह बहुत पुराने और फेमस शो का अडॉप्टेशन है। मैंने इसका अमेरिकन वर्जन भी देखा है, जिसके बहुत सारे प्रशंसक हैं। उस शो की जो डिटेक्टिव है, उसके तो लाखों फॉलोअर हैं। मुझे लगा कि यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बहुत बड़ी चुनौती निभाने जैसा। मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही थी कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला।

कोंकणा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का सबसे अच्छा हिस्सा यह था कि इसे रोहन सिप्पी डायरेक्ट कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, रोहन के साथ मैंने बहुत साल पहले काम किया था। वह बहुत रिलैक्स्ड और क्रिएटिव डायरेक्टर हैं। वह वैसे निर्माता नहीं हैं जो दूरी बना लें, बल्कि कलाकारों के साथ बहुत सहयोगी रहते हैं। हमने पहले भी साथ में कई अजीबो-गरीब और मजेदार चीजें की हैं। इसलिए जब उन्होंने इस बार मुझे एक गहरी, सोचने वाली, मूडी डिटेक्टिव के रूप में कास्ट किया, तो मैं बहुत खुश हुई। मैंने पहले कभी पुलिस का किरदार नहीं निभाया था, इसलिए मेरे लिए यह बिल्कुल नया और रोमांचक अनुभव था।

### बॉक्स ऑफिस और बिज़नेस से कोई फर्क नहीं पड़ता

बॉक्स ऑफिस और बिज़नेस पहलू पर उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं ज्यादा रचनात्मक चीजों में दिलचस्पी रखती हूं। वैसे भी मैं बड़े बजट की फिल्मों में ज्यादा नहीं होती, तो पैसे या रिकवरी की चिंता नहीं रहती। मैं असल (हकीकत समझने वाली) अभिनेत्री हूं और बजट में फिट हो जाती हूं। वह हंसते हुए जोड़ती है, निर्माता जब मुझे लेते हैं, तो वे पहले ही अपना शोध कर चुके होते हैं। मैं उस हिस्से में दखल नहीं देती क्योंकि सच कहूं तो वह मेरा क्षेत्र नहीं है।

### रियल लाइफ में भी थोड़ा वैसा ही बर्ताव करने लगती हूं

शूटिंग के अनुभवों पर बात करते हुए कोंकणा ने बताया कि इस शो के दौरान उन्होंने अपने किरदार से बहुत कुछ सीखा। इस बारे में उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मुझमें और इस किरदार में कई समानताएं हैं। मैं जब भी कोई किरदार निभाती हूं, तो उसमें अपने अंदर से कुछ न कुछ खोज लेती हूं। शायद मैं नैचुरली ऐसी ही हूं और फिर रियल लाइफ में भी थोड़ा वैसा ही बर्ताव करने लगती हूं। वह हंसते हुए कहती हैं, इस सीरीज की खासियत ही इसका तनाव और कैमरे के सामने की बारीक केमिस्ट्री है। यही चीज़ ओरिजनल में भी बहुत खास थी। उन्होंने अपने सह-कलाकार सूर्या शर्मा की भी खूब तारीफ की। सूर्या के साथ काम करना बहुत प्यारा अनुभव था। वह न केवल बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।

### मेट्रो इन दिनों था आखिरी प्रोजेक्ट

कोंकणा सेन शर्मा आखिरी प्रोजेक्ट मेट्रो इन दिनों में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ पंकज त्रिपाठी, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली जफर, सान्या मल्होत्रा जैसे कलाकार मौजूद थे।

### कॉमेडी और क्राइम का मिश्रण मेरा पसंदीदा जॉनर है

कोंकणा कई अलग-अलग शैलियों में काम कर चुकी हैं जैसे ड्रामा, क्राइम, कॉमेडी और स्वतंत्र सिनेमा। जब उनसे पूछा गया कि बतौर दर्शक वह किस तरह की कहानियां देखना पसंद करती हैं, तो उन्होंने कहा, मेरा कोई तयशुदा जॉनर नहीं है। कोई भी फिल्म या शो अगर अच्छा बना हो, तो मैं देख सकती हूं। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि वह कॉमेडी है या क्राइम। हां, हॉरर या अलौकिक चीजों से मुझे थोड़ा डर लगता है। पैरानॉर्मल एक्टिविटी जैसी फिल्में मैं कभी-कभी देखने से बचती हूं। वरना मुझे कॉमेडी भी बहुत पसंद है और क्राइम भी। शायद मैं कहूं कि कॉमेडी और क्राइम का मिश्रण मेरा पसंदीदा जॉनर है।

# ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय में रोहित, विराट सहित इन खिलाड़ियों का खेलना तय




मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम अभी एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में है। भारतीय टीम को पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेलना है। इसके लिए भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की जगह तय मानी जा रही है। ये दोनों ही बल्लेबाज करीब छह महीने के बाद खेलते नजर आयेंगे।

पहले एकदिवसीय में पारी की शुरुआत रोहित और कप्तान शुभमन गिल करेंगे।

ऐसे में यशस्वी जायसवाल को पहले मैच में बाहर बैठना पड़ेगा। वहीं नंबर 3 पर विराट उतरेंगे। ऑस्ट्रेलिया में उछाल भरी पिचों को देखते हुए विराट से अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद है। विराट के एकदिवसीय रिकॉर्ड की बात करें तो उन्होंने 302 मैचों की 290 पारियों में 14181 रन बनाए हैं। वह केवल 54 रन बनाते ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच जाएंगे। अभी श्रीलंका के कुमार संगाकारा दूसरे नंबर पर है।

वहीं चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर उतरेंगे। श्रेयस भी चैंम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। विकेट कीपर के तौर पर केएल राहुल खेलेंगे। वह 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। छठे नंबर पर ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी उतरेंगे। वह डेथ ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। वहीं अगर शुरुआती विकेट जल्दी गिर गए तो संभलकर भी खेल सकते हैं। वह स्पिन और तेज गेंदबाजी को भी अच्छे से खेलते हैं। इसके अलावा वह मध्यम तेज गति के गेंदबाज हैं।

वहीं स्पिनर के तौर पर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को शामिल किया जाएगा।

तेज गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के पास रहेगी।

**संभावित अंतिम 11**

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा।

# ओलंपिक चैंपियन तैराक एरियन टिटमस ने संन्यास की घोषणा की

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता एरियन टिटमस ने तैराकी से संन्यास लेने की घोषणा कर खेल प्रेमियों को चौंका दिया है। 25 वर्षीय टिटमस ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद ब्रेक लिया था, लेकिन उम्मीद की जा रही थी कि वह 2028 में लॉस एंजेलिस ओलंपिक की तैयारी के लिए प्रतिस्पर्धी तैराकी में लौटेंगी।

टिटमस ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर कहा, %मुझे तैराकी शुरू से पसंद रही है। जब मैं छोटी थी, तब से यह मेरा जुनून रहा है। लेकिन अब मुझे लगता है कि मेरे जीवन में कुछ चीजें तैराकी से थोड़ी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई हैं, और मुझे इसे स्वीकार करना चाहिए।%

पेरिस ओलंपिक 2024 में टिटमस ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में अमेरिका की केटी लेडेकी और कनाडा की समर मैकिन्टोश को पीछे छोड़ते हुए नया विश्व रिकॉर्ड बनाकर अपना खिताब बरकरार रखा। इसके अलावा, उनके नाम पर 200 मीटर फ्रीस्टाइल का भी विश्व रिकॉर्ड दर्ज है।

टिटमस ने अपने करियर में 33 अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं, जिनमें ओलंपिक में 4 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य शामिल हैं, साथ ही उन्होंने चार विश्व खिताब भी अपने नाम किए हैं।

## अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना को क्रमशः एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर के लिए आईसीसी के महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अभिषेक ने इस दौरान सात मैच में 44.85 के औसत और 200 के शानदार स्ट्राइक-रेट से 314 रन बनाए।

एशिया कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट% चुने गए 25 वर्षीय इस खिलाड़ी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अब तक के अपने सर्वाधिक रेटिंग अंक भी हासिल किए। उन्होंने टीम के अपने साथी कुलदीप यादव और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट को पछाड़कर महीने के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का गौरव पाया।

अभिषेक ने कहा, 'आईसीसी का यह पुरस्कार जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है और मुझे खुशी है कि यह मुझे कुछ महत्वपूर्ण मैचों के लिए मिला है जिनमें मेरी मदद से जीत संभव हो सकी। मुझे उस टीम का हिस्सा होने पर फख्र है जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी जीत दिला सकती है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हमारा हालिया रिकॉर्ड हमारी बेहतरीन टीम संस्कृति और सकारात्मक सोच को दर्शाता है।'

वहीं मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया और तीन मैचों में 58, 117 और 125 रन बनाए। भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान ने इस दौरान चार एकदिवसीय मैचों में 77 के औसत और 135.68 के स्ट्राइक रेट से 308 रन बनाए।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारत के अभियान की तैयारी में जुटी मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक लगाया, जब उन्होंने तीसरे मैच में सिर्फ 50 गेंदों पर शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका की तजमीन ब्रिट्स और पाकिस्तान की सिदरा अमीन भी इस पुरस्कार की दौड़ में शामिल थीं। मंधाना ने कहा, 'इस तरह का सम्मान एक खिलाड़ी के रूप में आपको आगे बढ़ने और अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है। मेरा लक्ष्य हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर टीम के लिए मैच जीतना रहा है।'

# महिला विश्व कप क्रिकेट में आज दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका में होगी टक्कर

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में शुक्रवार को मेजबान श्रीलंकाई टीम का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। श्रीलंकाई टीम के पास इस मैच जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश करने का अवसर है। श्रीलंका को दो मैच रद्द होने के कारण अभी तक दो अंक ही मिले हैं और वह चार मैचों के बाद अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। ऐसे में उसके लिए ये मैच जीतना बेहद जरुरी है। इस मैच में बारिश बाधा बन सकती है अगर ऐसा हुआ तो श्रीलंकाई टीम के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना कठिन हो जाएगा।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच में बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया था पर बारिश के कारण उसके हाथ आया मैच निकल गया था। तब उस मैच में कप्तान चमारी अटापट्टू और नीलाक्षिका सिल्वा ने अर्धशतक लगाकर टीम की जीत तय कर दी थी।

अब श्रीलंकाई टीम को उम्मीद रहेगी की ये दोनो ही खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन करें। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम ने भारत और बांग्लादेश को करीबी मैचों में हराया था और उससे उसका मनोबल बढ़ा है। उसे टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी पर उसके बाद उसने न्यूजीलैंड, भारत और बांग्लादेश को हराकर जबरदस्त वापसी की।

भारत और बांग्लादेश के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की ओर से नादिन डी क्लार्क ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। जिससे अब श्रीलंकाई टीम को बचना होगा। दक्षिण अफ्रीका की अब तक की कमजोरी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अच्छी शुरुआत के बाद भी लंबी पारी नहीं खेल पाना है। ऐसे में अगर उसे जीत हासिल करनी है तो उसके सभी बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

**दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं**

**श्रीलंका:** चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी पेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, कविशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी, इमेशा दुलानी, देवमी विहंग, पियूमी वत्सला, इनोका रणवीरा, सुगंधिका कुमारी, उदेशिका प्रबोदनी, माल्की मदारा, अचिनी कुलसूरिया।

**दक्षिण अफ्रीका:** लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), ताजमिन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसन, मारिजैन कप्प, एनेके बॉश, सिनालो जाफ्टा (विकेटकीपर), क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, नोनकुलुलेको म्लाबा, सुने लुस, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो म्लाबा।

# लियोनेल मेसी ने तोड़ा नेमार का बड़ा रिकॉर्ड, अर्जेंटीना की 6-0 की जीत में रचा इतिहास



स्पोर्ट्स डेस्क। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक माइलस्टोन हासिल कर लिया है। उन्होंने प्योर्टो रिको के खिलाफ हुए फ्रेंडली मैच में दो शानदार असिस्ट दिए और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए, नेमार को पीछे छोड़ते हुए।

इंटर मियामी स्टार मेसी ने इस मुकाबले में अर्जेंटीना को 6-0 की शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पहले हाफ में गोंजालो मोंटिएल को असिस्ट दिया और फिर दूसरे हाफ में लौतारो मार्टिनेज के लिए पास बनाकर अपनी टीम का छठा गोल कराया। अब मेसी के नाम अर्जेंटीना के लिए 60 असिस्ट और 114 गोल दर्ज हैं। वहीं नेमार ने ब्राजील के लिए 59 असिस्ट किए थे। इस प्रदर्शन के साथ मेसी के क्लब और देश मिलाकर कुल 398 असिस्ट हो चुके हैं, और वे जल्द ही 400 असिस्ट का ऐतिहासिक आंकड़ा छू सकते हैं।

मैच के बारे में मेसी ने कहा, 'टीम के साथ खेलना हमेशा सम्मान की बात होती है, और खिलाड़ी तभी मायने रखते हैं जब वे जीत में बदलें।'

## हाल में संन्यास लेने वालों को ही बनाया जाये चयनकर्ता : रहाणे

मुम्बई। बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि हाल में संन्यास लेने वाले प्रथम श्रेणी खिलाड़ियों को ही राज्यों की चयन समिति में अवसर मिलना चाहिये। रहाणे के अनुसार ये इसलिए क्योंकि वे खेल के बदलते स्वरूप को आसानी से समझ सकते हैं। अभी चयन समिति के लिए कम से कम प्रथम श्रेणी के 10 मैचों का अनुभव जरुरी होता है। इसके अलावा उसके संन्यास लिए हुए पांच साल हो गये हों। वहीं रहाणे ने कहा कि यह जरुरी है कि चयनकर्ताओं की मानसिकता और रवैया क्रिकेट की वर्तमान गति से मेल खाता हुआ हो। रहाणे ने पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा के साथ बातचीत के दौरान कहा,



''खिलाड़ियों को चयनकर्ताओं से डरना नहीं चाहिए। मैं चयनकर्ताओं के बारे में बात करना चाहता हूं, खासकर घरेलू क्रिकेट में। हमारे पास ऐसे चयनकर्ता होने चाहिए जिन्होंने हाल में शीर्ष स्तर की क्रिकेट से संन्यास लिया हो।'' उन्होंने कहा, ''क्योंकि क्रिकेट जिस तरह से विकसित हो रहा है, मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी है कि चयनकर्ताओं की मानसिकता और सोच आज के दौर की हो। वहीं 20 से 30 साल पहले क्रिकेट कैसे खेला जाता था, इसके आधार पर अभी फैसले नहीं लिए जा सकते।'' उन्होंने कहा, ''टी20 और आईपीएल जैसे प्रारूपों में आधुनिक क्रिकेट खिलाड़ियों की शैली को समझना जरूरी है। मेरा मानना है कि जहां तक संभव हो, चयनकर्ता सभी राज्यों से होने चाहिए और खिलाड़ियों को मैदान पर आजादी से निडर होकर क्रिकेट खेलना चाहिए।'' वहीं पुजारा ने कहा, ''बड़े राज्यों में इसे लागू किया जा सकता है क्योंकि उनके पास बहुत सारे विकल्प हैं। इसलिए जहां तक संभव हो मैं इस बात से सहमत हूं कि इसे लागू किया जा सकता है पर इसका मतलब यह है कि किसी भी पूर्व क्रिकेटर को इस मौके से वंचित कर दिया जाना चाहिए क्योंकि वह बहुत पहले ही संन्यास ले चुका है जिसका रिकॉर्ड शानदार रहा है और जो अब चयनकर्ता बनना चाहता है।''

# सुल्तान ऑफ जोहोर कप : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4-2 से हराया, तीसरे क्वार्टर में बदला मैच का रुख



जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 के पूल-स्टेज के चौथे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से कप्तान रोहित (22') और अर्शदीप सिंह (60') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए ऑस्कर स्मूल (39', 42'), एंड्रयू पैट्रिक (40') और कप्तान डिलन डाउनी (51') ने गोल दागे।

पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन भारत ने गेंद पर बेहतर नियंत्रण रखते हुए खेल की गति तय की। शुरुआती पलों में ऑस्ट्रेलिया को गोल करने का मौका मिला, मगर गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शानदार बचाव किया।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने 17वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन अनमोल एक्का का प्रयास बार के ऊपर चला गया। 22वें मिनट में मिले दूसरे कॉर्नर पर कप्तान रोहित ने सटीक हिट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 25वें मिनट में अमीर अली ने शानदार सोलो रन के बाद शॉट लिया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने रोका।

तीसरे क्वार्टर में मैच का रुख पलट गया – ऑस्ट्रेलिया ने लगातार तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 39वें मिनट में ऑस्कर स्मूल ने बराबरी का गोल किया, उसके तुरंत बाद (40') एंड्रयू पैट्रिक ने रिबाउंड पर दूसरा गोल दागा। 42वें मिनट में स्मूल ने फिर शानदार बैकहैंड शॉट से अपना दूसरा गोल किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया 3-1 से आगे निकल गया।

49वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कप्तान रोहित का शॉट चूक गया। 51वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान डिलन डाउनी ने अपनी टीम का चौथा गोल दागा। मैच के आखिरी मिनट में अर्शदीप सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन से भारत के लिए दूसरा गोल किया, जिससे मुकाबला 2-4 पर समाप्त हुआ। अब भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को मेजबान मलेशिया से होगा।

## डेनमार्क ओपन 2025 : लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग ने प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह




कोपेनहेगन। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और पुरुषों की डबल्स जोड़ी सात्विकसायराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने डेनमार्क ओपन 2025 के प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन ने आयरलैंड के नाथ गुयेन को 10-21, 21-8, 21-18 से हराया, जबकि सात्विक-चिराग ने स्कॉटलैंड की जोड़ी क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमली को 17-21, 21-11, 21-17 से मात दी। लक्ष्य सेन, जो पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट हैं, ने पहले गेम में धीमी शुरुआत की और 10-21 से हार गए। लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए केवल 8 पॉइंट्स गंवाए और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य सेन ने अपने आत्मविश्वास का परिचय देते हुए मैच अपने नाम किया। यह लक्ष्य सेन की नाथ गुयेन के खिलाफ चौथे मैचों में से तीसरी जीत है। पुरुषों की डबल्स में, छठे सीड सात्विक-चिराग ने पहले गेम में हार के बावजूद दूसरे गेम में वापसी की और निर्णायक गेम में शानदार प्रदर्शन कर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। यह मैच 1 घंटे 4 मिनट तक चला। दूसरी ओर, मोहित और लक्षिता जगलान की मिक्स्ड डबल्स में इंडोनेशिया की जोड़ी अदनान मौलाना और इंदाह काह्या सरी जामिल के खिलाफ 21-14, 21-11 से हार का सामना करना पड़ा और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। सात्विक-चिराग, जिन्होंने पिछले महीने हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में लगातार उपविजेता स्थान हासिल किया था, इस बार बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं।

## सलमान आगा से छीनेगी कप्तानी, अनुभवी ऑलराउंडर को मिल सकती है पाकिस्तान टी20 टीम की कमान




कराची। अनुभवी ऑलराउंडर शादाब खान को सलमान अली आगा की जगह पाकिस्तान की टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान की तरफ से अब तक 70 एकदिवसीय और 112 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा ले चुके शादाब ने इस साल के शुरू में लंदन में अपने कंधे की सर्जरी कराई थी इसके बाद वह खेल से बाहर हैं। शादाब हालांकि अब फिट हैं और वह अगले महीने वापसी कर सकते हैं। उनकी वापसी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वह सलमान की जगह राष्ट्रीय टी20 कप्तान बन सकते हैं। सर्जरी से पहले वह इस प्रारूप में उप-कप्तान थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि शादाब 11 से 15 नवंबर के बीच श्रीलंका के खिलाफ द्विपक्षीय घरेलू श्रृंखला में वापसी करेंगे, क्योंकि उनका रिहैब अच्छा चल रहा है। अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान सलमान की अगुवाई में एशिया कप में खेला था जहां उसे फाइनल में भारत से हार का सामना करना पड़ा था।

## जापान ओपन : चोट के बावजूद नाओमी ओसाका ने क्वार्टर-फाइनल में बनाई जगह

ओसाका। जापान ओपन में नाओमी ओसाका ने चोट और भावनाओं से जूझते हुए क्वार्टर-फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने लगातार आंसू झोंकते हुए डिफेंडिंग चैंपियन सुझान लमेंस को हराया। ओसाका ने मैच 7-6 (8/6), 3-6, 6-2 से जीता और अब उनका क्वार्टर-फाइनल मुकाबला रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन से होगा।

ओसाका ने कहा, 'इस मैच में मैं भावनात्मक रूप से बहुत कुछ महसूस कर रही थी। तीसरे सेट में मैंने पूरी कोशिश की कि कोई पछतावा न रहे।' फाइनल सेट में ओसाका 5-0 से आगे थीं जब उन्हें बाएं पैर की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। भारी स्ट्रैपिंग के साथ वे कोर्ट पर लौटीं, अगले दो गेम हारने के बावजूद मैच 2 घंटे 20 मिनट में जीत लिया। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका ने विजयी शॉट के बाद चेहरे को हाथ लगाते हुए आंसू रोकते हुए नेट की ओर बढ़ीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने दर्द निवारक दवा ली थी, लेकिन चोट 'अच्छी नहीं लग रही'। 'मैं सही से नहीं हिल पा रही थी। लेकिन मुझे लगता है कि मैं जल्दी ठीक हो जाऊंगी, इसलिए अगले मैच में सब ठीक रहेगा।' 27 वर्षीय ओसाका यह पहला टूर्नामेंट खेल रही हैं US Open 2025 के सेमीफाइनल के बाद, जहां वे अमांडा एनिसिमोवा से हार गई थीं। ओसाका अब दुनिया की 16वीं रैंक वाली खिलाड़ी हैं और 2021 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद किसी मेजर टूर्नामेंट के दूसरे सप्ताह में नहीं पहुंची थीं।

# वनडे कप्तानी से हटने के बाद रोहित शर्मा को कैसे हो सकता है फायदा, पूर्व स्पिनर अमित मिश्रा ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि कप्तानी के बोझ से मुक्त होना सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली वनडे सीरीज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। मिश्रा का कहना है कि अब रोहित पूरी तरह अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और गिल के नेतृत्व में टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

**रोहित की कप्तानी का अंत और गिल की नई शुरुआत**

7 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत के अपराजित अभियान का अंत एक परीकथा की तरह हुआ, जब रोहित शर्मा ने 76(83) रनों की शानदार पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। यह वनडे में रोहित का आखिरी कप्तानी प्रदर्शन था, क्योंकि चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को नई कप्तानी सौंपने का फैसला किया। गिल की कप्तानी की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया में होने वाले तीन वनडे मैचों से हुई।

पूर्व कप्तान रोहित अब केवल सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे, जिससे उनके प्रदर्शन पर सीधे ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। मिश्रा ने कहा, 'रोहित के लिए यह अच्छी बात है कि अब उन पर कप्तानी का दबाव नहीं है। उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना होगा और टीम को जीत दिलाने में मदद करनी होगी। वह गिल की मदद भी कर सकते हैं, खासकर रणनीतिक और मानसिक मामलों में।'

**गिल की कप्तानी में चुनौती और अवसर**

26 वर्षीय शुभमन गिल को इंग्लैंड के पांच मैचों के कठिन टेस्ट दौरे के लिए कप्तानी सौंपी गई थी। मिश्रा ने गिल की क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी युवा उम्र में नेतृत्व लेना उन्हें जल्दी परिपक्व बना देगा। गिल ने टेस्ट सीरीज में 754 रन बनाए, जिसमें उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी 269 रन रही और सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई।

मिश्रा ने कहा, 'गिल के लिए जल्दी कप्तानी सौंपे जाना अच्छा है। वह पिछले दो सालों से आईपीएल में कप्तानी कर रहे हैं और दुनिया के टॉप खिलाड़ियों का नेतृत्व कर चुके हैं। जल्दी नेतृत्व मिलने से वह जल्दी परिपक्व होंगे और आने वाले वर्षों में टीम का लंबा नेतृत्व कर पाएंगे।'

**कप्तानी से मुक्त होने का रोहित पर प्रभाव**

मिश्रा ने आगे कहा कि कप्तानी के बिना खेलना रोहित के लिए मानसिक रूप से सकारात्मक रहेगा। 'अब रोहित पर सीधे दबाव नहीं है। वह खुलकर खेल सकते हैं, अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान दे सकते हैं और टीम के लिए परिणाम ला सकते हैं। गिल के नेतृत्व में खेलते हुए रोहित अपनी अनुभवसंपन्न भूमिका निभा सकते हैं, जिसमें रणनीतिक सुझाव और अनुभव साझा करना शामिल है।'

पूर्व स्पिनर के अनुसार, रोहित का अनुभव युवा गिल के लिए मार्गदर्शन का काम करेगा। मिश्रा ने कहा, -रोहित और गिल की जोड़ी संतुलन बनाएगी। रोहित टीम में अनुभव लेकर आएंगे, और गिल नेतृत्व में नयी ऊर्जा और दृष्टिकोण देंगे। यह संयोजन भारतीय टीम के लिए बहुत सकारात्मक है। गिल को इसका आनंद लेना चाहिए और जल्द से जल्द परिपक्व होने की कोशिश करनी चाहिए। रोहित को कप्तानी से मुक्त होने से मानसिक राहत मिली है, और वह टीम के लिए अपने प्रदर्शन में योगदान देंगे।'

**ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत की वनडे टीम**

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेट कीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), यशस्वी जायसवाल।

## संक्षिप्त समाचार

### नेपाल में प्रतिनिधि सभा की फिर स्थापना के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

काठमांडू, एजेंसी। प्रतिनिधि सभा के विघटन के खिलाफ नेपाल के सुप्रीम कोर्ट में लगातार रिट दायर हो रहे। कानून व्यावसायियों के अनुसार अब तक 10 रिट पंजीकरण के लिए प्रस्तुत की जा चुकी हैं। मंगलवार सुबह से अधिवक्ता प्रेमराज सिलवाल, कृतिनाथ शर्मा पौडेल, युवराज सफल पौडेल, विपना शर्मा, आयुष बडाल और मकबुल मिया समेत कई अधिवक्ताओं ने ये रिट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की हैं। रिट में प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की नियुक्ति को असांविधानिक बताया गया है। साथ ही असांविधानिक रूप से नियुक्त प्रधानमंत्री के निर्णयों को रद्द करने की मांग की गई है। रिट में यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रधानमंत्री और सरकार के निर्णयों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने के लिए अंतरिम आदेश जारी किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार से नई रिट और मामलों का पंजीकरण शुरू किया है, जिसके साथ ही प्रतिनिधि सभा विघटन के खिलाफ ये रिट दाखिल की गई हैं। गौरतलब है कि 9 सितंबर को जेन-जी प्रदर्शन के दौरान सुप्रीम कोर्ट परिसर में आगजनी की घटना हुई थी, जिससे भवन को नुकसान पहुंचा था।

### चीनी स्कूल में हिंदी की पढ़ाई, राजदूत ने शिक्षिका को किया सम्मानित

बीजिंग, एजेंसी। चीन में स्कूल स्तर पर पहली बार हिंदी की औपचारिक पढ़ाई शुरू हुई है। इस पहल के शुरू होने पर चीन में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर के साथ मिलकर ब्रिटानिका इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की शिक्षिका भव्या मेहता का सम्मान किया। भव्या मेहता कीर्ति चक्र विजेता ब्रिगेडियर रवि दत्त मेहता की बेटी हैं। यह पहल विश्वविद्यालय कार्यक्रमों से परे हिंदी की पहुंच का विस्तार करती है।

### चीन का द. कोरियाई कंपनी की 5 अमेरिकी इकाइयों पर प्रतिबंध

बीजिंग, एजेंसी। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दक्षिण कोरियाई जहाज विनिर्माता हनव्हा ओशन की 5 इकाइयों से चीनी कंपनियों के लेनदेन पर रोक लगा दी है। मंत्रालय ने कहा, यह विशेष जहाज विनिर्माण में चीन के बढ़ते प्रभुत्व की अमेरिका द्वारा की जा रही जांच की तहकीकात कर रहा है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के जहाजों पर नए बंदरगाह शुल्क लगाए हैं।

### ब्रिटेन में अब वीजा आवेदकों के लिए कठिन होगी परीक्षा

लंदन, एजेंसी। सरकार ने भारत सहित अन्य देशों के वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की अनिवार्य परीक्षा को मंगलवार को और कठिन बनाने की शर्तें पेश कीं। ब्रिटेन में बढ़ते आव्रजन पर कार्रवाई के तहत संसद में यह प्रस्ताव रखा गया। अंग्रेजी की यह नई परीक्षा ब्रिटेन के गृह विभाग की तरफ से आयोजित होगी। आठ जनवरी, 2026 से सभी कुशल श्रमिकों के लिए आगामी वीजा आवेदन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में परिणामों का सत्यापन किया जाएगा। वीजा आवेदक का अंग्रेजी बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने का स्तर ए-लेवल अथवा 12वीं कक्षा के समकक्ष होना चाहिए, जिसे लेवल बी-2 कहा जाता है।

### इक्वाडोर की व्यस्त सड़क पर पिकअप ट्रक में विस्फोट, एक की मौत

इक्वाडोर, एजेंसी। इक्वाडोर के बंदरगाह शहर गुआयाकिल की एक व्यस्त सड़क पर मंगलवार शाम एक पिकअप ट्रक में विस्फोट हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हुए। गुआयाकिल अग्निशमन विभाग के मेजर जॉर्ज मोंटेनेरो ने स्थानीय टेलीविजन स्टेशन को बताया कि मारा गया व्यक्ति एक कैब ड्राइवर था, जो कि धमाके वाली जगह के पास में ही था। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस आसपास के इलाके में सभी वाहनों की भी जाँच कर रही है। मोंटानेरो ने कहा, हम एहतियात के तौर पर पूरी इमारत खाली करा रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या यह कार बम हो सकता है, उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस की जांच का इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता, लेकिन एक सामान्य कार इस तरह नहीं फटती। 2023 में इक्वाडोर में एक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या के बाद हिंसा बढ़ने के कारण कई कार बम विस्फोट हुए थे। गवर्नर हम्बर्टो प्लाजा ने मंगलवार के विस्फोट को साफ-साफ आतंकवाद बताया और वादा किया कि पुलिस इसके लिए जिम्मेदार लोगों को ढूंढ निकालेगी। उन्होंने कहा, हम इसके जिम्मेदार लोगों को पकड़ेंगे और उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। इन लोगों पर आतंकवाद का मुकदमा चलाया जाएगा।

# हमास के लड़ाकों ने गाजा की सड़कों पर फिर मचाया कोहराम, हथियार लहराते हुए बंदियों को ले गए

**गाजा, एजेंसी।** गाजा में संघर्षविराम के बीच हमास ने सड़कों पर दोबारा नियंत्रण करने की कोशिश की है। इसके लिए अभियान भी चलाया है। इस दौरान हमास के लड़ाकों ने कई संदिग्ध अपराधियों को मार गिराया। हमास ने इसे कानून-व्यवस्था बहाल करने की दिशा में कोशिश बताया है। हालांकि इस कार्रवाई से एक ओर स्थानीय लोगों में राहत की भावना दिखी है, वहीं दूसरी ओर यह संघर्षविराम को अस्थिर करने वाला कदम भी साबित हो सकता है। हमास अब भी अपने हथियार नहीं डालने के फैसले पर अड़ा हुआ है।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि हमास ने कई बुरे गिरोहों को खत्म किया है। ईमानदारी से कहूं तो इससे मुझे कोई आपत्ति नहीं। हालांकि उन्होंने दोहराया कि हमास को अपने हथियार डालने होंगे और अगर नहीं किया तो हम उन्हें निहत्था करेंगे। ट्रंप की मध्यस्थता से लागू संघर्षविराम योजना के तहत हमास को निरस्त्र होकर सत्ता एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी निकाय को सौंपनी है, लेकिन यह प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है।

इजरायल के हमलों के बाद पिछले महीनों में गाजा में कानून-व्यवस्था लगभग खत्म हो गई थी। हमास के सुरक्षा बलों के हटने के बाद स्थानीय गिरोहों और प्रभावशाली परिवारों ने कब्जा जमाना शुरू कर दिया था, जिन पर मानवीय सहायता लूटने और उसकी कालाबाजारी करने के आरोप हैं। पिछले हफ्ते हमास ने डोगमश परिवार से जुड़े एक गिरोह पर धावा बोला, जिसमें लगभग दो दर्जन लोग मारे गए। मृतकों में एक स्थानीय पत्रकार और हमास नेता के बेटे के भी शामिल होने की खबर है।

हमास से जुड़े टेलीग्राम चैनलों ने दावा किया कि मारे गए लोग सहयोगी और गद्दार थे जो इजरायल से मिले हुए थे। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में हमास बलों को आठ लोगों को सरेआम गोली मारते हुए दिखाया गया। इस घटना की मानवाधिकार संगठनों (अल मेजान सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स और पैलेस्टीनियन इंडिपेंडेंट कमीशन फॉर ह्यूमन राइट्स) ने कड़ी निंदा की है।

कई नागरिकों ने इस कार्रवाई को सामान्य जीवन की शुरुआत कहा है। उत्तरी गाजा के एक स्वास्थ्यकर्मी सईद अबू एलाइश ने कहा, हमने दो साल बाद पुलिस को सड़कों पर देखा है। कुछ सुरक्षा लौटती दिख रही है। वहीं, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकेत दिया है कि अगर हमास ने शांतिपूर्ण तरीके से हथियार नहीं डाले तो सैन्य कार्रवाई फिर शुरू की जा सकती है। हमास के गृह मंत्रालय ने एक सप्ताह के लिए आम माफी की घोषणा की है, जिसमें कहा गया है कि जिन गिरोह सदस्यों का हाथ हत्या में नहीं है वे आत्मसमर्पण कर अपना रिकॉर्ड साफ कर सकते हैं। कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक सुरक्षा या नागरिकों के अधिकारों से खिलवाड़ नहीं करेगा। यह अंतिम चेतावनी है। हमास का कहना है कि वह रॉकेट जैसे आक्रामक हथियार सौंप सकता है, लेकिन आत्मरक्षा के लिए हल्के हथियार रखना चाहता है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर ये गिरोह और हमास दोनों हथियारबंद बने रहे तो गाजा में युद्धविराम से शांति तक का सफर बहुत कठिन हो सकता है।

## टाइम मैगजीन के कवर पर छपी अपनी फोटो को लेकर हुए नाराज डोनाल्ड ट्रंप

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टाइम मैगजीन के कवर पर छपी अपनी फोटो को लेकर नाराज हैं। उन्होंने इसे अब तक की सबसे घटिया तस्वीर बताते हुए नाराजगी व्यक्त की है। ट्रुथ सोशल पर अपनी भड़ास निकालते हुए ट्रंप ने कहा कि मैगजीन ने उनके बारे में तो बेहतरीन लेख छापा है, लेकिन साथ ही शायद अब तक की सबसे खराब फोटो भी लगा दी। ट्रंप ने आगे कहा कि इस फोटो में उनके बालों को गायब कर दिया गया है और सिर के ऊपर एक विचित्र सी चीज तैरती हुई दिख रही है, जो किसी छोटे से मुकुट जैसी लगती है। यह बेहद अजीबोगरीब है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन्हें कभी नीचे से ली गई फोटो पसंद नहीं आई, लेकिन यह तो बेहद खराब है। इसे जरूर बताना चाहिए ताकि वे समझ सकें कि वे क्या कर रहे हैं। दरअसल, टाइम के कवर पर ट्रंप आत्मविश्वास से भरी नजरों से आगे देखते नजर आ रहे हैं, और इसका कैप्शन है- हिज ट्रायम्फ यानी उनकी जीत। यह मिडिल ईस्ट में ट्रंप की सफलता को दर्शाता है। उन्हें गाजा में युद्धविराम कराने और इजरायल व फिलिस्तीनी उग्रवादी संगठन हमास के बीच बड़े पैमाने पर बंधक-कैदी एक दूसरे को सौंपे गए। यह कवर फोटो गाजा युद्धविराम समझौते की सफलता और उसके बाद मिस्र के लाल सागर के रिसॉर्ट शर्म अल-शेख में हुए हस्ताक्षर की पृष्ठभूमि में आई है। इस घटना के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत कई वैश्विक नेता ट्रंप को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की मांग कर रहे हैं। ट्रंप इस साल का नोबेल शांति पुरस्कार हासिल करने से चूक गए थे, जो वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष समेत आठ युद्धों को समाप्त कराया है। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब ट्रंप ने टाइम मैगजीन पर तंज कसा हो। फरवरी में उन्होंने मैगजीन का मजाक उड़ाया था।

## मैक्सिको में बाढ़ से पूरा गांव बहा, 60 से ज्यादा लोगों की मौत, दर्जनों अभी भी लापता

**मैक्सिको सिटी, एजेंसी।** मैक्सिको में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही मची हुई है। बाढ़ के चलते 400 लोगों का एक पूरा गांव नक्शे से साफ हो गया है और कई इलाकों का संपर्क टूट गया है। लोग ऊंचे इलाकों पर फंसे हुए हैं और उन्हें सुरक्षित निकाला जा रहा है। सेना के हजारों जवान और नागरिक कार्यकर्ता लोगों को बचाने और सड़कों को फिर से शुरू करने के काम में जुटे हैं। मैक्सिको सरकार ने पुष्टि की है कि बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 64 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों अभी लापता हैं। एक पीड़िता ने बताया कि कुछ नहीं बचा, सबकुछ तबाह हो गया। पुल, मकान, सड़कें सबकुछ चला गया है।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि दूर-दराज के इलाकों में सैकड़ों से लेकर हजारों तक लोग लापता हैं और भारी तबाही की आशंका है। मैक्सिको के पश्चिमी तट पर दो उष्णकटिबंधीय तूफानों के मिलने की वजह से मैक्सिको में भारी बारिश हुई। इससे नदियां उफान पर हैं और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो रहा है। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता सड़कों को फिर से खोलना और हवाई ब्रिजों को सुरक्षित करना है, जिससे लोगों को राशन की आपूर्ति हो सके और उन्हें सुरक्षित बचाया जा सके।

**तीन राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित :** सरकार और सेना द्वारा लोगों को बचाने की भरसक कोशिश की जा रही है, लेकिन कई लोगों ने मिलकर खुद ही बचाव की कोशिशें शुरू कर दी हैं। कई लोगों ने अमेरिका में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से मदद मांगी है, जिन्होंने किराए पर हेलीकॉप्टर लेकर लोगों को बचाया। दरअसल भारी तबाही से कई इलाके संपर्क से कट गए हैं और वहां पहुंचने के लिए सेना के जवानों को पहुंचने के लिए 6-7 घंटे पैदल चलकर जाना पड़ रहा है। मैक्सिको के वेराक्रूज, हिडाल्गो और पुएब्ला राज्यों में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। हिडाल्गो में ही करीब एक लाख घर तबाह हुए हैं। वेराक्रूज में 29 लोगों की मौत हुई है। वेराक्रूज में बीते चार दिनों में 24 इंच बारिश हुई है। वेराक्रूज के गवर्नर ने बताया कि राज्य में करीब तीन लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

## चार्ली किर्क की हत्या पर टिप्पणी करना पड़ा भारी, अमेरिकी सरकार ने छह विदेशियों के वीजा रद्द किए

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी विदेश विभाग ने मंगलवार को छह विदेशियों के वीजा रद्द कर दिए क्योंकि इन लोगों ने रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के बारे में सोशल मीडिया पर टिप्पणी की थी। वीजा रद्द करने की यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किर्क को मरणोपरांत अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित किया। यह सम्मान किर्क के 32वें जन्मदिन पर दिया गया।

**अमेरिकी विदेश विभाग ने जारी किया बयान :** अमेरिकी विदेश विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा, अमेरिका उन विदेशियों की मेजबानी करने के लिए बाध्य नहीं है जो अमेरिकियों की मृत्यु की कामना करते हैं। जिन लोगों के वीजा रद्द किए गए हैं, उनमें दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना, मैक्सिको, ब्राजील, जर्मनी और पेराग्वे के लोग शामिल हैं। विदेश विभाग ने बताया कि अर्जेंटीना के जिस नागरिक का वीजा रद्द किया गया है, उसने चार्ली किर्क पर नस्लवादी, जेनोफोबिक (विदेशियों से नफरत करने वाला), स्त्री द्वेषी बयानबाजी प्रसारित करने का आरोप लगाया था। वहीं जर्मनी के व्यक्ति ने लिखा कि जब फासीवादी मरते हैं तो डेमोक्रेट शिकायत नहीं करते।

**अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही ट्रंप सरकार :** चार्ली किर्क की बीते महीने यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चार्ली किर्क दक्षिणपंथ समर्थक और राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी थे। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि वे चार्ली किर्क की हत्या पर खुशी जताने वाले लोगों की पहचान कर रहे हैं। जनवरी में सत्ता पर काबिज होने के बाद से ही ट्रंप प्रशासन द्वारा अवैध अप्रवासियों को निशाना बनाया जा रहा है। साथ ही सोशल मीडिया पर की जाने वाली टिप्पणियों को लेकर भी निशाना बनाया जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को अपने करीबी चार्ली किर्क को मरणोपरांत अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम प्रदान किया। साथ ही ट्रंप ने किर्क को सत्य और स्वतंत्रता के लिए शहीद बताया। ट्रंप ने किर्क की तुलना सुकरात, सेंट पीटर, अब्राहम लिंकन और मार्टिन लूथर किंग से की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित इस समारोह में यह भी संकल्प लिया कि वे कट्टरपंथी वामपंथी समूहों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को दोगुना कर देंगे, जिसे उन्होंने किर्क की गोलीबारी के बाद शुरू किया था।

## डोनाल्ड ट्रंप का शटडाउन पर बड़ा एलान- हम डेमोक्रेट पार्टी के शुरू किए सरकारी कार्यक्रमों को बंद कर रहे

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शटडाउन के बीच डेमोक्रेट्स पार्टी के सपोर्ट से होने वाले प्रोग्राम को बंद करने का एलान किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार प्रशासन की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं और बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची भी जल्द जारी होने की सूचना है। डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (14 अक्तूबर) को घोषणा करते हुए कहा कि प्रशासन चल रहे सरकारी शटडाउन का इस्तेमाल डेमोक्रेट समर्थित संघीय कार्यक्रमों को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची शुक्रवार को जारी की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में कहा, शटडाउन के कारण डेमोक्रेट्स की हार हो रही है, क्योंकि हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिनका हम विरोध करते थे और अब किसी कीमत पर वापस नहीं आने दिया जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बयान में आगे कहा कि इसलिए हम वो काम कर पा रहे हैं, जो हम पहले नहीं कर पाते थे। हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिन्हें हम बंद करना चाहते थे या जिन्हें हम कभी नहीं होने देना चाहते थे, और अब हम उन्हें बंद कर रहे हैं, और हम उन्हें वापस नहीं आने देंगे।

**रिपब्लिकन कार्यक्रम बंद नहीं होंगे- ट्रंप :** बंद होने वाले कार्यक्रमों में ऐसे कई कार्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप ने समाजवादी और अर्ध-साम्यवादी करार दिया है। व्हाइट हाउस से बोलते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इस सूची में कई ऐसे कार्यक्रम शामिल होंगे, जिन्हें उन्होंने समाजवादी और अर्ध-कम्युनिस्ट बताया है। उन्होंने कहा, हम शुक्रवार को इनकी एक सूची जारी करेंगे, जिसमें कुछ सबसे गंभीर समाजवादी, अर्ध-साम्यवादी शायद पूर्ण साम्यवादी नहीं, हम इसे न्यूयॉर्क के लिए बचा रहे हैं, लेकिन अर्ध-साम्यवादी कार्यक्रमों को बंद किया जाएगा, और हम उन्हें बंद कर रहे हैं। हम रिपब्लिकन कार्यक्रमों को इसलिए बंद नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमें लगता है कि वे कारगर हैं।

**हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला :** इससे पहले मंगलवार को व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कहा था कि वह अतिरिक्त कर्मचारियों की संख्या में कटौती या आरआईएफ के साथ बंद को खत्म करता रहेगा। यह कदम इस बात का संकेत है कि ट्रम्प प्रशासन संघीय कर्मचारियों की संख्या में कटौती जारी रखने की योजना बना रहा है, क्योंकि पिछले हफ्ते सात संघीय एजेंसियों के हजारों कर्मचारियों को उनकी नौकरी जाने की सूचना दी गई थी।

## पाकिस्तान-अफगान में फिर हिंसक झड़प, तालिबान का दावा- 7 पाक सैनिक मारे

**काबुल/ इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान सुरक्षा बलों और अफगान तालिबान के बीच मंगलवार रात को फिर झड़पें हुईं। एपी के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में सीमा पर दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया है। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी थी कि अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल है। इस्लामाबाद और काबुल में किसी भी वक्त संघर्ष शुरू हो सकता है। आसिफ ने कहा था, संघर्ष की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। अगर अफगानिस्तान धमकी देता है, तो हम तुरंत जवाब देंगे। इस लड़ाई में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के पोस्ट पर कब्जा करने का दावा किया है। साथ ही टैंकों के नुकसान की भी खबर है। पाकिस्तानी सरकारी मीडिया ने तालिबान पर बिना उकसावे के पहली गोली चलाने का आरोप लगाया। वहीं, अफगानिस्तान समर्थित सोशल हैंडल ने दावा किया कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान में उन जगहों को निशाना बनाया है जहां से अफगानिस्तान के लिए खतरा पैदा होता है। इसके साथ ही 7 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने की भी बात कही। पाकिस्तान का दावा- तालिबान चौकियों को भारी नुकसान पाकिस्तान ने सूत्रों ने दावा किया है कि पाकिस्तान के हमले में कई तालिबान चौकियों को भारी नुकसान पहुंचा और उनकी चौकियों से आग की लपटें उठती देखी गईं पाकिस्तानी पीटीवी न्यूज ने बताया, अफगान तालिबान और फितना अल-खवारिज ने कुर्रम में बिना वजह गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना ने पूरी ताकत से जवाब दिया।

दावा किया गया कि पाकिस्तान की जवाबी गोलीबारी में एक तालिबानी टैंक नष्ट हो गया, जिससे हमलावर अपनी चौकियां छोड़कर इलाके से भागने पर मजबूर हो गए। वहीं, काबुल का दावा है कि वह अपनी हवाई सीमा और संप्रभुता के उल्लंघन का जवाब दे रहा है। पाकिस्तानी सेनाएं हाई अलर्ट पर सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं और किसी भी हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं अफगानिस्तान समर्थित वॉर ग्लोब न्यूज ने एक वीडियो जारी करते हुए दावा किया कि तालिबान के एक ड्रोन ने पख्तूनख्वा के सीमावर्ती इलाकों में एक पाकिस्तानी सैन्य अड्डे पर निशाना किया।

## शेरबहादुर देउबा ने छोड़ी नेपाली कांग्रेस की कार्यकारी जिम्मेदारी, पूर्णबहादुर खड़का को सौंपी कमान

**काठमांडू, एजेंसी।** करीब एक दशक तक नेपाली कांग्रेस का नेतृत्व संभालने वाले और पांच बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने शेरबहादुर देउबा ने मंगलवार से औपचारिक रूप से पार्टी की कार्यकारी भूमिका से विदाई ली है। आगामी 15वें महाधिवेशन में कांग्रेस पार्टी का विधान उन्हें दोबारा उम्मीदवार बनने की अनुमति नहीं देता। हालांकि, देउबा ने खुद केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में घोषणा की कि अब वह सभापति पद के लिए उम्मीदवार नहीं होंगे।

महाधिवेशन संपन्न कराने की जिम्मेदारी उन्होंने उप सभापति पूर्णबहादुर खड़का को सौंपी है, जो अब कार्यकारी सभापति के रूप में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। जिम्मेदारी हस्तांतरित करते हुए देउबा ने स्पष्ट संकेत दिया कि वे अब पूर्ण रूप से कार्यकारी भूमिका से अलग हो चुके हैं। नेपाल में जेनजी आंदोलन के कारण देश की राजनीति में आई हलचल ने देउबा को समय पूर्व नेतृत्व से विदा होने के लिए बाध्य किया। आंदोलन से पहले उनकी योजना थी कि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले)-नेपाली कांग्रेस, गठजोड़ के तहत जून 2026 में छठी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही कांग्रेस पार्टी की महाधिवेशन कराएं। आंदोलन के बाद उन्होंने सुरक्षित रास्ता अपनाते हुए नेतृत्व हस्तांतरण का निर्णय लिया। परंतु पार्टी के भीतर बढ़ते दबाव ने उन्हें तुरंत पद छोड़ने की स्थिति में ला खड़ा किया। कांग्रेस के महासचिव विश्वप्रकाश शर्मा और गगन थापाले सार्वजनिक रूप से देउबा से नेतृत्व

त्यागने का आग्रह किया था।

**देउबा अब भी पार्टी सभापति, लेकिन कार्यकारी भूमिका समाप्त हो गई :** 52 प्रतिशत से अधिक महाधिवेशन प्रतिनिधियों ने विशेष महाधिवेशन की मांग पर हस्ताक्षर भी किए, जिससे पार्टी के भीतर परिवर्तन की लहर और तेज हुई। बढ़ते दबाव के बीच देउबा ने अंततः कार्यकारी पद से हटने का निर्णय लिया। तकनीकी रूप से देउबा अब भी पार्टी सभापति हैं, लेकिन कार्यकारी रूप में उनकी भूमिका समाप्त हो गई है। छह दशक से अधिक लंबे राजनीतिक जीवन में यह उनका कार्यकारी पद पर आखिरी दिन माना जा रहा है। देउबा पांच बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। हालांकि, बार बार सत्ता में आने के बावजूद उनकी कार्यशैली और उपलब्धियों पर सवाल उठते रहे। आलोचकों ने उन पर सुशासन स्थापित न कर पाने और राजनीतिक अव्यवस्था बढ़ाने का आरोप लगाया है।

**अपने प्रधानमंत्रित्व काल की उपलब्धियों को किया याद :** केंद्रीय कार्य समिति के बैठक में लिखित वक्तव्य के माध्यम से देउबा ने अपने प्रधानमंत्रित्व काल की उपलब्धियों को याद किया और आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा, - मुझे पांच बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला, भले ही कार्यकाल छोटे रहे। अधिकांश समय मैंने चुनावी सरकारों का नेतृत्व किया, लेकिन कई क्षेत्रों में सुधार की दिशा में हमने महत्वपूर्ण कदम उठाए। देउबा के विदा लेने के बावजूद पार्टी के भीतर यह संशय बना हुआ है कि उनके सहयोगियों के प्रभाव में विधान द्वारा तय समय सीमा के भीतर महाधिवेशन होगा या नहीं। कई कांग्रेस नेताओं का मानना है कि उनके आसपास मौजूद गुटबंदी अब भी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

## निमिषा प्रिया मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2026 में

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल निवासी निमिषा प्रिया को यमन में एक नागरिक की हत्या के मामले में फांसी की सजा सुनाई गई है। वहीं भारत में निमिषा प्रिया को बचाने के लिए सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट अब मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2026 में करेगा। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने अदालत को बताया कि मामले में एक नया मीडियेटर (मध्यस्थ) सामने आया है और अभी तक कोई प्रतिकूल बात नहीं हुई है। कोर्ट ने कहा कि अगर इस बीच कोई नया डेवलपमेंट (घटनाक्रम) होता है तो अदालत से जल्द सुनवाई की मांग की जा सकती है। निमिषा के वकील ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार को डिप्लोमेटिक चैनल के जरिए यमन सरकार से बात करने और फांसी पर जल्द से जल्द रोक लगाने का आदेश दे। निमिषा को 2017 में यमन की अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी। उनकी फांसी 16 जुलाई 2025 को होनी थी, लेकिन इसे अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल ने केंद्र सरकार से एक प्रतिनिधिमंडल को यमन भेजने की अनुमति मांगी थी, ताकि यमन के कानून के अनुसार पीड़ित परिवार से क्षमादान (ब्लड मनी देकर) मिल सके। विदेश मंत्रालय ने यमन में गंभीर सुरक्षा जोखिमों (सशस्त्र संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता) का हवाला देते हुए प्रतिनिधिमंडल भेजने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।

## अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामला : पायलट सुमीत के पिता पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, जांच पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 क्रैश की जांच को लेकर मृत पायलट सुमीत सभरवाल के पिता पुष्कराज सभरवाल और इंडियन पायलट्स फेडरेशन ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि उन्हें एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की जांच पर अब भरोसा नहीं रहा, इसलिए इस मामले की कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए। याचिका में मांग की गई है कि जांच के लिए नई टीम गठित की जाए, जिसमें स्वतंत्र स्पेशलिस्ट और एविएशन एक्सपर्ट शामिल हों। याचिकाकर्ताओं ने यह भी अपील की है कि एएआईबी की मौजूदा जांच प्रक्रिया बंद की जाए और सभी सबूत सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में बनने वाली कमेटी को सौंपे जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर दिवाली के बाद सुनवाई करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की बोइंग 787-8 फ्लाइट एआई-171 टेकऑफ के चंद ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इस भीषण हादसे में 270 लोगों की मौत हो गई थी। विमान के मुख्य पायलट सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर की भी घटना में मौत हो गई थी। यहां बताते चलें कि एएआईबी ने अपनी 12 जुलाई की प्रारंभिक रिपोर्ट में इस हादसे के लिए पायलट की गलती को जिम्मेदार बताया था। रिपोर्ट में कहा गया कि टेकऑफ के बाद फ्यूल कट-ऑफ स्विचेस बंद कर दिए गए थे, लेकिन कॉकपिट की ऑडियो रिकॉर्डिंग से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि ऐसा क्यों हुआ। इस निष्कर्ष पर परिवार और पायलट संगठनों ने नाराजगी जताई थी। 91 वर्षीय पुष्कराज सभरवाल ने पहले ही केंद्र सरकार से हादसे की नई जांच की मांग की थी और एएआईबी की रिपोर्ट की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे।

## दिल्ली में दिवाली के बाद कृत्रिम बारिश की तैयारी, मौसम विभाग की मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में दिवाली से पहले ही वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। बुधवार को दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 के पार दर्ज किया गया था। बढ़ते प्रदूषण पर काबू पाने के लिए दिल्ली सरकार ने क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश की योजना तैयार कर ली है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिवाली के एक दिन बाद चुनिंदा इलाकों में कृत्रिम बारिश कराई जा सकती है। मौसम विभाग की हरी झंडी मिलते ही यह प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। सिरसा ने कहा कि क्लाउड सीडिंग या स्प्रे के जरिए क्लाउड सीडिंग का सैंपल टेस्ट किया जाएगा। हम बादलों के छंटने का इंतजार कर रहे हैं। सभी तकनीकी और लॉजिस्टिक तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मंत्री ने बताया कि इस अभियान के लिए दो पायलटों को चार दिन की विशेष ट्रेनिंग दी गई है। जैसे ही प्रक्रिया शुरू होगी, तीन घंटे में इसका असर दिखाई देने लगेगा। इस बीच, दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। बुधवार को दिल्ली के 5 प्रमुख केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर 300 से ऊपर दर्ज किया गया, इनमें आनंद विहार : 345, द्वारका सेक्टर-8 : 314, वजीरपुर : 325, सीआरआरआई मथुरा रोड : 307 और डीयू नॉर्थ कैंपस : 307 एक्यूआई दर्ज की गई। कुल मिलाकर, दिल्ली के 20 मॉनिटरिंग सेंटरों पर वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में और 13 केंद्रों पर 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई।

## ममता सरकार ने खांसी की सिरप की बिक्री और मार्केटिंग को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार के ड्रग कंट्रोल डायरेक्टोरेट ने राज्य में खांसी की सिरप की बिक्री और मार्केटिंग को लेकर नई गाइडलाइंस और निर्देश जारी किए हैं। यह फैसला जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में किसी भी अनहोनी से बचने के लिए लिया गया है। यह कदम कोल्ड्रिफ नामक खांसी की सिरप पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उठाया गया है। इस सिरप के सेवन से मध्यप्रदेश में बच्चों की मौत हुई थी, जिसके बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने भी प्रतिबंधित कर दिया था। मुख्य नई गाइडलाइंस के मुताबिक कोई भी दुकानदार/कंपनी किसी अन्य कंपनी द्वारा निर्मित दवा को अपने नाम से तब तक नहीं बेच सकेगी जब तक कि उनके पास उस कंपनी के साथ लिखित समझौता न हो। दवाओं की मार्केटिंग करने वाली कंपनियों को अब दवा की गुणवत्ता और कानूनी जिम्मेदारियों के लिए निर्माता कंपनी के साथ बराबर जिम्मेदार माना जाएगा। जो कंपनियां पश्चिम बंगाल के बाहर से दवाएं बनवाकर यहां बेच रही हैं, उन्हें अपने निर्माण समझौते की एक कॉपी 15 दिनों के भीतर ड्रग कंट्रोल विभाग को आधिकारिक ईमेल पर जमा करनी होगी।

# क्या नितिन गडकरी दोबारा से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे?

### केंद्रीय मंत्री बोले- यह सवाल मुझसे नहीं वर्तमान अध्यक्ष से पूछो

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम मोदी सरकार को लेकर बड़ी बात कही है। गडकरी ने कहा कि 50 से 60 साल की तुलना में पिछले 11 साल में हर सेक्टर में जितना काम हुआ है, उससे कॉन्फिडेंस बढ़ा है। जब गडकरी से सवाल किया कि बीजेपी को अगला नेशनल प्रेसिडेंट मिलने में देरी क्यों हो रही है? क्या नितिन गडकरी दोबारा से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे? इसपर गडकरी ने कहा कि बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष से यह सवाल पूछा जा रहा है। गडकरी ने साफ कहा कि वे पार्टी के नेशनल प्रेसिडेंट बनने की दौड़ में नहीं है।

बता दें नितिन गडकरी पूर्व में भी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। बीजेपी में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन होना है, लेकिन अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इस बाबत जब नितिन गडकरी से सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि आपको पूर्व के बजाय वर्तमान अध्यक्ष से इसके बारे में पूछना चाहिए। साथ ही उन्होंने पार्टी अध्यक्ष का पद फिर से संभालने की संभावना से इनकार कर दिया।

गडकरी ने साफ कहा कि वह बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनने जा रहे हैं। उन्होंने रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के सेक्टर में जबरदस्त काम किया है। सड़क निर्माण में नई तकनीक के इस्तेमाल को उन्होंने बढ़ावा दिया है। गडकरी पर कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के कई नेताओं का कहना है कि गडकरी पॉलिसी बनाते हैं और उनका बेटा प्रॉफिट कमाता है। विपक्षी दल का आरोप है कि इथेनॉल को लेकर बनाई गई नीति का सबसे ज्यादा फायदा गडकरी परिवार को मिला है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आरोप का जवाब देते हुए कहा कि हमारे देश में 1400 करोड़ इथेनॉल सरकार खरीदती है। इथेनॉल आने से पहले हमारी शुगर फैक्ट्री थी। करीब 500 से 550 उद्योग इथेनॉल सप्लाई करते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इथेनॉल का टेंडर निकलता है और इसकी कीमत से जुड़े प्रपोजल को कैबिनेट पास करता है। गडकरी ने आगे कहा कि हमारे देश में 22 लाख करोड़ रुपए के फॉसिल फ्यूल (डीजल-पेट्रोल) का आयात होता है। वे इथेनॉल, मिथेनॉल, एलएनजी का प्रचार ग्रीन एनर्जी के लिहाज से करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी ने फॉसिल फ्यूल और एयर पॉल्यूशन के कनेक्शन पर कहा कि दिल्ली इसके बारे में बेहतर जानते हैं। दिल्ली में 40 फीसद प्रदूषण फॉसिल फ्यूल से होता है, जिससे लोगों की उम्र कम हो रही है। इसके साथ ही 22 लाख करोड़ रुपया देश की इकोनॉमी से बाहर जा रहा है। ऐसे में क्या भारत को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर नहीं बनना चाहिए? इथेनॉल से गाड़ियों के नुकसान होने के आरोप को भी खारिज किया। उन्होंने इथेनॉल पॉलिसी से अपने परिवार को फायदा होने के आरोपों को खारिज कर दिया।

## उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फबारी शुरू, यूपी में दिखने लगा असर गिर रहा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी शुरू हो गई है। इसका असर यूपी में दिखने लगा है। प्रदेश में दिन और रात के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट हो रही है। सुबह और रात के वक्त अब ठंडक महसूस होने लगी है और लोगों ने एसी-कूलर का इस्तेमाल बंद कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक दिवाली के बाद से यूपी में ठंड और बढ़ सकती है। धीरे-धीरे तापमान में गिरावट आएगी और सर्द हवाएं अपना असर दिखाना शुरू करेंगी। लखनऊ के अमौसी स्थित आंचलिक मौसम केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक 16 अक्टूबर को पूरे यूपी में मौसम शुष्क रहेगा। बारिश या तेज हवाओं की कोई संभावना नहीं है। सभी 75 जिले ग्रीन जोन में है यानी किसी भी मौसम संबंधी अलर्ट की जरूरत नहीं है। गुरुवार को जिन जिलों में मौसम साफ और सामान्य रहने की संभावना है, उनमें शामिल हैं कानपुर, गाजियाबाद, मेरठ, प्रयागराज, प्रतापगढ़, आगरा, वाराणसी, अलीगढ़, झांसी, अमेठी, गोरखपुर, सुल्तानपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, बलिया, गोरखपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, मिर्जापुर, चंदौली, जौनपुर, महराजगंज, बरेली, रामपुर, कन्नौज, इटावा, मैनपुरी, शामली आदि। मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि अब प्रदेश में उत्तर-पश्चिम दिशा से हल्की ठंडी हवाएं चल रही है। यही हवाएं धीरे-धीरे तापमान को नीचे ले जाएंगी। आने वाले दिनों में इसका असर ज्यादा दिखेगा और ठंड बढ़ेगी। प्रदेश के प्रमुख शहरों में सबसे कम तापमान कानपुर में दर्ज किया गया है। 16.0 डिग्री सेल्सियस। बीते 2-3 दिनों से यहां न्यूनतम तापमान लगातार इसके आसपास बना हुआ है, जबकि लखनऊ, अयोध्या, मेरठ, नोएडा, आगरा और झांसी में तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है।

## श्रीलंकाई पीएम अमरसूर्या बोलीं- देशों के बीच पुल बनाएं, दीवारें नहीं

-दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज में विद्यार्थियों को किया संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने कहा, कि देशों के बीच दीवारें नहीं, पुल बनने चाहिए। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज में छात्रों को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने हिंदू कॉलेज में बतौर छात्र बिताए जीवन को भी याद किया। श्रीलंका की पीएम हरिनी अमरसूर्या ने कहा, कि हमें घरों, दफ्तरों और राष्ट्रों के बीच संवाद और सहयोग के पुल बनाने चाहिए, विभाजन की दीवारें नहीं खड़ी करनी चाहिए। यहां बताते चलें कि पीएम हरिनी अमरसूर्या हिंदू कॉलेज की पूर्व छात्रा रही है। उन्होंने अपने छात्र जीवन को याद करते हुए कहा, कि भारत में बिताए गए सालों ने उन्हें लोकतंत्र, विविधता और सह-अस्तित्व की समझ दी। कॉलेज की प्रिंसिपल अंजू श्रीवास्तव ने श्रीलंकाई पीएम का स्वागत किया। इस अवसर पर फैकल्टी सदस्य, छात्र और कई पूर्व छात्र भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री अमरसूर्या ने भारत की डिजिटल एवनेस में हुई प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा, भारत ने यह दिखाया है कि डिजिटलाइजेशन किस तरह से शासन को पारदर्शी और जवाबदेह बना सकता है। श्रीलंका भारत के इस मॉडल का अध्ययन कर रहा है और इसे अपने देश में लागू करने की दिशा में विचार कर रहा है। दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की।

## सीएम योगी आदित्यनाथ के दौरे से एनडीए की बढ़ जाएंगी मुश्किलें: पप्पू यादव

### बिहार नफरत की भूमि नहीं, यह गुरु गोविंद, बुद्ध, लोहिया व शांति की धरती

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बिहार दौरे पर तंज कसा। उन्होंने दावा किया कि योगी के दौरे से एनडीए की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार नफरत की भूमि नहीं है। यह गुरु गोविंद, महात्मा बुद्ध, लोहिया, जेपी, महात्मा गांधी, बाल्मीकि, राष्ट्रकवि दिनकर, विद्यापति और राजेंद्र बाबू की धरती है, जो शांति और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी को समझना चाहिए था कि बिहार नफरत की भूमि नहीं, शांति की भूमि है।

महागठबंधन में राजद और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस हमेशा अपने गठबंधन को मजबूत करती है और उसे सम्मान देती है। उन्होंने बताया कि गठबंधन की तैयारियां सुचारू रूप से चल रही है। उन्होंने कहा कि हम दो कदम पीछे हटकर गठबंधन को मजबूत करने को तैयार है, जिन्हें सीएम बनना है, उन्हें अहंकार छोड़ना होगा। हम सम्मान देने को तैयार है। सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर उन्होंने कहा कि वह नाराज नहीं है जल्द ही स्थिति साफ हो जाएगी। पप्पू यादव ने कांग्रेस को बिहार में मजबूत करने का भरोसा जताया।

उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस कहे कि पप्पू यादव कोहिनूर है, तो बिहार एक तरफ हो जाएगा। राहुल गांधी बस हमें आशीर्वाद दे दें। उन्होंने दावा किया कि महागठबंधन में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान चल रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए में कोई दिल्ली जा रहा है, कोई नाराज चल रहा है। सीएम चेहरा को लेकर पप्पू यादव ने कहा कि एनडीए भी बिना सीएम चेहरे के चुनाव लड़ रही है, लेकिन उनसे कोई सवाल नहीं करता। उन्होंने कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है, लेकिन चुनाव बाद क्या होगा, सभी को पता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी इसके संकेत दे दिए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस की उम्मीदवार सूची पर पप्पू यादव ने कहा कि एनडीए को उनकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि महागठबंधन में सब ठीक है और जल्द ही कांग्रेस अपने उम्मीदवारों की सूची करेगी।

## कांग्रेस नेता का मोदी सरकार पर हमला...भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा ट्रंप कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा के दावे पर बढ़ते विवाद के बीच, वरिष्ठ कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने केंद्र पर कटाक्ष कर कहा कि भारत सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति करते है। कांग्रेस नेता रमेश ने बताया कि भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी में की है। यहीं से तारीफ, वहीं से टैरिफ। कांग्रेस नेता रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद के समक्ष अमेरिकी व्यापार समझौते के बारे में विस्तृत जानकारी देने और बताने को कहा कि यह अभी तक क्यों नहीं हुआ है। रमेश ने कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि रूस से तेल खरीदने के पीछे की सच्चाई क्या है? अमेरिकी व्यापार समझौता अभी तक क्यों नहीं हुआ है? उन्हें संसद को विश्वास में लेना चाहिए, आम सहमति बनाना चाहिए। हमारी विदेश नीति पूरी तरह विफल रही है। राज्यसभा सांसद रमेश ने ट्रंप द्वारा किए गए दावों पर पीएम मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया, जिनमें व्यापारिक धमकियाँ देकर भारत-पाकिस्तान युद्ध रोकना और यह दावा करना शामिल है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। रमेश ने कहा, ट्रंप 51 बार दावा कर चुके है कि व्यापारिक धमकी देकर भारत-पाकिस्तान तनाव को कम करने के लिए वे जिम्मेदार हैं। दरअसल बुधवार को ट्रंप ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, और भारत ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह रूस से तेल नहीं खरीदेगा।

## वह सैलरी लेने तो आती ही हैं, लेकिन बैठक के लिए बनाती हैं प्रेग्नेंसी का बहाना

### महिला अधिकारी को लेकर कांग्रेस विधायक ने दिया विवादित बयान, मचा बवाल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में चन्नागिरि से कांग्रेस विधायक शिवगंगा बसवराज ने एक प्रेग्नेंट वन अधिकारी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी है। उनके इस बयान का वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद महिला अधिकार संगठनों ने विधायक को 'सेक्सिस्ट' बताते हुए उनकी कड़ी निंदा की। विपक्षी बीजेपी ने इसको लेकर कांग्रेस सरकार पर हमला बोला है। वहीं इस मामले में सत्तारूढ़ पार्टी ने चुप्पी साध ली है। घटना कर्नाटक विकास कार्यक्रम (केडीपी) की तिमाही समीक्षा बैठक की है, जो हाल ही में चन्नागिरि में हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वन रेंज अधिकारी श्वेता की अनुपस्थिति पर विधायक बसवराज भड़क गए। बैठक में उन्होंने कहा कि अगर वह गर्भवती है, तो छुट्टी ले ले। काम करने को क्या जरूरत है? वह तो सैलरी लेने आती ही है, लेकिन प्रेग्नेंसी को बैठक में आने का बहाना बना लेती है। शर्म आनी चाहिए। हर बार यही बहाना। इससे पहले बैठक में नहीं आने पर अधिकारी ने कहा था- मैं गर्भवती हूं, डॉक्टर के पास जा रही हूं।

रिपोर्ट के मुताबिक विधायक बसवराज ने तो यहां तक कह डाला कि अधिकारी रिश्वत लेने आती हैं और उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। वीडियो में अन्य अधिकारी असहज दिखे, लेकिन किसी ने विरोध नहीं किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। महिलाओं के अधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे कांग्रेस सरकार में महिला सशक्तिकरण की खोखली बातों का पर्दाफाश बताया। एस यूजर ने लिखा- कांग्रेस पूरे देश में महिलाओं का अपमान करती है और फिर महिला सशक्तिकरण का लेक्चर देती है। यह पहली बार नहीं है जब बसवराज विवादों में घिरे हैं। अगस्त 2025 में उन्होंने सीएम सिद्धरमैया को बदलने पर बयान देकर पार्टी से शो-कॉज नोटिस पा चुके हैं। इससे पहले उन्होंने अप्रैल में जाति सर्वे पर लिंगायत मंत्रियों के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन इस बार का बयान महिलाओं से जुड़े होने के कारण ज्यादा संवेदनशील है। कार्यकर्ता मांग कर रहे हैं कि कांग्रेस विधायक को अयोग्य घोषित किया जाए। बीजेपी ने कहा कि सिद्धरमैया सरकार महिलाओं की सुरक्षा में नाकाम है। पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई ने ट्वीट किया- कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया है।

## अब केवल, बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिले बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में नक्सलवाद की जड़ों को समाप्त करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने पहले अगले वर्ष 31 मार्च तक की मियाद तय कर दी है। गृह मंत्रालय के आंकड़ें सकलत की कहानी बयां कर रहे है। मंत्रालय के अनुसार, अब देश में नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 6 से घटकर केवल 3 रह गई है। इनमें सिर्फ छत्तीसगढ़ का बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर में नक्सल बचे है। वर्ष 2025 में नक्सल विरोधी अभियानों ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। जिसके तहत 312 वामपंथी कैडर मार गिराए गए, जिनमें सीपीआई (माओवादी) के महासचिव और पोलित ब्यूरो/केंद्रीय समिति के 8 सदस्य शामिल है। कुल 836 नक्सली गिरफ्तार किए गए। 1639 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, इनमें भी 1 पोलित ब्यूरो सदस्य और 1 केंद्रीय समिति सदस्य शामिल रहे। यह आंकड़े साफ बताते है कि नक्सल संगठन का शीर्ष नेतृत्व और संरचना दोनों गहराई से कमजोर हुई है।

मोदी सरकार ने नक्सलवाद से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण आधारित राष्ट्रीय कार्य योजना और नीति लागू की है जिसके तहत स्टीक सूचनाओं के आधार पर सुरक्षा बलों द्वारा लक्षित डॉमिनेशन और सुदूर क्षेत्रों में पहुंच, शीर्ष नेताओं और ओवर ग्राउंड वर्कर्स को निशाना बनाना, नक्सली विचारधारा का मुकाबला और प्रचार-तंत्र को ध्वस्त करना, सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी ढांचे का तेज विकास, कल्याणकारी योजनाओं का सहज क्रियान्वयन, नक्सलियों की वित्तीय सप्लाई लाइन को पूरी तरह बंद करना, केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय के साथ माओवादी मामलों की त्वरित जांच और अभियोजन को प्रमुखता दी गई। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद को भारत को सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बताया था नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से लेकर आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक लाल गलियारा बनाने की खोजना बनाई थी। वर्ष 2013 में नक्सल-संबंधी हिंसा 126 जिलों में रिपोर्ट हुई थी। मार्च 2025 तक यह संख्या घटकर 18 जिलों तक रह गई और इनमें से केवल 6 ही सबसे अधिक प्रभावित की श्रेणी में थे। अब 2025 के अंत तक यह आंकड़ा और घटकर सिर्फ 3 सबसे अधिक प्रभावित जिले रह गया है।

## बिल में छुपा मसूद अजहर... आंतकियों को मनोबल बढ़ने संगठन उसके एआई वीडियो प्रसारित कर रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंतकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेम) का सरगना मसूद अजहर ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान में किसी बिल में छिपा हुआ है। भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसके संगठन को बड़ा नुकसान पहुंचाया है और उसके कई करीबी लोग (जिसमें उसका भाई रऊफ अजगर भी शामिल है) ऑपरेशन में मारे गए हैं। जिसके बाद से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर मसूद अजहर डर के मारे किसी बिल में छुप गया है। दरअसल पाकिस्तानी सेना और आईएसआई भी चाहती है कि आंतकी मसूद अभी बिल में छुप रहे। क्योंकि भारतीय खुफिया एजेंसी की नजर आंतकी अजहर पर है। लेकिन आंतकी अजहर की इस चुप्पी ने जेम कार्यकर्ताओं को बेचैन कर दिया है और वे नेतृत्व की कमी महसूस कर रहे हैं।

पहले, अजहर के छिपने पर उसका भाई रऊफ अजगर संगठन का प्रभार लेता था, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर में अजगर भी मारा गया। अब, वैचारिक प्रमुख अजहर और ऑपरेशन प्रमुख अजगर दोनों की अनुपस्थिति में कार्यकर्ताओं का संगठन पर से विश्वास उठ रहा है। इसके लिए कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने के लिए, जेम नई शाखाएं खोलने और अन्य गतिविधियां शुरू करने की खबरें फैल रहा है। वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके अजहर की तस्वीरें और वीडियो बनाकर प्रसारित कर रहे हैं, ताकि कार्यकर्ताओं को यह विश्वास दिलाया जा सके कि उनका मुखिया सुरक्षित है। आंतकी संगठन को लगता है कि इसतरह के प्रयास यदि सफल होते हैं तब भविष्य में संगठन को पुनर्जीवित किया जा सकता है। इसलिए अपने आंतकियों को एकजुट रखने के लिए जैश-ए-मोहम्मद अब एआई तकनीक का उपयोग कर रहा है। वहीं भारतीय एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि जैश-ए-मोहम्मद कोई बड़ा हमला नहीं करेगा, लेकिन दुष्प्रचार वीडियो का प्रसार बढ़ सकता है। जैश-ए-मोहम्मद के कमजोर होने और नेतृत्व की कमी से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष बढ़ने का डर है। कई जैश-ए-मोहम्मद कार्यकर्ता तालिबान के साथ पाकिस्तान के बिगड़ते संबंधों से भी नाखुश है, जिससे दलबदल का खतरा बढ़ गया है। वहीं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई जैश-ए-मोहम्मद के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए भारत पर बड़ा हमला करने का विचार कर सकता है, लेकिन यह बहुत जोखिम भरा है क्योंकि उन्हें पता है कि भारत सरकार इसतरह के किसी भी दुस्साहस का कड़ा जवाब देगी।